@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 22 दिसंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 41 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

## पार्टी अकेले लड़ सकती है बीएमसी चुनाव: संजय राउत

मुंबई, 21 दिसंबर। महाराष्ट्र में सियासी गलियारों में लगातार हलचल मची हुई है। इस बीच, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने संकेत दिया कि उनकी पार्टी मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव में अकेले उतर सकती है,

हालांकि वे महा विकास आघाड़ी (एमवीए) का साथ नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता बीएमसी चुनाव में अकेले उतरने की मांग कर रहे हैं, क्योंकि इस चुनाव में उम्मीदवारों की संख्या लोकसभा और विधानसभा चुनावों से ज्यादा है। उन्होंने आगे कहा, उद्धव ठाकरे और अन्य पार्टी नेताओं के बीच इस बारे में बातचीत चल रही है। कार्यकर्ता चाहते हैं कि हम अकेले चुनाव लड़ें। शिवसेना ने 1997 से 2022 तक लगातार बीएमसी पर अपना नियंत्रण बनाए रखा था। पिछला मुंबई नगर निगम चुनाव मार्च 2022 में समाप्त हुआ था और अब तक नए चुनाव नहीं हुए हैं। राउत ने कहा कि मुंबई में शिवसेना की शक्ति अप्रतिबंधित है और अगर उन्हें विधानसभा चुनावों में अधिक सीटें मिलतीं तो वे जीत सकते थे। उन्होंने कहा कि जब अविभाजित शिवसेना भाजपा के साथ गठबंधन में थी, तब भी वे बीएमसी और अन्य स्थानीय चुनावों में अकेले चुनाव लड़ते थे और अब भी इसी तरह से चुनाव लड़ने की कोशिश की जा रही है। पिछले सप्ताह, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि शिवसेना बीएमसी चुनाव महायुति (गठबंधन) के तहत लड़ेगी, जिसमें भाजपा, शिवसेना और एनसीपी शामिल हैं। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शनिवार को कहा कि राम मंदिर देश के इतिहास में एक आंदोलन था और न केवल भाजपा और पीएम मोदी ने इसमें योगदान दिया, बल्कि आरएसएस, शिवसेना, वीएचपी और यहां तक कि कांग्रेस सहित सभी ने इस आंदोलन में योगदान दिया।

# किसी प्रधानमंत्री को यहां आने में चार दशक लग गए: पीएम मोदी

**सिम्मी कौर बब्बर**

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। कुवैत में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, मेरे लिए यह पल बहुत खास है। चार दशक से भी ज्यादा समय यानी 43 साल बाद भारत का कोई प्रधानमंत्री कुवैत आया है। हिंदुस्तान से यहां आने में चार घंटे लगते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री को यहां आने में चार दशक लग गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत, दुनिया के उन पहले देशों में से एक है, जिसने कुवैत की स्वतंत्रता के बाद उसे मान्यता दी थी। इसलिए जिस देश से, जिस समाज से इतनी सारी यादें जुड़ी हैं... वहां आना मेरे लिए बहुत यादगार है। मैं कुवैत के लोगों और यहां की सरकार का बहुत आभारी हूं। भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, कुवैत के प्रसिद्ध व्यापारी अब्दुल लतीफ अल-अब्दुल रज्जाक की किताब हाउ टू कैल्कुलेट पर्ल वेट मुंबई में छपी थी। कुवैत के बहुत सारे व्यापारियों ने निर्यात और आयात के लिए मुंबई, कोलकाता, पोरबंदर और गोवा में अपने कार्यालय खोले हैं। कुवैत के बहुत सारे परिवार आज भी मुंबई की मोहम्मद अली गली में रहते हैं। बहुत सारे लोगों को यह जानकर हैरानी होगी कि 60-65 साल पहले कुवैत में भारतीय रुपये वैसे ही चलते थे, जैसे भारत में चलते हैं। यानी यहां किसी दुकान में कुछ खरीदने पर भारतीय रुपये ही स्वीकार किए जाते थे। तब भारतीय मुद्रा की जो शब्दावली थी, जैसे रुपया, पैसा, आना, ये भी कुवैत के लोगों के लिए बहुत सामान्य था। प्रधानमंत्री ने कहा, गुजरात में तो हम बड़े-बुजुर्गों से सुनते आए हैं कि पिछली शताब्दियों में कुवैत से कैसे लोगों का व्यापारी-कारोबारियों का आना-जाना रहता था। खासतौर पर 19वीं शताब्दी में ही कुवैत से व्यापारी सूरत आने लगे थे। तब सूरत कुवैत के मोतियों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार हुआ करता था। सूरत हो या पोरबंदर हो, गुजरात के बंदरगाह इन पुराने संबंधों के साथी हैं। कुवैती व्यापारियों ने गुजराती भाषा में अनेक किताबें भी प्रकाशित की हैं। गुजरात के बाद कुवैत के व्यापारियों ने मुंबई और दूसरे बाजारों में भी अलग पहचान बनाई थी। प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत और कुवैत का रिश्ता सभ्यताओं का है। सागर का है। स्नेह का है। व्यापार का है। भारत और कुवैत अरब सागर के दो किनारों पर बसे हैं। हमें सिर्फ डिप्लोमेसी ने ही नहीं, बल्कि दिलों ने आपस में जोड़ा है। हमारा वर्तमान ही नहीं, बल्कि हमारा अतीत भी हमें जोड़ता

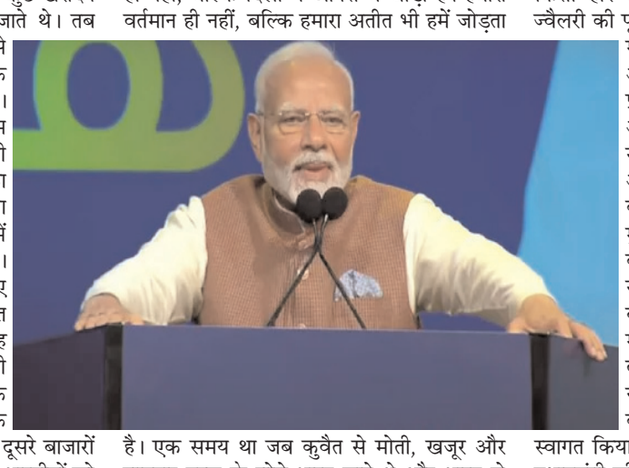

है। एक समय था जब कुवैत से मोती, खजूर और शानदार नस्ल के घोड़े भारत जाते थे और भारत से भी बहुत सारा सामान यहां आता रहा। भारत के चावल, चाय, मसाले, कपड़े, लकड़ी यहां आती थी। भारत की नावों में सवार होकर कुवैत की नाविक लंबी यात्रा करते थे। कुवैत के मोती भारत के लिए किसी हीरे से कम नहीं रहे हैं। आज भारत की ज्वैलरी की पूरी दुनिया में धूम है, तो उसमें कुवैत के मोतियों का भी योगदान है। रामायण और महाभारत अरबी भाषा में भी प्रकाशित हुए हैं। पुस्तक के प्रकाशक अब्दुल्ला लतीफ अलनेसेफ और रामायण-महाभारत को अरबी में अनुवाद करने वाले अब्दुल्ला बैरन ने कुवैत सिटी में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। तलीफ अलनेसेफ ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए सम्मान की बात है। पीएम मोदी इससे बहुत खुश हुए। ये पुस्तकें बहुत महमत्वपूर्ण हैं। उन्होंने (पीएम मोदी) दोनों पुस्तकों पर हस्ताक्षर किए। पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कुवैत पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यह 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है और यह यात्रा निसंदेह विभिन्न क्षेत्रों में भारत-कुवैत दोस्ती को मजतबूत करेगी। मैं आज और कल के लिए तय कार्यक्रमों का इंतजार कर रहा है।

## प्रियांक खरगे ने अमित शाह पर की विवादित टिप्पणी

**कौमी संवाददाता**

बंगलूरू, 21 दिसंबर। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने बाबा साहेब आंबेडकर पर की गई टिप्पणी को लेकर अमित शाह पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि उन्हें (अमित शाह) पागल कुत्ते ने काट लिया। केंद्रीय मंत्री पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी (अमित शाह) दिक्कत यह है कि आंबेडकर और समानता उनकी सोच में नहीं है। ये चीजें उनकी विचारधारा से ही गायब है। कर्नाटक मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा, मैं नहीं जानता कि साज जन्मों तक भगवान का नाम जपने पर मुझे स्वर्ग में जगह मिलेगी या नहीं, लेकिन इस जन्म में आंबेडकर का नाम जपने से हमें राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और

स्वाभिमान का जीवन मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, जितना ज्यादा आंबेडकर और बसवा दर्शन बढ़ेगा, आरएसएस की विचारधारा कम होती जाएगी। कांग्रेस नेता ने कहा, उन्हें (अमित शाह) पागल कुत्ते ने काट लिया है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर राज्यसभा में आंबेडकर को लेकर उनकी टिप्पणियों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि संविधान पर चर्चा के बाद उसके दुर्भावनापूर्ण अभियान ने विपक्षी दल को आंबेडकर और आरक्षण विरोधी साबित कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा था, अभी एक फैशन हो गया है- आंबेडकर, आंबेडकर...। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।

## टीबी उन्मूलन अभियान में सक्रिय रूप से शामिल हों

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को सभी राज्यों और केंद्रीय शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों, उप राज्यपालों और स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ डिजिटल माध्यम से बैठक की। बैठक में उन्होंने सभी से अगले सौ दिनों में तेजी से टीबी उन्मूलन अभियान को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। नड्डा ने सुझाव दिया कि जन भागीदारी की भावना के साथ अन्य मंत्रालयों और विभागों को भी इस अभियान में शामिल किया जाए, जैसा कि राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है। इसके अलावा, उन्होंने विधानसभा सदस्यों (एमएलए), नगर निगम के पार्षदों और पंचायती राज संस्थाओं को भी इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल करने को कहा, ताकि समाज को जागरूक किया जा सके। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि भारत में टीबी के मामलों में 2015 से 2024 तक 17.7 फीसदी की गिरावट आई है, जो वैश्विक औसत (8.3 फीसदी) से दोगुना है। उन्होंने यह भी कहा कि बीते दस वर्षों टीबी के कारण मौतों में 21.4 फीसदी की गिरावट आई है। उन्होंने टीबी के मरीजों को सक्रिय रूप से जांच, स्क्रीनिंग और निदान के महत्व पर जोर दिया और राज्यों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे टीबी उन्मूलन अभियान की निगरानी और प्रचार में शामिल हों। 1. टीबी की जांच और उपचार- अभियान के दौरान 347 जिलों में टीबी के मामलों की निगरानी की जाएगी और उन्नत तकनीक की मदद से मामलों का जल्द से जल्द पता लगाया जाएगा। 2. नई पहल- मृत्यु दर को कम करने के लिए विशेष देखभाल और नि-क्षय पोषण योजना जैसे नए कार्यक्रमों का विस्तार किया जाएगा।

## दानपात्र में गिरा शख्स का आईफोन, पुजारियों का लौटाने से इनकार

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। तमिलनाडु के एक मंदिर के हुंडियाल (दानपात्र) में गलती से अपना आईफोन गिराने वाले एक भक्त की स्थिति अजीबोगरीब है। वह इसे वापस चाहता है, लेकिन तमिलनाडु हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग ने विनम्रतापूर्वक उसके अनुरोध को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि यह अब मंदिर की संपत्ति बन गई है। इस घटना के दौरान अपनी गलती का एहसास होने के तुरंत बाद, भक्त दिनेश ने श्री कंदस्वामी मंदिर, थिरुपुरुर के अधिकारियों से संपर्क किया और अनुरोध किया कि उसका आईफोन जो अनजाने में दान करते समय चढ़ावे के डिब्बे में गिर गया था, उसे वापस कर दिया जाए। वहीं इस घटना के बाद शुक्रवार को दानपात्र खोलने के बाद, मंदिर प्रशासन ने उससे संपर्क किया और कहा कि दानपात्र में फोन मिला है और वे केवल डाटा वापस लेने के लिए स्वतंत्र हैं। हालांकि, दिनेश ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया और जोर देकर कहा कि उनका फोन उन्हें वापस कर दिया जाए। इस बाद जब यह मुद्दा शनिवार को मानव संसाधन और सीई मंत्री पीके शेखर बाबू के संज्ञान में लाया गया, तो उन्होंने जवाब दिया कि दानपात्र में जो कुछ भी जमा किया जाता है, भले ही वह मनमाना कार्य हो, भगवान के खाते में जाता है। उन्होंने कहा, मंदिरों की प्रथाओं और परंपराओं के अनुसार, दानपात्र में चढ़ाया गया कोई भी चढ़ावा सीधे उस मंदिर के देवता के खाते में जाता है। नियम प्रशासन को भक्तों को चढ़ावा वापस करने की अनुमति नहीं देते हैं। मंत्री ने आगे कहा कि वह विभाग के अधिकारियों से चर्चा करेंगे कि क्या भक्त को मुआवजा देने की कोई संभावना है और उसके अनुसार ही कोई निर्णय लेंगे।

# अरविंद केजरीवाल का दलित छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजना की घोषणा

**सौरभ शर्मा**

दिल्ली, 21 दिसंबर। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले दलित समाज के लिए बड़ी घोषणा की है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना का एलान किया है। इससे पहले भी आप कई लोकलुभावन योजना की घोषणा कर चुकी है। जिसमें बुजुर्गों के लिए संजीवनी योजना और ऑटोवालों को पांच बड़ी गारंटी, महिला सम्मान योजना आदि शामिल हैं। दिल्ली में जनता को संबोधित करते हुए आप संयोजक केजरीवाल ने डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना का एलान किया। उन्होंने कहा कि जो दलित छात्र विदेश में पढ़ना चाहते हैं उनका सारा खर्चा हमारी सरकारी उठाएगी। इसके लिए हम डॉ. अंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप शुरू करेंगे। दलित समाज का कोई भी बच्चा पैसे की कमी के कारण उच्च शिक्षा से वंचित ना रहे, इसके लिए डॉ. अंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप दी जाएगी। दलित समाज के बच्चों का विदेश में पढ़ने का सपना होगा साकार। आप ने डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना का एलान करते हुए भाजपा पर तंज कसा है। एक्स अकाउंट पर भाजपा वालों, तुम बाबा साहेब को गाली दो, मैं उन्हें सम्मान दूंगा। बाबा साहेब को यह मेरी

श्रद्धांजलि है। अरविंद केजरीवाल ने भी इस पोस्ट को अपने एक्स अकाउंट पर साझा किया है। इससे पहले आप ने बुजुर्गों के लिए संजीवनी योजना शुरू करने की घोषणा की थी। इसके तहत दिल्ली में 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों का इलाज मुफ्त होगा। अरविंद केजरीवाल ने योजना की घोषणा करते हुए कहा था कि दिल्ली वालों के लिए संजीवनी लेकर आया हूं। दिल्ली में 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज मिलेगा। इलाज का सारा खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी। ये केजरीवाल की गारंटी है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर रजिस्ट्रेशन करेंगे। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने महिलाओं के लिए महिला सम्मान योजना की घोषणा की थी। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं के खाते में हर महीने सरकार एक हजार रुपये भेजेगी। वहीं, केजरीवाल ने चुनाव के बाद महिलाओं को एक हजार की जगह 2100 रुपये देने की भी बात कही। केजरीवाल का दावा है कि दोबारा आप की सरकार बनने पर यह राशि 2100 रुपये कर दी जाएगी। अरविंद केजरीवाल के मुताबिक, हर महिला के अकाउंट हर महीने कुछ पैसे डलवाने का वादा बीते मार्च में किया था। 18 वर्ष से अधिक उम्र की हर महिला को योजना का लाभ मिलेगा। इसके लिए महिलाओं को रजिस्ट्रेशन करना होगा। जो महिलाएं रजिस्ट्रेशन करेंगी उनके अकाउंट में हर महीने पैसे आने शुरू हो जाएंगे।

# मूल मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही भाजपा: शिवकुमार

**तेजिन्दर कौर बब्बर**

बंगलूरू, 21 दिसंबर। कर्नाटक में भाजपा एमएलसी सीटी रवि पर महिला और बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करने का आरोप है। राज्य महिला आयोग ने उनके खिलाफ उच्चस्तरीय जांच की मांग की। इस बीच सीटी रवि ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई गंभीर आरोप लगाए। उनके इन आरोपों पर कर्नाटक क उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने प्रतिक्रिया दी। शिवकुमार ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा सीटी रवि के साथ दुर्व्यवहार का दावा करके भाजपा एक मूल मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा नेता सीटी रवि ने कहा, उनसे (भाजपा) पूछिए, उन्होंने (रवि) जो कहा वह सही था या नहीं। बाकी की बातों पर बाद में चर्चा करेंगे। इससे उनकी पार्टी और नेताओं के संस्कार के बारे में पता चलता है। अदालत में क्या हुआ, यह उन पर (रवि), पुलिस और उनके द्वारा किए गए अपराध पर छोड़ दिया गया है। मूल मुद्दा उनकी भाषा और संस्कार का है। शिवकुमार ने आरोप लगाया कि विधान परिषद में भाजपा एमएलसी ने हेब्बलकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की थी। उन्होंने कहा, भाजपा उनका (रवि) समर्थन कर रही है, क्योंकि वे पार्टी के सदस्य हैं। यह ठीक नहीं है। अगर

कोई गलत है तो उसकी निंदा की जानी चाहिए। अगर किसी ने मेरी पार्टी में ऐसा किया होता तो मैं उसकी निंदा करता। अशोक (विपक्ष के नेता) उनका (रवि) समर्थन कर रहे हैं। वे इस अपराध में एक पक्ष हैं। उन्होंने आगे कहा, यह उनकी पार्टी (भाजपा) का नेतृत्व है। उन्हें कहना चाहिए कि उनकी पार्टी ऐसी ही है। हमें खुशी होगी। उन्हें अपने रत्न खुशी-खुशी अपने पास रखने दें। उन्हें बाहर न भेजें। सीटी रवि के खिलाफ पुलिस कार्रवाई और पुलिस पर दबाव डालने के आरोपों पर शिवकुमार ने कहा, यह पुलिस का मामला है। मुझे कुछ नहीं मालूम। कुछ भी होता है, उसके लिएमुझे जिम्मेदार ठहराया जाता है। वे मुझे याद किए बिना नहीं सो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, भाजपा मूल मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। उनके (रवि) अपमानजनक शब्द के इस्तेमाल को छुपाने के लिए, वे अब पुलिस पर आरोप लगा रहे हैं। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने भी इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट ने पाया कि पुलिस सीटी रवि को गिरफ्तार करने में प्रक्रियाओं का पालन करने में विफल रही। उन्होंने कहा, मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए इसपर बोलना उचित नहीं होगा। बता दें कि सीटी रवि को मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर द्वारा दायर अपमानजनक टिप्पणी मामले में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन कर्नाटक हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी, यह कहते हुए कि गिरफ्तारी नियमों के अनुसार नहीं की गई थी।

## मुश्किल में सांसद बर्क बिना नक्शा पास कराए करवाया था निर्माण

संभल, 21 दिसंबर। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उनके खिलाफ एक के बाद एक कार्रवाई हो रही है। बृहस्पतिवार को बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद उन पर 1.19 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके बाद शुक्रवार को उनके घर के बाहर प्रशासन का बुलडोजर चला। घर के बाहर नाली पर बनीं सीढियां और स्लैब तोड़ दिए गए। प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान सुरक्षा-व्यवस्था खड़ी रही। ड्रोन से निगरानी की गई। 24 नवंबर को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हिंसा हुई थी। पुलिस की ओर से हिंसा करने के लिए सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को आरोपी बनाया गया है। उनपर भड़काऊ भाषण देने का आरोप है। इसके बाद से सांसद जियाउर्रहमान बर्क की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। प्रशासन में बीते मंगलवार को बिजली चोरी का शक जताते हुए उनके घर पर डिजिटल मीटर लगाया। उसके बाद बृहस्पतिवार को बिजली विभाग की टीम ने उनके घर पर बिजली उपकरणों की जांच की। बिजली एसई विजय कुमार गुप्ता ने दावा किया कि उनके घर पर दो-दो किलोवाट के दो मीटर लगे हैं। जबकि उनके घर में मौजूद बिजली उपकरणों की क्षमता 16 किलोवाट से अधिक है। इस मामले में बिजली विभाग की ओर से सांसद जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया।

## हादसे के तीन दिन बाद लापता सात वर्षीय बच्चे का मिला शव

मुंबई, 21 दिसंबर। मुंबई में हुए नौका हादसे में लापता सात साल के बच्चे का शव शनिवार को मिला। नौसेना की नौकाओं ने शनिवार को भी तलाशी अभियान जारी रखा। एक अधिकारी ने बताया कि ये तलाशी अभियान शनिवार शाम तक जारी रहेगा। गुरुवार शाम को हादसे में लापता 43 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद हो गया था। बच्चे का शव मिलने के बाद बाद हादसे में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 15 हो गया। बीती 18 दिसंबर को हुई दुर्घटना मुंबई के बंदरगाह क्षेत्र में हुई सबसे घातक दुर्घटनाओं में से एक मानी जा रही है। लापता लोगों की तलाश के लिए नौसेना का एक हेलीकॉप्टर और नौसेना और तटरक्षक बल की नौकाएं तैनात हैं और लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। दरअसल नौसेना की एक नौका के पर्यटकों को लेकर जा रही फेरी नौका से टकराने से 15 लोगों की मौत हो गई थी। दोनों नौकाओं पर सवार 113 लोगों में से 15 की मौत हो गई और दो घायलों सहित 98 लोगों को बचा लिया गया। नौसेना ने इस हादसे की जांच शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने बताया कि नौसेना की नौका पर छह लोग सवार थे, जिनमें से दो को बचा लिया गया। यह हादसा उस वक्त हुआ जब इंजन परीक्षण के दौर से गुजर रही नौसेना की तेज रफ्तार नाव ने नियंत्रण खो दिया और मुंबई तट के पास यात्री नौका नील कमल से टकरा गई। 100 से अधिक यात्रियों को लेकर यह नौका गेटवे ऑफ इंडिया से एलीफेंटा द्वीप की ओर जा रही थी।

# भारत जोड़ो यात्रा से जुड़े 40 नक्सली संगठनों के नाम बताएं: योगेन्द्र यादव

**नरेश मल्होत्रा**

लातूर, 21 दिसंबर। सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव ने शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से कहा कि वे नक्सलियों के उन 40 संगठनों के नामों का खुलासा करें, जिन्होंने भारत जोड़ो यात्रा में हिस्सा लिया था। गौरतलब है कि दो दिन पहले फडणवीस ने विधानसभा में आरोप लगाया था कि भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए 180 संगठनों में से 40 को महाराष्ट्र और केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकारों ने नक्सलियों का मुखौटा संगठन घोषित किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि 15 नवंबर को काठमांडो में एक बैठक हुई थी जिसमें राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने वाले कुछ संगठनों ने भाग लिया था और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का विरोध तथा राज्यों में मतपत्र व्यवस्था लागू करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई थी। भारत जोड़ो अभियान के राष्ट्रीय संयोजक योगेन्द्र यादव ने महाराष्ट्र के लातूर शहर में पूछा, महात्मा गांधी के अनुयायी होने के नाते हमें नक्सलवादी कैसे कहा जा सकता है? यादव ने कहा कि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव हार गया, क्योंकि वे लोकसभा चुनावों में अपने प्रभावशाली

प्रदर्शन के बाद सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर निर्णायक रुख अपनाने में विफल रहे। उन्होंने दावा किया, वे विधानसभा चुनाव बुरी तरह हार गए, क्योंकि विपक्षी सहयोगी एकजुट रणनीति नहीं बना सके। यादव ने कहा कि भारत जोड़ो अभियान संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा, आज राष्ट्र और लोकतंत्र की नींव पर हमला हो रहा है। हमारी विचारधारा संविधान की प्रस्तावना में निहित है, जो हमारा मार्गदर्शक दर्शन है। यादव ने कहा, अभियान किसी राजनीतिक दल से संबद्ध नहीं है, लेकिन हम उन लोगों का समर्थन करेंगे जो भाजपा को हरा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल में डालने के लिए नए कानून बनाने की योजना बना रही है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शनिवार को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को शहरी नक्सली समूहों से जोड़ने वाले फडणवीस के दावों को खारिज करते हुए उन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। राउत ने कहा, देवेंद्र फडणनवीस ने बीड सरपंच की हत्या और परभणी हिंसा के बारे में झूठ बोला। उन्हें कैसे पता कि कौन नक्सली है? गौरतलब है कि 10 दिसंबर को परभणी शहर में संविधान की प्रतिकृति को नुकसान पहुंचाने को लेकर हिंसा भड़क उठी थी। इसके पहले बीड में 9 दिसंबर को मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी।

## जॉर्ज सोरोस को लेकर भिड़े केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और शशि थरूर

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। भारतीय राजनीति में इन दिनों अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस की चर्चा गर्म है। भाजपा, कांग्रेस नेतृत्व के जॉर्ज सोरोस के साथ कथित संबंधों को लेकर विपक्ष पर हमलावर है। अब सोरोस को लेकर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी सोशल मीडिया पर भिड़ गए हैं। दरअसल हाल ही में सोशल मीडिया पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर का एक पुराना पोस्ट वायरल हुआ, जिसमें थरूर ने लिखा था कि पुराने मित्र जॉर्ज सोरोस से मुलाकात हुई। वह एक निवेशक ही नहीं हैं बल्कि इस दुनिया के एक चिंतक नागरिक हैं। इस पर सफाई देते हुए शशि थरूर ने जवाब दिया कि ये मुलाकात हरदीप पुरी के घर हुई थी। वे सिर्फ सामाजिक तौर पर मेरे दोस्त थे। मैंने उनसे एक रुपया नहीं लिया। इसके बाद मैं एक बार और उनसे मिला था। थरूर ने कहा कि विदेश राज्यमंत्री के तौर पर मैं न्यूयॉर्क के दौरे पर था। उस वक्त अमेरिका में भारत के राजदूत हरदीप पुरी ने कई प्रमुख अमेरिकियों को मेरे साथ डिनर पर चर्चा के लिए बुलाया था। थरूर ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि लोग 15 साल पुराने ट्वीट के आधार पर बेतुका आरोप लगा रहे हैं। शशि थरूर के आरोपों के बाद केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि शशि थरूर ने पूरी तस्वीर नहीं दिखाई है। पुरी ने बताया कि साल 2009 के जिस डिनर की बात थरूर कर रहे हैं, उसमें आमंत्रित लोगों की सूची उन्होंने ही दी थी और जिन सज्जन की बात की जा रही है, वो राजीव गांधी फाउंडेशन के दानदाता थे और तत्कालीन विदेश राज्यमंत्री ही उनसे मिलने के लिए उत्सुक थे। हरदीप पुरी ने ये भी कहा कि वह उस समय पहली बार जॉर्ज सोरोस से मिले थे। भाजपा ने बीती 8 दिसंबर को सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा था कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ऐसे संगठन से जु ी हैं, जो कश्मीर को भारत से अलग करने की वकालत करता है।

## दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल को देशद्रोह के आरोप में पूछताछ के लिए फिर बुलाया गया

**एजेंसी**

**सियोल।** दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल को एक बार फिर मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा से संबद्ध देशद्रोह के आरोप में पूछताछ के लिए संयुक्त जांच दल के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया है। इससे पहले उन्हें 16 दिसंबर को समन जारी कर 18 दिसंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। मगर वह नहीं गए थे। द कोरिया टाइम्स के अनुसार, संयुक्त जांच दल के आज के समन में राष्ट्रपति को भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) में 25 दिसंबर को सुबह 10 बजे तलब किया गया है। संयुक्त जांच दल में सभी एजेंसियों के उच्च अधिकारी शामिल हैं। सीआईओ ग्योंगगी प्रांत के ग्वाचेन में है। राष्ट्रपति से राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी और राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के संबंध में पूछताछ की जानी है। समन में सभी आरोप निर्दिष्ट किए गए हैं। इनमें देशद्रोह के कृत्यों को अंजाम देना, सत्ता का दुरुपयोग और अधिकारियों के कर्तव्यों के प्रयोग में बाधा पहुंचाना शामिल है। सीआईओ ने ई-मेल और आधिकारिक इलेक्ट्रॉनिक संचार के माध्यम से तीन स्थानों (राष्ट्रपति निवास, राष्ट्रपति सचिवालय, और सामान्य मामलों के लिए राष्ट्रपति सचिव का कार्यालय) पर समन पहुंचाया है।

## बांग्लादेश में तबलीगी जमात प्रवक्ता मुआज बिन नूर गिरफ्तार

**ढाका।** बांग्लादेश की राजधानी ढाका के टोंगी बिस्वा इज्तेमा मैदान पर कब्जे को लेकर तबलीगी जमात के दो गुटों के बीच बुधवार को हुए खूनखराबा पर अंतरिम सरकार ने कठोर कदम उठाया है। इस संबंध में मौलाना साद गुट के तबलीगी जमात के प्रवक्ता मुआज बिन नूर (40) को आज तड़के गिरफ्तार कर लिया गया। इस खूनखराबा में तीन श्रद्धालुओं की जान गई है।द डेली स्टार समाचार पत्र के अनुसार, नूर का घर ढाका के उत्तरा में है। तबलीगी जमात के दूसरे गुट के नेता मौलाना जुबेर हैं। जुबेर गुट ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कराया है। इस केस में गिरफ्तार नूर पांचवां आरोपित है। इस केस में 29 लोग नामजद हैं। टोंगी वेस्ट पुलिस स्टेशन के प्रभारी इस्कंदर हबीबुर रहमान ने कहा, नूर को आज तड़के उत्तरा में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

## यूट्यूब ने 200 से अधिक रूसी चैनल किये ब्लॉक

**मास्को।** अमेरिकी कंपनी यूट्यूब ने इस वर्ष अब तक कुल 200 से अधिक रूसी चैनलों और 80 अकाउंट को ब्लॉक कर दिया है।रूसी मीडिया एवं संचार नियामक संस्था रोसकोम्नाडज़ोर ने कहा, ÷ब्लॉक किए गए रूसी चैनलों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। इस साल, रूसी मीडिया, पत्रकारों और सार्वजनिक हस्तियों सहित यूट्यूब ने रूसी संगीतकारों के वीडियो को भी ब्लॉक करना शुरू कर दिया। केवल वीडियो ही नहीं, रूसी उपयोगकर्ताओं के बीच लोकप्रिय कई चैनलों को ब्लॉक कर दिया गया। यूट्यूब ने इस साल हमारे 80 से अधिक अकाउंट और कुल 200 से ज़्यादा चैनल ब्लॉक कर दिये हैं।' नियामक ने कहा कि 10 जुलाई को, रोस्कोम्नाडजोर ने रूसी चैनलों को अनब्लॉक करने के लिए एक और मांग भेजी, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। रोस्कोम्नाडज़ोर ने कहा, 'रूसी कानून के व्यवस्थित उल्लंघन के कारण, पिछले तीन वर्षों में गूगल एलएलसी पर अदालत की ओर से लगाए गए जुर्माने की कुल राशि 25 अरब रूबल से अधिक थी। पूरी अवधि (2021 से) के लिए जुर्माने की राशि 34.5 अरब रूबल से अधिक है।'जुलाई के अंत में, रूसी सांसद अलेक्जेंडर खिनश्टेन ने कहा कि रूस में यूट्यूब के डेस्कटॉप संस्करण की डाउनलोड गति 70 प्रतिशत तक कम हो जाएगी। सांसद ने यूट्यूब की कथित रूसी विरोधी नीति को डाउनलोड गति की कमी का कारण बताया।

## ईयू के पूर्व व्यापार आयुक्त मैंडेलसन अमेरिका में ब्रिटेन के राजदूत होंगे

**लंदन।** ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर यूरोपीय संघ (ईयू) के पूर्व व्यापार आयुक्त पीटर मैंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का नया राजदूत नियुक्त करेंगे। 'द टाइम्स' ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है। सूत्रों ने बताया कि 71 वर्षीय मैंडेलसन के पास व्यापार और नेटवर्किंग का अनुभव है, जिससे अमेरिका-ब्रिटेन संबंधों को बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। बताया जाता है कि उन्हें पूर्व विदेश सचिव डेविड मिलिबैंड और पूर्व-ईयू नीति प्रमुख कैथरीन एश्टन जैसे अन्य उम्मीदवारों के मुकाबले चुना गया है। अपने राजनीतिक करियर के दौरान, भावी राजदूत ने कई महत्वपूर्ण सरकारी पदों पर काम किया है, जिनमें ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन के अधीन व्यापार सचिव और प्रभावी उप प्रधानमंत्री तथा 2004 से 2008 तक व्यापार के लिए यूरोपीय आयुक्त शामिल हैं।वाशिंगटन में ब्रिटेन के वर्तमान राजदूत करेन पियर्स 20 जनवरी को अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पद संभालने तक अपने पद पर बने रहेंगे। दिसंबर की शुरुआत में श्री ट्रम्प ने अमेरिका के ÷सबसे सफल व्यवसायियों में से एक वॉरेन स्टीफंस को ब्रिटेन में अमेरिका के नए राजदूत के रूप में नामित किया।

# नाइजीरिया के एक मेले में भीड़ के कुचले जाने से 35 बच्चों की मौत

**एजेंसी**

**अबुजा (नाइजीरिया)।** दक्षिण पश्चिम नाइजीरिया में बुधवार को एक मनोरंजन मेले में भीड़ के कुचलने से कम से कम 35 बच्चों की मौत हो गई और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ओयो राज्य पुलिस के प्रवक्ता ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि इबादान शहर के इस्लामिक स्कूल में हुई घटना में कथित संलिप्तता के लिए आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों में कार्यक्रम का मुख्य प्रायोजक भी शामिल है।स्थानीय रेडियो स्टेशन एगिडिग्बो एफएम के अनुसार, मार्गदर्शन और समर्थन की आवश्यकता वाली महिलाओं (विंग) के रूप में पहचाने जाने वाले कार्यक्रम के आयोजकों को मुफ्त कार्यक्रम में 13 वर्ष से कम उम्र के पांच हजार बच्चों की मेजबानी करने

की उम्मीद है, जहां वे छात्रवृत्ति जैसे पुरस्कार जीत सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने एक प्रवक्ता के बयान के जरिये इस घटना के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। बयान में कहा गया शोक की इस घड़ी में राष्ट्रपति टीनुबू प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता से खड़े हैं और प्रार्थना करते हैं कि सर्वशक्तिमान ईश्वर इस घटना में दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान करें।राष्ट्रपति ने ओयो राज्य सरकार से इसी तरह की त्रासदी को होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी आग्रह किया। ओयो राज्य के गवर्नर सेई माकिंडे ने कहा कि यह बहुत दुखद दिन है। श्री माकिंडे ने फेसबुक पर पोस्ट किया हमें उन माता-पिता से सहानुभूति है जिनकी खुशियां इन मौतों के कारण अचानक मातम में बदल गई हैं।पुलिस ने कहा कि मामला राज्य के आपराधिक जांच विभाग की हत्या अनुभाग को स्थानांतरित कर दिया गया है।पुलिस प्रवक्ता ने कहा ओयो राज्य पुलिस कमान त्रासदी से प्रभावित सभी परिवारों और प्रियजनों के प्रति सहानुभूति रखती है और राज्य के अच्छे लोगों को आश्वासन देती है कि तदनुसार न्याय किया जाएगा।

## श्रीलंका की नौसेना ने 25 बच्चों समेत 102 रोहिंग्याओं को बचाया

**एजेंसी**

**कोलंबो।** श्रीलंका की नौसेना ने उत्तर-पूर्वी तट के निकट समुद्र क्षेत्र में संकट में फंसे म्यामांर के 25 बच्चों समेत 102 रोहिंग्याओं को बचा लिया। स्थानीय मछुआरों ने इनको सबसे पहले मुल्लईतिवु जिले के वेल्ला मुल्लीवैक्कल क्षेत्र में देखा। मछुआरों ने नौसेना को इसकी सूचना दी। न्यूज समाचार पत्र के अनुसार, नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन गयान विक्रमसूर्या ने कहा कि म्यांमार से 102 संदिग्ध अवैध प्रवासियों को ले जा रही नाव रास्ता भटक कर उत्तर-पूर्व में मुल्लईतिवु जिले में मुल्लैवैक्कल तट से दूर समुद्र की ओर बह गई थी। मछुआरों ने इनको 19 दिसंबर को देखा था। सूचना मिलते ही नौसेना के जवान उनके पास पहुंचे और सब को सुरक्षित बचा लिया। नाव में कुल 102 लोग सवार थे। इनमें 25 बच्चे और 40 महिलाएं शामिल हैं। इनमें एक महिला गर्भवती है। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें त्रिंकोमाली लाया गया है। नौसेना ने दिसंबर 2022 में भी श्रीलंकाई जल क्षेत्र में 100 से अधिक रोहिंग्याओं को बचाया था। कैप्टन विक्रमसूर्या ने बताया कि सभी

102 लोगों को ताजा पानी, भोजन और दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। विदेश और रक्षा मंत्रालय को इसकी सूचना भेज दी गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निलुका कादुर्गामुवा ने कहा कि सभी 102 लोगों की स्थिति का आकलन किया जा रहा है।

## श्रीलंका में भिक्षु ज्ञानसारा थेरा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

**एजेंसी**

**श्रीलंका।** श्रीलंका प्रसिद्ध भिक्षु वेन गैलागोडा अथथे ज्ञानसारा थेरा की गिरफ्तारी की संभावना बढ़ गई है। वह बोडु बाला सेना संगठन के महासचिव हैं। वह कोलंबो के अतिरिक्त मजिस्ट्रेट पासन अमरसिंघे की अदालत में कल तारीख पर पेश नहीं हुए। अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया। उन पर इस्लाम का अपमान करने वाले बयान देने और धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप हैं। इस केस में वह जमानत पर हैं।

डेली न्यूज के मुताबिक यह केस आठ साल पुराना है। भिक्षु ज्ञानसारा थेरा ने संवाददाता सम्मेलन में इस्लाम के खिलाफ कथित टिप्पणी की थी। उनके खिलाफ दंड संहिता की धारा 291 (ए) के तहत कोलंबो के अपराध प्रभाग ने केस दर्ज कराया था। अदालत ने 12 नवंबर की सुनवाई में 19 दिसंबर को फैसला सुनाने की घोषणा की थी। अदालत में 19 दिसंबर को उनका नाम पुकारा

गया। उनके वकील ने अदालत को सूचित किया कि भिक्षु का कोलंबो के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। जवाब से असंतुष्ट अदालत ने आरोपित भिक्षु के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसके अतिरिक्त अदालत ने जमानत गारंटर को भी एक नोटिस जारी किया है।

## नेपाल का भारत से पोखरा व लुंबिनी एयरपोर्ट के लिए अतिरिक्त हवाई मार्ग उपलब्ध कराने का आग्रह

**एजेंसी**

**काठमांडू।** नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने भारत सरकार से पोखरा और लुंबिनी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पूर्ण संचालन के लिए अतिरिक्त हवाई मार्ग उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। डॉ. राणा ने भारत की निजी विमानन कंपनियों को भी इन दोनों एयरपोर्ट से भारत के अलग-अलग शहरों के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू करने का आग्रह किया है। पांच दिवसीय दौरे पर गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचीं नेपाल की विदेश मंत्री राणा ने भारत-नेपाल आर्थिक सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान राणा ने नेपाल में दो नए एयरपोर्ट- पोखरा और लुंबिनी का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए हवाई यात्रा के विस्तार के महत्व पर जोर दिया।डॉ. राणा ने कहा कि नेपाल सरकार ने पोखरा और लुंबिनी में दो

एयरपोर्ट बनाए हैं, जो दोनों महत्वपूर्ण शहर हैं। पोखरा एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, और लुंबिनी भगवान गौतम बुद्ध का जन्मस्थान है जो भारतीय पर्यटकों के लिए सबसे आकर्षण का केंद्र है। हम न केवल पर्यटन बल्कि इन एयरपोर्ट के माध्यम से समग्र कनेक्टिविटी का विस्तार करना चाहते हैं। इसलिए, नेपाल इन दोनों एयरपोर्ट को पूरी क्षमता से संचालित करने के लिए अतिरिक्त हवाई मार्गों की मांग कर रहा है। उन्होंने भारतीय विमानन कंपनियों से नेपाल के लिए उड़ानें बढ़ाने का आग्रह किया। विदेश मंत्री ने कहा कि नेपाल सरकार इन दोनों एयरपोर्ट को प्रोत्साहित करने के लिए निजी भारतीय एयरलाइंस को अधिकतम रियायतें दे रही है। डॉ. राणा का मानना है कि इन हवाई मार्गों का विस्तार करने और एयरपोर्ट को पूरी क्षमता से संचालित करने से नेपाल और भारत दोनों की पर्यटन क्षमता को बढ़ाने से दक्षिण एशिया के भीतर अधिक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में योगदान मिलेगा।

## अलविदा उस्ताद...जाकिर हुसैन सैन फ्रांसिस्को में सुपुर्द-ए-खाक

**एजेंसी**

**न्यूयॉर्क।** विश्व प्रसिद्ध तबला वादक जाकिर हुसैन को शोकाकुल परिवार और प्रशंसकों ने अंतिम विदाई दी। उन्हें सैन फ्रांसिस्को में 19 दिसंबर को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। प्रसिद्ध ताल वादक ए. शिवमणि एवं अन्य नामचीन कलाकार उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। सभी ने नम आंखों से उस्ताद जाकिर हुसैन की विदाई के अंतिम क्षणों में ड्रमों पर प्रदर्शन किया।

73 वर्षीय उस्ताद जाकिर हुसैन का फेफड़ों की बीमारी इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस से उत्पन्न जटिलताओं के कारण पिछले दिनों सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में निधन हो गया था। प्रसिद्ध तबला वादक अल्ला रक्खा के पुत्र जाकिर हुसैन को तबले की थाप को भारतीय शास्त्रीय संगीत की सीमाओं से परे जैज और पश्चिमी शास्त्रीय संगीत तक पहुंचाने का श्रेय है। उस्ताद के निधन की सूचना पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स हैंडल के माध्यम से परिवार को भेजे शोक संदेश में कहा था, महान तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन से बहुत दुख हुआ। वह भारतीय शास्त्रीय संगीत में क्रांति के वाहक हैं। उन्होंने अपनी थाप से तबले को वैश्विक पहचान दिलाई। भारतीय संगीत को विश्व संगीत से जोड़ने में मदद की। वे सांस्कृतिक एकता के प्रतीक हैं।

अब दुनिया में जब भी तबले का जिक्र होगा तो उस्ताद जाकिर हुसैन का नाम प्रमुखता से लिया जाएगा। उन्होंने न सिर्फ अपने पिता उस्ताद अल्ला रक्खा खां की पंजाब घराने (पंजाब बाज) की विरासत को आगे बढ़ाया, बल्कि तबले के शास्त्रीय वादन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ले गए। उस्ताद जाकिर हुसैन को संगीत की दुनिया का सबसे बड़ा ग्रैमी अवॉर्ड 1992 में द प्लेनेट ड्रम और 2009 में ग्लोबल ड्रम प्रोजेक्ट के लिए मिला। इसके बाद 2024 में उन्हें तीन अलग-अलग संगीत एलबम के लिए एक साथ तीन ग्रैमी मिले। साल 1978 में जाकिर ने कथक नृत्यांगना एंटोनिया मिनीकोला से शादी की। उनकी दो बेटियां हैं- अनीसा कुरैशी और इसाबेला कुरैशी। उन्होंने 1983 में फिल्म हीट एंड डस्ट से अभिनय के क्षेत्र में भी कदम रखा। उस्ताद ने इसके बाद 1988 में द परफेक्ट मर्डर, 1992 में मिस बैटीज चिल्डर्स और 1998 में साज फिल्म में अभिनय किया। वो शास्त्रीय प्रस्तुति के दौरान बीच-बीच में अपने तबले से कभी डमरू, कभी शंख तो कभी बारिश की बूंदों जैसी अलग-अलग तरह की ध्वनि निकालते थे। वो कहा करते थे कि शिवजी के डमरू से कैलाश पर्वत से जो शब्द निकले, गणेश जी ने वही शब्द लेकर उन्हें ताल की जुबान में बांधा।

## उ. कोरियाई हैकरों ने इस साल चुराई है 13 अरब डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी: रिपोर्ट

**एजेंसी**

**प्योंगयांग ।** वर्ष 2024 में कुल 22 अरब डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी चोरी हुए है, जिसमें उत्तर कोरियाई हैकरों का योगदान आधे से अधिक है। शोध फर्म चैनालिसिस की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि उ. कोरिया से जुड़े हैकरों ने 13 अरब डॉलर की डिजिटल करेंसी चुराई है, जो पिछले साल की तुलना में दोगुनी से भी ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ चोरियां उ. कोरियाई हैकरों से जुड़ी हुई प्रतीत होती हैं, जो क्रिप्टो और अन्य प्रौद्योगिकी फर्मों में घुसपैठ करने के लिए दूरस्थ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कर्मचारियों के रूप में प्रस्तुत होते हैं।गौरतलब है कि इस साल बिटकॉइन की कीमत इस साल दोगुनी से अधिक हो गई है। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन की तुलना में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अधिक क्रिप्टो-फ्रेंडली होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल मिलाकर, 2024 में हैकरों द्वारा चुराई गई क्रिप्टोकरेंसी की मात्रा पिछले साल की तुलना में 21 प्रतिशत बढ़ गई, लेकिन यह अभी भी 2021 और 2022 में दर्ज किए गए स्तरों से

नीचे है।रिपोर्ट में कहा गया है, 2024 में चोरी की गई क्रिप्टो में वृद्धि उद्योग के लिए एक तेजी से जटिल और विकसित हो रहे खतरे के परिदृश्य को संबोधित करने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।÷ इसने कहा कि इस साल अधिकांश चोरी क्रिप्टो निजी कुंजियों के साथ छेड़छाड़ से हुयी है, जिनका उपयोग क्रिप्टो प्लेटफ़ॉर्म पर उपयोगकर्ताओं की संपत्तियों तक पहुँच को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।अध्ययन में कहा गया है कि चूंकि केंद्रीकृत एक्सचेंज उपयोगकर्ता निधियों की पर्याप्त मात्रा का प्रबंधन करते हैं, इसलिए निजी कुंजी के साथ छेड़छाड़ का प्रभाव विनाशकारी हो सकता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस साल की कुछ सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में जापानी क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज, डीएमएम बिटकॉइन से बिटकॉइन में 3000 लाख डॉलर के बराबर की चोरी और भारत स्थित क्रिप्टो एक्सचेंज वज़ीरएक्स से लगभग 2350 लाख डॉलर का नुकसान शामिल है। अमेरिकी सरकार ने कहा है कि उ. कोरियाई शासन अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को दरकिनार करने और धन जुटाने के लिए क्रिप्टोकरेंसी चोरी तथा साइबर अपराध के अन्य रूपों का सहारा लेता है।

# वाशिंगटन और दमिश्क के संबंधों में बदलाव का संकेत, अमेरिकी राजनयिक का सीरिया दौरा जल्द

**एजेंसी**

**दमिश्क।** सीरिया में गृहयुद्ध थमने के बाद पहली बार वाशिंगटन और दमिश्क के संबंधों में बदलाव का संकेत मिला है। संयुक्त राज्य अमेरिका के एक वरिष्ठ राजनयिक के जल्द ही सीरिया पहुंचने की उम्मीद है। उनकी सीरिया के अधिकारियों से मिलने का कार्यक्रम है।अरबी न्यूज वेबसाइट %963+% की खबर के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने आज घोषणा की कि 13 साल के गृह युद्ध के बाद मध्य पूर्वी मामलों की सहायक सचिव बारबरा लीफ प्रतिनिधिमंडल के साथ जल्द ही सीरिया का दौरा करेंगी। प्रतिनिधिमंडल की आतंकवादी संगठन के रूप में वर्गीकृत हयात तहरीर अल-शाम के प्रतिनिधियों और नागरिक समाज के प्रतिनिधयों से मुलाकत होगी। सीरिया पर नियंत्रण करने वाले हयात तहरीर अल-शाम के नेता सीरिया के भविष्य के लिए

अपने दृष्टिकोण से अमेरिकी राजनयिक को अवगत कराएंगे। '963+' की खबर के अनुसार, सीरिया में सैन्य अभियानों के कमांडर अहमद अल-शरा उर्फ अबू मोहम्मद अल-जुलानी ने कहा कि सीरिया युद्ध से थक चुका है। वह अपने पड़ोसियों या पश्चिम के लिए कोई खतरा पैदा नहीं करेगा। उन्होंने दुनिया से गुहार लगाई है कि सीरिया पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटा ले। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार, अगर आर्थिक प्रतिबंध नहीं हटाए जाते तो सीरिया का पुनर्निर्माण असंभव है। बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद सीरिया के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती है। फ्रांस में रहने वाले आर्थिक विश्लेषक यूसुफ लाहलाली का कहना है कि आर्थिक प्रतिबंधों का जारी रहना सीरियाई अर्थव्यवस्था को शुरू करने और पुनर्निर्माण कार्यों को शुरू करने में एक बड़ी बाधा है।

इराकी दूतावास के कर्मचारी लेबनान से दमिश्क लौटे

इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने गुरुवार शाम घोषणा की इराकी दूतावास के कर्मचारी लेबनान से दमिश्क लौट गए हैं। दूतावास ने काम करना शुरू कर दिया है। सुदानी ने कहा कि बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद दूतावास के कर्मचारी सड़क मार्ग से लेबनान चले गए थे।

## नेपाल सुप्रीम कोर्ट का सरकारी रिकार्ड से जनयुद्ध शब्द हटाने का आदेश

**एजेंसी**

**काठमांडू।** नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने जनयुद्ध शब्द को असंवैधानिक करार देते हुए सरकारी अभिलेखों और दस्तावेजों से इसे हटाने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह अहम फैसला गुरुवार को सुनाया। नेपाल में माओवादी अपने 10 वर्ष के सशस्त्र द्वंद्व काल को जनयुद्ध कहते हैं। इन्होंने सत्ता में रहते हुए बजट सहित अन्य सरकारी कामकाज में इस शब्द का इस्तेमाल है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत की अध्यक्षता वाली सात जजों की संवैधानिक बेंच ने फैसले में जनयुद्ध शब्द को असंवैधानिक करार दिया। साथ ही अब तक जितने भी सरकारी अभिलेख और दस्तावेजों में इस शब्द का इस्तेमाल किया गया है उसे रिकॉर्ड से हटाने का आदेश दिया। संवैधानिक बेंच ने फैसले में कहा कि नेपाल का संविधान जनयुद्ध

शब्द को अंगीकार नहीं करता है। इसलिए सरकारी बजट भाषण या अन्य दस्तावेज में इस शब्द के इस्तेमाल को मान्यता नहीं दी सकती है। जनयुद्ध शब्द का इस्तेमाल नेपाल की संविधान के प्रस्तावना के विपरीत है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट इससे पहले माओवादियों की सरकार के जनयुद्ध दिवस पर घोषित किए गए सार्वजनिक अवकाश पर रोक लगा चुका है।

## संयुक्त राष्ट्र ने 27 नवंबर से 13 लाख से अधिक सीरियाई लोगों को खाद्य सहायता प्रदान की

**एजेंसी**

**दमिश्क।** संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और उनके सहयोगियों ने 27 नवंबर से सीरिया में 13 लाख से अधिक लोगों को भोजन सहायता प्रदान की है। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने यह जानकारी दी। संगठन द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, 27 नवंबर से देश भर में 13 लाख से अधिक लोगों को भोजन सहायता प्राप्त हुई है, जिसमें गर्म भोजन, खाने के लिए तैयार (रेडी टू ईट) राशन और भोजन की टोकरियाँ शामिल हैं।

**कौमी पत्रिका**
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

# पाकिस्तान का लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम उभरता हुआ खतरा- अमेरिका

**एजेंसी**

**वाशिंगटन/इस्लामाबाद।** अमेरिका ने पाकिस्तान के लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के कार्यक्रम को 'उभरता हुआ खतरा' बताया है।व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पाकिस्तान का अपनी लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमताओं पर काम करने से अंततः वह न केवल भारतीय उपमहाद्वीप से परे बल्कि भविष्य में संभवतः अमेरिका तक के लक्ष्यों पर हमला कर सकेगा जिसने इसे चिंता का विषय बना दिया है। अमेरिकी उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर ने यह कहते हुए कि दोनों देश लंबे समय से साझेदार हैं विशेष रूप से 'आतंकवाद-विरोधी और सुरक्षा' के मुद्दों पर सवाल उठाया कि क्या देश द्वारा अपनी लंबी दूरी की परमाणु क्षमताओं का विकास केवल भारत के लिए किया जा रहा है या क्या इस्लामाबाद के लिए

प्राथमिकताओं में बदलाव किया गया है। श्री फाइनर ने अमेरिकी थिंक टैंक कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस में अपने संबोधन में कहा कि पाकिस्तान ने लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल प्रणालियों से लेकर उपकरणों तक तेजी से परिष्कृत मिसाइल प्रौद्योगिकी का अनुसरण किया है जो काफी बड़े रॉकेट मोटर्स के परीक्षण को सक्षम करेगा। उन्होंने कहा कि यदि ये रुझान जारी रहे तो पाकिस्तान के पास दक्षिण एशिया से परे अमेरिका सहित लक्ष्यों पर हमला करने की क्षमता होगी जिससे पाकिस्तान के इरादों पर वास्तविक सवाल उठेंगे। अमेरिकी उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का संबोधन अमेरिका द्वारा पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल विकास कार्यक्रम से संबंधित प्रतिबंधों के एक नए दौर की घोषणा के ठीक एक दिन बाद आया जिसमें पहली बार नेशनल डेवलपमेंट कॉम्प्लेक्स (एनडीसी) के खिलाफ प्रतिबंध शामिल हैं। देश की सरकारी एयरोस्पेस और रक्षा एजेंसी जो कार्यक्रम की देखरेख करती है इसने पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों के बीच इस्लामाबाद के प्रति वाशिंगटन के बढ़ते अविश्वास को रेखांकित किया। अफगानिस्तान से 2021 में अमेरिकी सेना की वापसी और तालिबान के कब्जे के बाद पाकिस्तान और अमेरिका के बीच संबंध खराब हो गए थे।

## पूर्वांचली मतदाताओं को लेकर केजरीवाल के आरोपों पर भाजपा ने किया पलटवार, कहा- दिल्ली हारने की है बेचैनी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नड्डा ने संसद में पूर्वांचली भाइयों की रोहिंग्या, बांग्लादेशियों और घुसपैठियों से तुलना की। इस पर भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि संसद में संजय सिंह जोर-जोर से चिल्लाकर झूठ बोलते हैं। वैसे ही केजरीवाल भी गलत नैरेटिव सेट करके दिल्ली की जनता को भ्रमित करने की कोशिश में लगे हुए हैं। पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता में राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली में 11 हजार लोगों के वोट काटने का झूठ फैला रही है। संसद में हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने वोट काटने की प्रक्रिया को समझाया था। मतदाता सूची को अपडेट करने की प्रक्रिया के तहत हर पार्टी के बूल लेवल एजेंट(बीएलए) और बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के साथ जाकर सूची को अपडेट करते हैं। उस समय आम आदमी पार्टी के बीएलए क्या कर रहे थे। क्या वे सोए हुए थे। वे जानबूझ कर आरोप लगाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। संबित पात्रा ने कहा कि आम आदमी पार्टी आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव हारने वाली है।

## प्रधानमंत्री ने ओम प्रकाश चौटाला के निधन पर दुख व्यक्त किया

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला के निधन पर दुख व्यक्त किया और प्रदेश की राजनीति में उनके सक्रिय योगदान को याद किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला के साथ मुलाकात की अपनी एक पुरानी तस्वीर एक्स पर साझा करते हुए लिखा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। प्रदेश की राजनीति में वे वर्षों तक सक्रिय रहे और चौधरी देवीलाल जी के कार्यों को आगे बढ़ाने का निरंतर प्रयास किया। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। इनेलो सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला का 93 साल की उम्र में गुरुग्राम में निधन हो गया। देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल के राजनीतिक वारिस ओमप्रकाश चौटाला चार बार हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे।

## अब 31 दिसंबर तक दाखिल कर सकेंगे विलंबित आईटीआर

**नई दिल्ली।** आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए विलंबित आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब 31 दिसंबर तक आईटीआर दाखिल किया जा सकता है। यह जानकारी आयकर विभाग ने दी है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर एक बयान जारी कर कहा कि यदि आप आकलन वर्ष 2024-25 कि लिए अपना आईटीआर दाखिल करने से चूक गए हैं, तो आपके लिए विलंबित आयकर रिटर्न जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2024 है। आखिरी समय का इंतजार न करें और आज ही अपना आयकर रिटर्न दाखिल करें। विभाग के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 और आकलन वर्ष 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि? 31 जुलाई 2024 थी, लेकिन अगर कोई करदाता आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि से चूक गया है, तो भी लेट फीस के साथ वह अपना रिटर्न दाखिल कर सकता है। इसे विलंबित आईटीआर फाइलिंग कहते हैं। आयकर विभाग के मुताबिक विलंबित आयकर रिटर्न दाखिल करने पर आयकर अधिनियम की धारा 234फीसदी के तहत जुर्माना लगेगा।

## सांसदों के खिलाफ नहीं लोकतंत्र के खिलाफ हुई हिंसा : केसी त्यागी

**नई दिल्ली।** संसद परिसर में 19 दिसंबर को हुए धक्का-मुक्की मामले में जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कहा है कि यह हिंसा सिर्फ सांसदों के खिलाफ नहीं थी, बल्कि लोकतंत्र के खिलाफ थी। संविधान की मर्यादाएं तोड़ी गईं। यह लोकतंत्र के लिए शर्मनाक दिन था। जब देश आजादी और संविधान के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है, तब ऐसी शर्मनाक घटनाओं ने संसद का अपमान किया है। राहुल गांधी पर एफआईआर मामले में उन्होंने कहा कि मैं इन सब चीजों को ज्यादा महत्व नहीं देता हूं। ओम प्रकाश चौटाला के निधन पर जेडीयू नेता ने कहा है कि वह किसान राजनीति के प्रतीक थे। हरियाणा के किसान गौरव के प्रतीक थे। उनके निधन से आज किसान राजनीति अनाथ हो गई है। हरियाणा की राजनीति में एक खालीपन आ गया है। बता दें कि ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर हरियाणा में तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है। हरियाणा सरकार की तरफ से जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, प्रदेश में 20 से 22 दिसंबर तक राजकीय शोक रहेगा। 21 दिसंबर को प्रदेश में एक दिन की छुट्टी की घोषणा की गई है। इसके अलावा 20-22 दिसंबर तक प्रदेश में कोई सरकारी मनोरंजन कार्यक्रम नहीं होगा। 21 दिसंबर को राजकीय सम्मान के साथ पूर्व सीएम का अंतिम संस्कार होगा। ओमप्रकाश चौटाला ने गुरुग्राम में अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वह कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। चौटाला के निधन पर पीएम नरेंद्र मोदी, प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा समेत कई नेताओं ने दुख जताया।

## किसानी आन्दोलन किसानों की आढ़ में विश्व व्यापार संगठन की लड़ाई है: हरजीत गरेवाल

चंडीगढ़, (संजय अरोड़ा) भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष हरजीत सिंह गरेवाल ने किसानी आन्दोलन पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि कनाडा में बैठी भारत तथा पंजाब विरोधी शक्तियों ने किसानों द्वारा खनौरी बार्डर पर दिए जा रहे धरने पर क?ब्जा कर लिया है और यह लोग किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल, जो कि कैंसर पी?त हैं, को अपना अनशन समाप्त नहीं करने देंगें। उन्होंने कहा कि डल्लेवाल एक सुलझे हुए तथा ईमानदार नेता हैं और वह पूरी ईमानदारी से अपना काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी भी चाहती है कि किसानों की समस्याओं का समाधान होना चाहिए। हरजीत सिंह गरेवाल ने कहा कि पंजाब की मंडियों में किसानों की 10,000 करो?रुपए की लूट हुई है, जबकि हरियाणा के किसानों को उनकी फसल की पूरी कीमत मिली है। उन्होंने कहा कि यह आम आदमी पार्टी की सरकार के राजनेताओं, अधिकारीयों तथा व्यापारियों का नैक्सस है। यह सब कनाडा के निज्जर ग्रुप के साथी हैं, जिनका वहां पर गुरुद्वारों में क?ब्जा है, जो यहाँ पर आकर बैठे हैं। यह लोग डल्लेवाल की जांच भी नहीं करने दे रहे। गरेवाल ने कहा कि जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत बहुत खराब है और उनका ईलाज होना चाहिए, जिसे यह कथित लोग रोक रहे हैं। हरजीत सिंह गरेवाल ने कहा कि भारत तथा पंजाब विरोधी शक्तियाँ भारत तथा पंजाब का माहौल खराब करने पर तुली हुई हैं। यह देश विरोधी शक्तियाँ प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी की छवि खराब करना चाहती हैं, जगजीर डल्लेवाल नहीं। यह ल?ाई किसानों की नहीं बल्कि (विश्व व्यापार संगठन) की ल?ाई है। यह लोग किसानों की आ? में अपना लक्ष्य हासिल करने में लगे हैं। आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री भगवंत मान तथा अरविन्द केजरीवाल द्वारा इन देश विरोधी ताकतों को प्रधानमंत्री मोदी की छवि खराब करने तथा देश में हालात बिगा?ने के लिए सुपारी दी गई है। इसलिए यह किसानी आन्दोलन को लंबा खींचना चाहते हैं। किसानों को खुद नहीं पता कि उनके साथ क्या हो रहा है? हरजीत सिंह गरेवाल ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा का कोई भी नेता या कोई कार्यकर्त्ता बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर जी का अपमान नहीं कर सकता। जो भी उनके स्थान हैं, उनके उन स्थानों का विकास और सौन्दरीकर्ण केंद्र की नरेंदर मोदी सरकार द्वारा करवाया गया है। अमित शाह जी ने बाबा साहेब के बारे में कुछ नहीं कहा, उन्होंने तो सिर्फ यह कहा कि 'जितना बाबा साहेब का नाम लेते हो, उतना भगवान् का नाम भी लिया करो, आपका भला हो जाएगा।' उन्होंने यह नहीं कहा कि बाबा साहेब की शिक्षाओं को ना मानो। इसमें क्या गलत है? हरजीत सिंह गरेवाल ने कांग्रेस तथा विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस इतने वर्ष केंद्र की सत्ता में रही और बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर जी को चुनाव उन्होंने हरवाया और पार्लियामेंट में जाने से भी रोका।

## लोकसभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित, उत्पादकता 57.87 प्रतिशत रही

एजेंसी

**नई दिल्ली।** लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई। 25 नवंबर से शुरू हुए सत्र में 20 बैठकें हुईं और 62 घंटे कामकाज हुआ। अठारहवीं लोकसभा के इस तीसरे सत्र के दौरान उत्पादकता 57.87 प्रतिशत रही। अठारहवीं लोक सभा के तीसरे सत्र के अंतिम दिन अपने समापन भाषण में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कहा कि संसद की गरिमा और मर्यादा बनाए रखना सभी सदस्यों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि संसद के किसी भी द्वार पर धरना, प्रदर्शन करना उचित नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि यदि इसका उल्लंघन होता है तो संसद को अपनी मर्यादा और गरिमा बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने का अधिकार है। उन्होंने सदस्यों से आग्रह किया कि उन्हें किसी भी दशा में नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। लोकसभा सचिवालय के अनुसार इस सत्र के दौरान लोक सभा की 20 बैठकें हुईं जो लगभग 62 घंटे तक चलीं। अठारहवीं लोक सभा के तीसरे सत्र के दौरान उत्पादकता 57.87 प्रतिशत रही। भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा 13 दिसंबर को शुरू हुई और 14 दिसंबर को समाप्त हुई। सत्र के दौरान पांच सरकारी विधेयक पेश किए गए और चार विधेयक पारित किए गए। इसके अलावा शून्य काल के दौरान 61 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए और सदस्यों द्वारा अविलंबनीय लोक महत्व के 182 मामले उठाए गए।

## भारत ने 2.0 की कुल प्रजनन दर हासिल की: केंद्र

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने बताया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार भारत ने 2.0 की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) प्राप्त कर ली है। राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि यह राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 (2.1 का टीएफआर) के अनुरूप है। उन्होंने परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं को भी सूचीबद्ध किया। इसमें विस्तारित गर्भनिरोधक विकल्प शामिल हैं, जिसमें कंडोम, संयुक्त मौखिक गर्भनिरोधक गोलियां, आपातकालीन गर्भनिरोधक गोलियां, अंतर्गर्भाशयी गर्भनिरोधक उपकरण (आईयूसीडी) और लाभार्थियों को प्रदान की जाने वाली नसबंदी शामिल हैं। अनुप्रिया पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय परिवार नियोजन कार्यक्रम की समीक्षा कॉमन रिव्यू मिशन (सीआरएम), राष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वय समिति (एनपीसीसी) की बैठकों, राष्ट्रीय समीक्षा बैठकों, क्षेत्र निगरानी यात्राओं और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के माध्यम से निरंतर आधार पर की जाती है। देश में परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए विस्तारित गर्भनिरोधक विकल्पों में कंडोम, संयुक्त मौखिक गर्भनिरोधक गोलियां, आपातकालीन गर्भनिरोधक गोलियां, अंतर्गर्भाशयी गर्भनिरोधक उपकरण (आईयूसीडी) और नसबंदी शामिल है, जो लाभार्थियों को प्रदान किए जाते हैं। गर्भनिरोधक के उपायों में नए गर्भनिरोधकों के साथ भी विस्तारित किया गया है।

## अंग्रेजी टी जो अब विलायत में चाय बनकर खूब टहल रही

-चन्द्रकान्त पाराशर

लंदन 15-12-24= विलायत/लंदन की सड़कों पर भारतीय चाय की खुशबू खूब महक रही है. विलायत के शहरों में छोटी-बड़ी मार्केट में भारतीय परिवेश अनुसार बनी चाय यानी टी खूब प्रसिद्धि पा रही है. लंदन समेत कई देशों में चाय शब्द का मतलब ही भारतीय शैली की चाय हो गया है. भारतीयों ने चाय को एक नया स्वाद है, जिसने दुनियाभर में अपनी अलग पहचान बना ली है. आइए जानते हैं लंदन में भारतीय चाय के इस जादू के पीछे की कहानी. अक्सर कहा जाता है कि चाय ?? और रायज हर जगह सही नहीं मिलती. सच्च भी है. लेकिन, सुदूर विलायत के शहरों की छोटी-बड़ी मार्केट में भारतीय परिवेश अनुसार बनी चाय अर्थात टी न केवल खूब बिक रही, बल्कि प्रसिद्धि भी पा रही है. पहले यहां हाई वाइकॉम्ब, लंदन के रहवासियों से सुना था, चायवाला, चायपानी, कड़क चाय जैसे भारतीय हिन्दी शीर्षकों से रेस्तरां के नाम विलायत यानी लंदन में प्राय: मिल जाएंगे. वह भी अंग्रेजों के अंग्रेजी शब्द से निकल हिंदी भाषा की महानदी में तैरकर रोमन रूप में स्वाद की दुनियां की वैतरणी को पार कर जाना चाहती हो. मुझे तो एकबारगी ऐसा ही लगा जब खुद आकर उपरोक्त वर्णित जगहों यानी रेस्टोरेंट्स में चाय का स्वाद चखा. वैसे यह सिर्फ एक पेय ही नहीं है, बल्कि अपने आप में एक अनुभव है. आजकल तो भारत की मसाला चाय दुनिया भर में मशहूर हो चुकी है. लंदन समेत कई देशों में चाय शब्द का मतलब ही भारतीय शैली की चाय हो गया है. चाय को दिया एक नया स्वाद भारत देश की जलवायु, देश-काल परिस्थितियों के अनुसार निसंदेह भारतीयों ने चाय बनाने का अपना अनूठा तरीका निकाला. उन्होंने चाय की पत्तियों को सीधे पानी या दूध में उबालना पसंद किया, ना कि उबले हुए पानी में डालना. ब्रिटिशों से उन्होंने दूध और चीनी मिलाने का तरीका जरूर सीखा, लेकिन भारतीयों ने इसमें अपना बदलाव किया. भारतीय चाय विक्रेताओं ने चाय में स्थानीय मसाले डालकर इसका स्वाद और बढ़ा दिया. उन्होंने चाय को अदरक, इलायची, दालचीनी, लौंग और तेज पत्ते जैसी चीजों के साथ उबाला. शायद यही कारण है कि हमारी मसाला चाय दुनिया भर में मशहूर है. द चायवाला छपे कागज-प्लेट पर ही समोसा-चाट आदि सामग्री को चाय के साथ परोसकर और भी आकर्षक बनाते हैं. चाय का वानस्पतिक या वैज्ञानिक नाम केमेलिया साइनेन्सिस (Camellia sinensis) होता है. विदित है पहले के जमाने में चाय पत्ती पर चाइना का ही आधिपत्य था. शुरू में अंग्रेजों ने अपने देश की चाय-मांग को ही पूरा करने के लिए भारत में इसका उत्पादन प्रारंभ किया था. भारत में जब चाय के बागान लग गए. तब भारत से अन्य देशों को चाय की पत्ती का निर्यात शुरू हुआ. इतिहास बताता है कि चाइना ने कभी भी किसी अन्य देश को चाय के पौधे नहीं दिए. दुनिया का एकमात्र देश भारत ही था, जिसने अपने यहां तैयार चाय की पत्ती व पौधों को अन्य देशों मे निर्यात किया. जनपद सहारनपुर का नाम चाय उत्पादन के लिए इतिहास के पन्नों में दर्ज है. चाय एक सुगंधित पेय है जो शरीर में स्फूर्ति पैदा करती है. एशियाई विशेषकर भारतीय नागरिकों ने यहां विलायत लंदन में भारतीय व्यंजनों को उनकी मूल आत्मा के साथ यहां पर परोसकर अपने चाहने वालों का मन जीत लिया है.

## खाड़ी देशों के साथ रिश्ते मजूबत करने के मिशन पर पीएम मोदी, 21-22 दिसंबर को करेंगे कुवैत दौरा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** सभी खाड़ी देशों के साथ दीर्घकालिक, ऐतिहासिक और घनिष्ठ संबंधों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को कुवैत की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। यह 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस प्रमुख पश्चिम एशियाई देश की पहली यात्रा होगी।विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री मोदी की ऐतिहासिक यात्रा से पहले कहा, भारत और कुवैत के बीच पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जिनकी जड़ें इतिहास में हैं और जो लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित हैं।मंत्रालय ने कहा, भारत कुवैत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से एक है। भारतीय समुदाय कुवैत में सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। यह यात्रा भारत और कुवैत के बीच बहुआयामी संबंधों को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के साथ विचार-विमर्श करेंगे। उनका देश में विशाल भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करने का कार्यक्रम है। पीएम मोदी को बायन पैलेस में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा, जिसके बाद वे कुवैत के अमीर और क्राउन प्रिंस के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे। इसके बाद कुवैत के प्रधानमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी, इस दौरान दोनों पक्ष द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे। कुवैत वर्तमान में खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) की अध्यक्षता कर रहा है - जिसमें संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, सऊदी अरब, ओमान और कतर भी शामिल हैं। यह एकमात्र जीसीसी सदस्य देश है, जहां पीएम मोदी ने 2014 में पदभार संभालने के बाद से अब तक दौरा नहीं किया है। कोविड महामारी के कारण 2022 में प्रस्तावित यात्रा स्थगित कर दी गई। खाड़ी देश भारत के लिए प्रमुख व्यापार और निवेश साझेदार हैं, और नई दिल्ली की इन देशों के साथ मजबूत ऊर्जा साझेदारी भी है।यात्रा के दौरान, पीएम मोदी एक सामुदायिक कार्यक्रम में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत भी करेंगे और एक श्रमिक शिविर का भी दौरा करेंगे। वह कुवैत के अमीर के विशेष अतिथि के रूप में 26वें अरेबियन गल्फ कप के उद्घाटन समारोह में भी शामिल होंगे।

## राहुल पर प्राथमिकी और चिब की गिरफ्तारी के विरुद्ध युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

एजेंसी

**नई दिल्ली।** युवा कांग्रेस ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर प्राथमिकी दर्ज करने तथा युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी के खिलाफ यहां विरोध प्रदर्शन कर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का पुतला फूंका और उनके इस्तीफे की मांग की। युवा कांग्रेस के प्रवक्ता वरुण पांडे ने यह जानकारी दते हुए बताया कि दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय लाकरा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने यहां संगठन के कार्यालय के बाहर एकत्र होकर प्रदर्शन किया और श्री शाह का पुतला जलाया। श्री लाकरा ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार तानाशाही कर रही है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) श्री गांधी के खिलाफ झूठी प्राथमिकी दर्ज कर रही है। अब देश के सामने भाजपा की सच्चाई आ गई है कि वे अडानी पर संसद में चर्चा नहीं चाहते, इसलिए अंबेडकर जी का अपमान किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह हथकंडा देश की जनता का ध्यान भटकाने के लिए है। मोदी सरकार डरती है, इसलिए झूठ का सहारा लिया जा रहा है। संविधान अंबेडकर की देन है और उनका अपमान सह नहीं किया जाएगा इसलिए श्री शाह को गृहमंत्री के पद से इस्तीफा देना चाहिए। श्री लाकरा ने असम में श्री चिब को हिरासत में लिए जाने का भी विरोध किया और कहा कि असम के मुख्यमंत्री को समझ लेना चाहिए कि कांग्रेस कार्यकर्ता इन गिरफ्तारियों और भाजपा सरकार की तानाशाही से डरने वाले नहीं हैं बल्कि उसका डटकर जवाब देंगे।

## आईपी यूनिवर्सिटी के बीएएमएस एवं बीएचएमएस प्रोग्राम की अंतिम काउंसलिंग

**नई दिल्ली।** गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के बीएएमएस एवं बीएचएमएस प्रोग्राम की अंतिम काउंसलिंग ऑफ़लाइन मोड में यूनिवर्सिटी के द्वारका कैम्पस में 20 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। उसी दिन दस्तावेज सत्यापन के बाद सीटों का आवंटन भी कर दिया जाएगा। यूनिवर्सिटी ने एक बयान में कहा कि इस काउंसलिंग में नीट यूजी 2024 के वे सफल उम्मीदवार भाग ले सकते हैं।

जिन्होंने पंजीकरण शुल्क 1,500 रुपये एवं काउंसलिंग भागीदारी शुल्क 1,000 रुपये जमा कर रखे हैं और जिन्हें अभी तक इन प्रोग्राम में प्रवेश के लिए आयोजित किसी भी काउंसलिंग में कोई सीट आवंटित नहीं हुई हुई है। काउंसलिंग के दिन ही आवेदक को यूनिवर्सिटी के कुलसचिव के नाम से निर्गत 96,000 रुपये का बैंक ड्राफ़्ट,नीट यूजी 2024 का एडमिट कार्ड और रैंक कार्ड और चार पासपोर्ट आकार के फ़ोटो, आईपी में पंजीकरण के दस्तावेज साथ लेकर आना है।

इस प्रोग्राम मे कितनी सीटें उपलब्ध हैं, इसका पता काउंसलिंग के दिन ही चलेगा। बीएएमएस प्रोग्राम यूनिवर्सिटी से संबद्ध चौधरी ब्रह्मप्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, नजफगढ़ और बीएचएमएस प्रोग्राम यूनिवर्सिटी से संबद्ध डॉ. बीआर सुर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, मोती बाग़ में उपलब्ध है। इन दोनों प्रोग्राम में बची हुई सीटें स्टेट कोटे की हैं, इसलिए आवेदक का 12वीं की परीक्षा दिल्ली के किसी स्कूल से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इन दोनों प्रोग्राम में सीट आवंटित होने पर आवंटित कॉलेज में उसी दिन रिपोर्ट करना अनिवार्य है।

**NAME CHANGE**
I hitherto known as SHAURYA VERMA alias SHAURYA D VERMA S/O TARUN VERMA residing at House No. 489, Sector - 21A, Faridabad, Haryana - 121001, have changed my name and shall hereafter be known as SHAURYA D VERMA.

**NAME CHANGE**
I, RAJESH KUMAR S/o SH. SHAMBHU NATH SINGH residing of RZF-912, MAHATMA GANDHI MARG, PALAM COLONY, RAJ NAGAR PART-2, NEW DELHI-110077, have changed my minor daughter's name from JANANVI SINGH to JAHANVI SINGH for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I hitherto known as URVASHI TARUN VERMA alias URVASHI SACHDEVA D/O ASHOK SACHDEVA W/O TARUN VERMA residing at H. No. 489, 3rd Floor, Sector-21A, Faridabad, Haryana-121001, have changed my name and shall hereafter be known as URVASHI SACHDEVA.

**NAME CHANGE**
I hitherto known as MOHD ISHA S/O HAMID HUSAIN R/O HOUSE NO-38, ALI PRAM GARDEN, PASWADA, GHAZIABAD UTTAR PRADESH-201005, have changed my name and shall hereafter be known as MOHD ISHAN.

**NAME CHANGE**
I, D MUNUSAMY Father of No-16122240P, Rank-NK, Name-DILIP KUMAR M residing at 7/35, (S2) SECOND FLOOR, MANICAKAVASAGA STREET, SHIVA VISHNU TEMPLE, MGR NAGAR, KK NAGAR, VTC-KALAIGNAR, KARUNANIDHI NAGAR, CHENNAI-600078, have changed my name from D MUNUSAMY to D MUNISAMY for all future purposes vide Affidavit dated 21/12/2024 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, NAZMA W/O MOHAMMAD YAQOOB residing at MOHALLA MANSOORPUR, UJHARI, NEAR SUFIYAN MASJID, AMROHA, uttar Pradesh-244242. Have changed my name to NAJAMA for all future purpose.

**NAME CHANGE**
I hitherto known as RACHNA alias RACHNA ARORA alias RACHNA CHHABRA D/O SANT KUMAR ARORA W/O DEVENDER CHHABRA R/O H.No. B-4033, SECOND FLOOR, BACK SIDE GATE NO. 15, GREENFIELD COLONY, AMARNAGAR, FARIDABAD HARYANA-121010, have changed my name and shall hereafter be known as RACHNA CHHABRA.

**NAME CHANGE**
I, REEMA W/O MANOJ KUMAR SINGH residing at 3056, KUCHA RAJA SOHAN LAL, BAZAR SITA RAM, DELHI-110006. Have changed my name to REEMA SINGH for all future purpose.

**NAME CHANGE**
I, AMEERA ITOO Wife of No-15682459A Rank-HAV Name □ RAYEES AHMAD SHAN R/o VILL-DALWACH, PO-QAZIGUND, TEHSIL-DORU, DIST-ANANTNAG, JAMMU & KASHMIR-192221 have changed my name from AMEERA ITOO to AMEERA EATOO for all future purposes vide Affidavit dated 21/12/2024 before Notary Public, Delhi.

**अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

**धारा 82 Cr.P.C. देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोबिन, पुत्रः अब्दुल हकीम, पताः मोहला कोटला मेवतियां, पुलिस थाना हापुड़, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 685/2020, U/s 457/380/411/34 IPC, पुलिस थाना कोतवाली, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मोबिन** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मोबिन** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 685/2020, U/s 457/380/411/34 IPC, पुलिस थाना कोतवाली, दिल्ली** के अभियुक्त **मोबिन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.01.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री सायशा चड्ढा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–08
कमरा नं. 272
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/16622/N/2024

**NAME CHANGE**
I, Mahendra Pal S/O Pokhar Das R/O 11/69, Dakshinpuri EXT. Dr AmbedkarNagar, Pushpa Bhawan South Delhi - 110062 Have Changed my name to Mahender Pal for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I,TAHIR HUSAIN S/O AINUL HAQ R/O 35/143 TRILOK PURI DELHI-110091.HAVE CHANGED MY NAME TO TAHIR HUSSAIN

**PUBLIC NOTICE**
It is for general information that I, GIRISH KUMAR S/O BHAGWAN SINGH R/O H.NO-105, GALI NO-3, SHAKTI VIHAR, MITHA PUR EXTN, BADARPUR, NEW DELHI-110044 declare that name of mine has been wrongly written as GREESH in my aadhaar card No. 7291 0405 5118,and PAN CARD no CFWPS 6389K and the name of mine and my father has been wrongly written as Geerish Kumar and Bhagwan Singh Sagar in my driving Liesence no DL 0320130410783, The actual name of mine and my father are GIRISH KUMAR and BHAGWAN SINGH, which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**
I, K MATHESWARI Mother of No-16122240P, Rank-NK, Name-DILIP KUMAR M residing at 7/35, (S2) SECOND FLOOR, MANICAKAVASAGA STREET, SHIVA VISHNU TEMPLE, MGR NAGAR, KK NAGAR, VTC-KALAIGNAR, KARUNANIDHI NAGAR, CHENNAI-600078 , have changed my name from K MATHESWARI to K MADHESWARI for all future purposes and in my son□s service records my date of birth wrongly mentioned as 12/12/1966 instead of my correct date of birth as 20/07/1965 vide Affidavit dated 21/12/2024 before Notary Public Delhi.

## कैबिनेट मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री चौटाला के निधन पर जताया शोक

**एजेंसी**

**सोनीपत।** सहकारिता,कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने भूतपूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनका जीवन सदैव संघर्षपूर्ण रहा। उनके परिवार व समर्थकों के लिए यह कठिन समय है।जारी बयान में सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने गुरुग्राम में 89 वर्ष की आयु में चौधरी ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि चौधरी ओमप्रकाश चौटाला ने किसान, मजदूर, श्रमिक व विभिन्न वर्गों के लिए काम किया। उनकी कार्यशैली की बदौलत एक अलग पहचान थी। उन्होंने कहा कि परिजन व उनके समर्थकों के लिए यह मुश्किल घड़ी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने कहा कि इनेलो सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी का निधन हरियाणा प्रदेश सहित देश की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय ओमप्रकाश चौटाला के निधन से रिक्त हुए स्थान को भरा नहीं जा सकता। ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान और शोक संतप्त परिजनों को संबल दें।

## हाई कोर्ट ने सीबीआई कोर्ट का फैसला पलटा, डेरा सच्चा सौदा प्रमुख को झटका

**चंडीगढ़।** पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने सीबीआई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम के साधुओं को नपुंसक बनाने के मामले में दोबारा फैसला देने को कहा है। हाई कोर्ट ने मामला दोबारा सीबीआई स्पेशल कोर्ट को भेजते हुए नए सिरे से इस पर निर्णय लेने का आदेश दिया है। सीबीआई ने 2019 में हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए पंचकूला की विशेष अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। सीबीआई कोर्ट ने डेरा प्रमुख को अपना बचाव तैयार करने के लिए यह केस डायरी, गवाहों के बयान और अन्य दस्तावेज उपलब्ध करवाने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट ने ही डेरे में साधुओं को नपुंसक बनाने के मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था। सीबीआई ने मामले की जांच कर हाईकोर्ट में सीलबंद स्टेटस रिपोर्ट दे दी थी। यह केस अब पंचकूला की सीबीआई ट्रायल कोर्ट में चल रहा है। ट्रायल कोर्ट ने 2019 में डेरा मुखी की एक अर्जी पर इस मामले की केस डायरी उसे सौंपने का सीबीआई को आदेश दिया था। सीबीआई ने इसी आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने कहा कि सीबीआई की विशेष अदालत का यह आदेश गलत था। पुलिस को दिए गए बयानों की कोई अहमियत नहीं होती है, ऐसे में 87 गवाहों की गवाही डेरा प्रमुख को सौंपने का कोई औचित्य नहीं है।

## सुशासन दिवस पर सराहनीय कार्य करने वाले कर्मचारी होंगे पुरस्कृतः अभिषेक मीणा

**रेवाड़ी।** प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में मनाई जाती है। प्रदेश सरकार की ओर से 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में प्रत्येक जिला में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएगें। जिसमें सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों सुशासन पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी उपायुक्त अभिषेक मीणा ने दी। उन्होंने सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिला सचिवालय स्थित सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक भी की। रेवाड़ी जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा के राजस्व, आपदा प्रबंधन, शहरी स्थानीय निकाय और नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागाध्यक्षों को कार्यक्रम से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां व प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस बैठक में एडीसी अनुपमा अंजलि, एसडीएम रेवाड़ी सुरेंद्र सिंह, एसडीएम बावल उदय सिंह, सीटीएम प्रीति रावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

## अग्रोहा मेडिकल में फिजियोथैरेपी विभाग ने किया कार्यशाला का आयोजन

**हिसार।** महाराजा अग्रसेन कॉलेज ऑफ़ फिजियोथैरेपी की ओर से पेल्विक फ़्लोर मांसपेशियों के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। पूर्व राज्यसभा सांसद लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. डीपी वत्स की धर्मपत्नी गीता वत्स ने कार्यशाला की अध्यक्षता की। कार्यशाला की मुख्य वक्ता डॉ. अनुपमा ने बताया कि पेल्विक फ़्लोर मांसपेशियों की दिक़्क़त से भारत में लगभग 48 प्रतिशत लोग जूझ रहे हैं। इन मांसपेशियों में दिक़्क़त मुख्यतः गर्भावस्था के बाद व 60 साल की उम्र के बाद शुरू होती है जिसकी वजह से पेशाब और मल को रोकने की क्षमता में कमी या असमर्थता आ जाती है। इसके साथ ही कमर दर्द जैसी परेशानियां भी रोगी को झेलनी पड़ती है। भारत में इसके प्रति जागरूकता कम होने के कारण बहुत से लोग इस परेशानी से जूझते रहते हैं और उपचार न लेने के कारण गंभीर स्थिति में पहुंच जाते हैं।इस दौरान डॉ. अनुराग छाबड़ा ने बताया कि पेल्विक फ़्लोर मांसपेशियों की दिक़्क़त का सामना महिला व पुरुष दोनों को ही करना पड़ता है। ऐसे में इस प्रकार की कार्यशालाएं जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाती हैं और विद्यार्थियों व मरीज़ों के साथ साथ चिकित्सकों को भी जागरूक करती है।

# लापरवाही की तो कार्य मुक्त होंगे एचकेआरएनएल कर्मचारीः डा. बलप्रीत

**एजेंसी**

**गुरुग्राम।** स्वच्छता सुरक्षा बल के सभी टीम इंचार्ज के साथ अतिरिक्त निगमायुक्त डा. बलप्रीत सिंह की अध्यक्षता बैठक हुई। जिसमें टीमों में शामिल एचकेआरएनएल कर्मचारियों की लापरवाह कार्यशैली की शिकायत मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने दोबारा शिकायत मिलने पर लापरवाह एचकेआरएनएल कर्मचारियों को नियमानुसार कार्य मुक्त करने के निर्देश दिए हैं।इस दौरान टीम इंचार्जों ने उन्हें सूचित किया कि टीमों में एचकेआरएनएल कर्मचारियों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये कर्मचारी अवैध डंपिंग करने वाले किसी भी वाहन को पकडने् में सहयोग नहीं करते हैं और गाड़ी में ही बैठे रहते हैं। इस पर अतिरिक्त आयुक्त ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि

इस तरह की कार्यशैली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भविष्य में किसी भी एचकेआरएनएल कर्मचारी की शिकायत टीम इंचार्ज से प्राप्त होती है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए नगर निगम गुरुग्राम से कार्य-मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मचारी की रिपोर्ट लिखित में तुरंत कार्यालय को भेजें। टीम इंचार्ज यह भी ध्यान रखें कि उनकी टीम का कोई कर्मचारी लगातार गैरहाजिर है, तो उसकी रिपोर्ट भी तुरंत भेजें, ताकि उसके विरुद्ध भी उपरोक्त कार्रवाई की जा सके। अतिरिक्त निगमायुक्त ने बताया कि निगम क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर कचरा व मलबा फेंकने वालों के विरूद्ध स्वच्छता सुरक्षा बल द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत वाहन को जब्त करने के साथ ही चालक व मालिक के खिलाफ संबंधित थानों में एफआईआर दर्ज कराने के साथ ही भारी जुर्माना भी लगाया जा रहा है। टीमें बिना किसी दबाव और भय के कार्रवाई करें। जहां पर भी समस्या आए, उच्चाधिकारियों को अवगत कराए।

## जींद में सीएम फ्लाइंग को धान के एक हजार बैग का नहीं मिला रिकार्ड, दो आढ़तियों को जुर्माना

**एजेंसी**

**जींद।** जींद की नई अनाज मंडी में सीएम फ्लाइंग ने रेड की और करीब चार घंटे तक मार्केट कमेटी व दुकानों के रिकार्ड को खंगाला। इस दौरान सीएम फ्लाइंग की टीम को धान के एक हजार बैग का रिकार्ड नहीं मिला। कुछ आढ़ियों के रजिस्टर भी मेनटेन नहीं मिले। इस पर सीएम फ्लाइंग ने दोनों को 18 हजार रुपये जुमाना किया और 50 हजार रुपये मार्केट फीस भरवाई।

सीएम फ्लाइंग की टीम दोपहर को नई अनाज मंडी में मार्केट कमेटी कार्यालय पहुंची। यहां पर सबसे पहले हाजिरी रजिस्टर चेक किया गया। इसके बाद अनाज मंडी की दुकानों में लगे धान के बैग के स्टाक को चेक किया। एक दुकान पर धान के एक हजार बैग का रिकार्ड नहीं मिला। मार्केट फीस व एचआरडीएफ राशि की चोरी मिली। इस पर आढ़ती को 13 हजार रुपये जुर्माना किया गया तो 50 हजार रुपये मार्कीट फीस व एचआरडीएफ राशि को भरवाया

गया। इसके बाद एक और दुकान पर स्टाक रजिस्टर मेंटेन नहीं मिला तो उसे पांच हजार रुपये जुर्माना किया गया। मार्केट कमेटी सचिव संजीव कुमार ने बताया कि सीएम फ्लाइंग की रेड में दो दुकानों पर अनियमितताएं व खामियां मिली। उन्हें जुर्माना किया गया है।

# कांग्रेस ने अंबेडकर का अपमान किया-खेल मंत्री गौरव

**एजेंसी**

**पलवल।** खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने कहा कि देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा भाजपा सांसदों के साथ धक्का मुक्की करना निंदनीय है। इस तरह की घटनाएं देश को शर्मसार करती हैं और इससे समाज में भी गलत मैसेज जाएगा। इसके लिए नेता प्रतिपक्ष को देश से माफी मांगनी चाहिए।

खेल मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास रहा है कि कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान किया है।

लोकसभा चुनाव के दौरान भी कांग्रेस द्वारा संविधान को लेकर गलत बयानबाजी की गई। नेहरू और इंदिरा गांधी ने देश के संविधान के साथ छेड़छाड़ करने का काम किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता भारतीय संविधान के आधार पर चलता है और भाजपा पार्टी संविधान की रक्षा करने का काम करती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में किसानों की फसलों को एमएसपी

पर खरीदा गया है। हरियाणा देश का पहला राज्य है, जहां किसानों की फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है।

गौरव गौतम ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा किसानों और खिलाड़ियों के नाम पर राजनीति करने का काम कर रहे हैं। हरियाणा सरकार किसानों के साथ खड़ी हुई है। भाजपा ने किसानों के लिए ऐतिहासिक फैसले लिए है। प्रदेश के अन्य राज्यों में भी भाजपा सरकार की नीतियों की सराहना हो रही है। पंजाब में किसानों को प्रताड़ित किया जा रहा है। पंजाब सरकार को इस बारे में संज्ञान लेना चाहिए।

# कांग्रेस ने हमेशा बीआर अंबेडकर का किया अपमानः कृष्ण लाल पंवार

**एजेंसी**

**रोहतक।** हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा डॉ. बीआर अंबेडकर का अपमान किया है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. बीआर अंबेडकर से जुड़े पंच स्थान को स्थापित किया है, जहां पर लोग उन्हें नमन कर रहे है। साथ ही उन्होंने गत दिनों सांसद भवन के बाहर हुई घक्का प्रकरण को लेकर भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि प्रजातंत्र में सभी सदनों में सभी को मर्यादा में रहना चाहिए तथा सभी सांसदों को मर्यादा पूर्ण व्यवहार करना चाहिए।

विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार जिला विकास भवन स्थित डीआरडीए सभागार में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक में लोगों की समस्याएं सुनने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौ. ओम प्रकाश चौटाला के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वे जमीन से जुड़े नेता थे तथा इनके देहांत से प्रदेश की राजनीति को अपूर्णीय क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि वे 4 बार इनेलो पार्टी से सांसद रहे है तथा पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौ. ओम प्रकाश चौटाला के

साथ निष्ठा के साथ कार्य किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गत विधानसभा सत्र में विधेयक पेश किया गया है जिसके अनुसार लाल डोरे के बाहर तालाब या फिरनी की जमीन से अलग जमीन पर 100 से 500 गज 20 वर्ष पुराना मकान बना हुआ है तो सरकार द्वारा कलैक्टर रेट पर मकान धारक को मकान मालिक बनाने का प्रावधान किया गया है। विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने इस्माईला निवासी राजेश, गीतांजलि कॉलोनी निवासी, डेयरी मोहल्ला निवासी कृष्ण, जेपी कॉलोनी निवासीगण, सांपला निवासी प्रताप सिंह, बोहर निवासी बनी सिंह, जींद बाईपास स्थित फौजी व अनंतपुरम निवासीगण, लाखनमाजरा निवासी राजबाला की शिकायतों की सुनवाई की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने शुगर मिल रोहतक की एमडी व आरटीए सचिव, डीईटीसी, सहकारिता के महाप्रबंधक व महम मार्केट कमेटी के सचिव को बैठक में अनुपस्थित रहने पर कारण नोटिस जारी करने को भी कहा।

# कायाकल्प टीम को जींद के नागरिक अस्पताल में मिली ढेरों खामियां

**एजेंसी**

**जींद।** नागरिक अस्पताल की व्यवस्था जांचने पहुंची कायाकल्प टीम को यहां औचक निरीक्षण के दौरान ढेरों खामियां मिली। टीम में सीएचसी भूना से एमओ डा. योगेश यादव, पीएचसी भिरडाना से डा. घनश्याम, सीएचसी भूना से डा. हीना शामिल रही। हालांकि टीम के आने का पहले से ही अस्पताल प्रशासन को पता था। जिसके चलते तैयारियां पहले से की गई थी। टीम ने अपने औचक निरीक्षण के दौरान मिली खामियों को अस्पताल प्रशासन से अवगत करवाया।गौरतलब है कि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की और से सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में साफ-सफाई, इंफेक्शन कंट्रोल, बायोमेडिकल वेस्ट डिस्पोजल व पेंशेंट केयर से संबंधित कुछ नियम निर्धारित किए गए हैं। जो

अस्पताल इन मानकों पर खरा उतरता है उसे कैश अवार्ड दिया जाता है। अब टीम द्वारा अपनी जांच रिपोर्ट के आधार पर रैंक दिया जाएगा और रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंपी जाएगी। अगर जींद अस्पताल को 80 से अधिक अंक मिलते हैं तो कैश पुरस्कार पक्का होगा। जिससे सुविधाएं और बेहतर की जा सकेंगी। कायाकल्प टीम ने निरीक्षण की शुरूआत इमरजेंसी वार्ड से की। यहां कर्मियों से रेड, यैल्लो जोन के बारे में जानकारी हासिल की। कई जगह टीम के सदस्य संतुष्ट मिले तो कई जगह असंतुष्ट नजर आए। इसके बाद टीम लैब में पहुंच और मशीनों के बारे में कर्मियों से जानकारी हासिल की। दवा वितरण कमरे और नेत्र चिकित्सक रूम के यहां जांच करने के बाद टीम टीकाकरण कक्ष में पहुंची। यहां काम करते मिले स्टूडेंट्स से गीले व सूखे कचरे के बारे में जानकारी हासिल की तो वो सही तरीके से जानकारी नही दे पाए। यहां डस्टबीन के ठीक से रखरखाव के निर्देश दिए गए। टीम नई बिल्डिंग में ही बने ब्लड बैंक में पहुंची। यहां टीम ने मरीजों के एंट्री रजिस्टर की जांच की तो टीम हतप्रभ रह गई। एक ही पैन से एक साथ एंट्री दर्ज पाई गई। जिस पर टीम ने इसे दुरूस्त करने के लिए कहा।

## रोहतक की ओमैक्स सिटी में सिलेंडर फटने से छह फ्लैटों में आग

**एजेंसी**

**रोहतक।** ओमेक्स सिटी फेस-2 में बने फ्लैटों में सिलेंडर फटने से छह फ्लैटों में आग लग गई। आसपास के लोगों ने दमकल कर्मियों की मदद से लोगों को बाहर निकाला। कड़ी मशक्कत के बाद आधा दर्जन से अधिक गाडियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण किया। हालांकि अभी आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस के अनुसार ओमैक्स सिटी फेस टू में बने फ्लैट नंबर 527 में आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी बिल्डिंग में बने अन्य फ्लैट भी आग की चपेट में आ गए। फ्लैट में रहने वाले लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई और इसकी सूचना तुंरत दमकल विभाग व पुलिस को दी। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की करीब छह गाडियां मौके पर पहुंची और करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्त के बाद आग पर किसी तरह से काबू पाया गया।

आग लगने से सभी फ्लैटों में रखा सामान जलकर राख हो गया। आग लगने से करोड़ों रूपये का नुकसान हुआ है। फ्लैट में रहने वाले लोगों ने जिला प्रशासन से आर्थिक सहयोग की अपील भी की है। समाचार लिखे जाने तक फ्लैटों में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया था। पुलिस भी मामले की जांच में जुटी है।

# एक माह में बिजली के लटके तारों को ठीक करवाएंःराव नरबीर सिंह

**एजेंसी**

**गुरुग्राम।** हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि दक्षिण हरियाणा के लोगों ने जिस उम्मीद व विश्वास के साथ भारतीय जनता पार्टी को तीसरी बार सेवा का मौका दिया है। वह मानेसर निगम क्षेत्र के गांव हरसरू, बामडोली, हयातपुर व वजीरपुर में आयोजित समाधान शिविर को संबोधित कर रहे थे। राव नरबीर ने जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए बिजली निगम के अधिकारियों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए बिजली के लटके व ढीले तारों को अगले एक महीने में ठीक करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बिजली की निर्बाध सप्लाई को लेकर बिजली के तारों को ठीक करने के साथ खंभों को तत्काल प्रभाव से ठीक करने के निर्देश दिए हैं। कैबिनेट मंत्री ने हिदायत दी कि सडक़ के बीचों बीच कोई बिजली का खंभा नहीं होना चाहिए, यदि कहीं है तो उसे तुरंत प्रभाव से हटाया जाए। कोई भी ट्रांसफॉर्मर ओवरलोड नहीं होना चाहिए, यदि ओवरलोड पाया जाता है तो उसे तत्काल प्रभाव से निगम के निर्देशों के अनुसार लोड को विभाजित किया जाए। उन्होंने गांव

हरसरू में कम्युनिटी सेंटर की मांग पर संज्ञान लेते हुए कहा कि गांव में एचएसआईडीसी द्वारा करीब दो एकड़ भूमि पर अत्याधुनिक कम्युनिटी सेंटर का निर्माण करवाया जाएगा। वहीं गांव हयातपुर में निर्माणाधीन कम्युनिटी सेंटर का काम भी 31 मार्च से पहले पूरा हो जाएगा। निर्माण के उपरांत ग्रामीणों की मांग के अनुरूप इसे संचालन के लिए निगम द्वारा गांव में गठित कमेटी को सौंप दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने गांव हयातपुर में हरिजन चौपाल के नए निर्माण की मांग को स्वीकार कर संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में काम करने के निर्देश दिए। कैबिनट मंत्री ने विभिन्न गांवों में सीवर के टूटे ढक्कनों की शिकायत के संदर्भ में इनकी गुणवत्ता जांचने के भी निर्देश दिए। इस दौरान गांव बामडोली में ग्रामीणों द्वारा पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग पर भी उन्होंने पुलिस अधिकारियों को उचित दिशा निर्देश दिए।

## अधिकारी स्वच्छता अभियान में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें : सुभाष चंद्र

**एजेंसी**

**जींद।** स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जिलास्तरीय स्वच्छता

जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला को स्वच्छ रखने बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे स्वच्छता अभियान में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें तथा वार्ड व गांव स्तर पर कमेटियां बनाएं, जिनमें स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थियों, एनएसएस, एनजीओ, धार्मिक संतों, भूतपूर्व सैनिकों, खिलाडिय़ो, कलाकारों व जनप्रतिनिधियों को शामिल करें। जितना बड़ा स्वरूप होगा उतने ही बड़े परिणाम भी हासिल होंगे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी आह्वान किया कि वे अपने.अपने क्षेत्रों में स्वच्छता व स्वच्छ जल की मुहिम शुरू करें। उन्होंने कहा कि जहां पर स्वच्छता होती हैए वहां पर प्रगति आती है। क्योंकि स्वच्छता प्रगति व विकास का प्रतीक हैए जबकि गंदगी दरिद्रताए आलस्य व बीमारी लाती है। उन्होंने कहा कि डीएमसी एवं सीईओ जिला परिषद की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन हर महीने होगा। इस दौरान सीईओ जिला परिषद अनिल दून, डीडीपीओ संदीप भारद्वाज, डीईओ विजयलक्ष्मी, भाजपा प्रदेश महामंत्री डा. राज सैनी, नगर परिषद जींद के ईओ रिषिकेश, पदमश्री अवार्डी महावीर गुड्डू, सभी ब्लॉकों से खंड विकास अधिकारी और सामाजिक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

# निजी स्कूल संचालक को एसडीएम ने टीसी जारी करने के निर्देश दिए

**एजेंसी**

**गुरुग्राम।** लघु सचिवालय सभागार में आयोजित हुए समाधान शिविर में एसडीएम रविंद्र कुमार ने एक दुखी पिता की फरियाद पर उसकी बेटी को तुरंत टीसी दिलवाने के शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश जारी किए। बिलासपुर में किराए पर रह रहे निरंजन ने रोते हुए समाधान शिविर में बताया कि उसकी बेटी ने बिलासपुर के एक निजी विद्यालय से इस साल दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की थी। उसके बाद उसकी बेटी बीमार हो गई और उसने स्कूल जाना छोड़ दिया था। जब उसकी बेटी ने आगे पढ़ाई करने के लिए सरकारी स्कूल में दाखिला लेने की कोशिश की तो प्राइवेट स्कूल संचालक ने पहले सवा लाख रूपए जमा करवाने को कहा। स्कूल प्रबंधकों का कहना है कि यह फीस बकाया है। इसके जमा होने के बाद ही टीसी दिया जाएगा। निरंजन ने एसडीएम रविंद्र कुमार को बताया कि वह मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का निर्वाह कर रहा है। इतनी राशि देने की उसकी क्षमता नहीं है। बेटी की पढ़ाई ठप है और उसका एक साल इसी कारण से बेकार हो गया। एसडीएम ने कहा कि बकाया फीस वसूली के लिए टीसी का ना दिया जाना उचित नहीं है। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूल प्रबंधकों को इस बारे में सख्त निर्देश दिए जाएं और

लडक़ी को टीसी दिलवाया जाए। समाधान शिविर में 17 शिकायतों की सुनवाई की गई, जिनमें संबधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दे दिए गए हैं। स्थानीय पटौदी चौक पर रहने वाली गीताजंली ने बताया कि उसके पति की दस साल पहले किडनी ट्रांसप्लांट हुई थी। अब दोबारा से पति की तबियत ठीक नहीं है और उनका ईलाज करवाना है। उनका बीपीएल कार्ड बना हुआ है, लेकिन आयुष्मान कार्ड नहीं है। उसने एसडीएम से आयुष्मान कार्ड बनवाने का अनुरोध किया। एसडीएम ने डिप्टी सीएमओ को तत्काल यह कार्ड बनवाने और गीताजंली के पति का ईलाज करवाने के निर्देश दिए। गांव सुल्तानपुर निवासी सुरेश कुमार ने बताया कि करीब एक साल पहले उनकी जमीन का रेलवे लाइन बिछाने के लिए अधिग्रहण किया गया था, लेकिन अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। एसडीएम रविंद्र कुमार ने पटौदी एसडीएम को इस बारे में कार्रवाई के लिए पत्र जारी कर दिया है। इस अवसर पर एसीपी सुखबीर सिंह, तहसीलदार शिखा गर्ग, जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सदस्य रणजीत सिंह, डिप्टी सीएमओ डा. पवन कुमार, बिजली वितरण निगम की एसडीओ सुमन कश्यप, जीएमडीए के एसडीओ जगदीश चंद्र, शिक्षा विभाग के उपाधीक्षक बिजेंद्र यादव, सदर कानूनगो गुलाब सिंह इत्यादि मौजूद रहे।

# मानसिक बीमारी और बौद्धिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

**एजेंसी**

**रेवाड़ी।** हरियाणा विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेवाड़ी द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की योजना, 'मानसिक बीमारी और बौद्धिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए सहायता योजना 2024' को लागू करवाने के लिए कानूनी सहायता इकाई का गठन किया गया। इस यूनिट के सदस्यों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के एडीआर सेंटर में किया गया। इस यूनिट में रिटायर्ड जुडिशल ऑफिसर, पैनल अधिवक्ता व पैरा लीगल वॉलिंटियर्स को मेंबर के तौर पर लिया गया। मानसिक बीमारी और बौद्धिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए सहायता योजना 2024 में मेंबर के तौर पर आर के यादव रिटायर्ड सेशन जज, वी सी के माध्यम से मौजूद रहे। योजना को लागू करवाने के लिए कानूनी सेवा इकाई का गठन किया तथा उनके लिए दो दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता हरीश डिप्टी चीफ लीगल एंड डिफेंस

काउंसिल रहे, जिन्होंने इस कार्यक्रम में सभी को मानसिक बीमारी और बौद्धिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों से संबंधित बने कानून के बारे में सभी को अवगत कराया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अमित वर्मा ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की मानसिक बीमारी और बौद्धिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए सहायता योजना 2024 योजना की जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से किए जाने वाले कार्यों की मूलभूत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिव्यांग व्यक्ति के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करना चाहिए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अमित वर्मा ने कहा कि किसी भी कानूनी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 01274-220062 पर कॉल कर सकते हैं।

## देश के पहले अपतटीय क्षेत्र खनिज ब्लॉक नीलामी पर रोड शो करेगा खान मंत्रालय

**नई दिल्ली।** खान मंत्रालय शनिवार (21 दिसंबर) को गुजरात के पोरबंदर में बड़ा रोड शो करेगा। इसमें देश के अपतटीय क्षेत्रों में खनिज ब्लॉकों की पहली ई-नीलामी की झांकी प्रमुखता से दर्शाई जाएगी। ई-नीलामी के इस चरण में कुल 13 खनिज ब्लॉक शामिल हैं। खान मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक कार्यक्रम की अध्यक्षता खान मंत्रालय के सचिव वीएल कांथा राव करेंगे। गुजरात के भूविज्ञान और खान आयुक्त धवल पटेल और अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा उद्योग जगत के नेता इसमें शामिल होंगे। इसके साथ ही खनन, सीमेंट और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के इसमें भाग लेने की संभावना है, जो इस परिवर्तनकारी अवसर में बढ़ती रुचि को दिखाता है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण अपतटीय ब्लॉकों की खनिज क्षमता पर तकनीकी प्रस्तुति देगा। रोड शो में एसबीआई कैपिटल मार्केट्स (एसबीआईसीएपीएस), मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएसटीसी) और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) की तरफ से प्रस्तुतियां दी जाएंगी। वहीं, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स नीलामी प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार करेगा, जिसमें समय-सीमा, निविदा और भागीदारी की शर्तें शामिल होंगी। साथ ही मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड निर्बाध और पारदर्शी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करने वाले उन्नत ई-नीलामी प्लेटफ़ॉर्म प्रस्तुत करेगा।

## सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स का आईपीओ खुला, निवेशक 24 तक लगा सकेंगे बोली

**मुंबई/नई दिल्ली।** औषधि कंपनी सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुलते ही दोपहर 12.10 बजे तक 66 फीसदी सब्सक्राइब हो गया है। रिटेल कैटेगरी 284 फीसदी सब्सक्रिप्शन के साथ फुल हो गई है, जबकि एनआईआई कैटेगरी में 48 फीसदी सब्सक्रिप्शन मिला है। निवेशक इसमें निवेश के लिए 24 दिसंबर तक बोली लगा सकेंगे। जाकारी के अनुसार सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने इस आईपीओ के लिए शेयर का प्राइस बैंड 372-391 रुपये प्रति शेयर तय किया है। निवेशक इसमें न्यूनतम 38 इक्विटी शेयरों और उसके बाद उसके गुणांक में बोली लगा सकते हैं। अहमदाबाद स्थित कंपनी सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स का 582 करोड़ रुपये का यह इश्यू, 500 करोड़ रुपये की नई इक्विटी बिक्री और 21 लाख शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है। कंपनी का यह आईपीओ 500 करोड़ रुपये के नए शेयरों और 82.11 करोड़ रुपये के 21 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस निर्गम में कर्मचारियों के लिए 75,000 शेयर आरक्षित हैं।

## सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में आज कमजोरी नजर आ रही है। आज सोना 650 रुपये से 710 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। सोने की कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 77,280 रुपये से लेकर 77,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 70,850 रुपये से लेकर 70,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी भी आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हुआ है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,130 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

## भारत ने यूरोपीय संघ के समक्ष व्यापार बाधाओं का मुद्दा उठाया:वाणिज्य मंत्रालय

**नई दिल्ली।** भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) के बाजारों में घरेलू उद्योग के सामने आ रही बाधाओं को रेखांकित कर इन्हें हल करने का आग्रह किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक के बीच देर रात वर्चुअल बातचीत की। इस दौरान दोनों के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति के अलावा कई मुद्दे पर चर्चा की गई। मंत्रालय ने बताया कि वाणिज्य मंत्री गोयल ने मारोस सेफकोविक के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई बातचीत में व्यापार में बाधा डाल रही गैर-टैरिफ बाधाओं पर चर्चा की। गोयल ने चर्चा के दौरान विश्वास बनाने के उपाय के रूप में लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने एक संतुलित, न्यायसंगत, महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए की खोज करने पर सहमति व्यक्त की।

# मिलिंग व बॉल कोपरा का एमएसपी क्रमशः 11582 और 12100 रुपये प्रति क्विंटल

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** सरकार ने वर्ष 2025 के लिए मिलिंग कोपरा और बॉल कोपरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी क्रमश 11582 रुपये और 12100 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में यहां हुई मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति में इस आशय के प्रस्ताव का निर्णय लिया। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन दोनों के मूल्य में क्रमश 121 प्रतिशत और 120 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

वर्ष 2014 में मिलिंग कोपरा

का मूल्य 5250 और बॉल कोपरा का मूल्य 5500 रुपये प्रति क्विंटल था। सरकार ने 2018-19 के केंद्रीय बजट में घोषणा की थी कि सभी अनिवार्य फसलों का एमएसपी अखिल भारतीय औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय किया जाएगा।

उच्च एमएसपी न केवल नारियल उत्पादकों के लिए बेहतर पारिश्रमिक रिटर्न सुनिश्चित करेगा, बल्कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नारियल उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कोपरा उत्पादन का विस्तार करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित भी करेगा। भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ लिमिटेड और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ मूल्य समर्थन योजना के तहत कोपरा और छिलके रहित नारियल की खरीद के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसियों के रूप में कार्य करना जारी रखेंगे।

## स्टॉक मार्केट में ढाई साल की सबसे बड़ी गिरावट, रुपये की गिरावट और मुनाफावसूली से बिगड़ा बाजार का मूड

**एजेंसी**

**मुंबई।** घरेलू शेयर बाजार के लिए आज खत्म हुआ कारोबारी सप्ताह काफी निराशाजनक रहा। इस सप्ताह सेंसेक्स अभी तक 4,091.53 अंक टूट चुका है। इसी तरह निफ्टी में भी इस सप्ताह 1,180.80 अंक की गिरावट आ चुकी है। जून 2022 के बाद घरेलू शेयर बाजार में पहली बार साप्ताहिक आधार पर इतनी बड़ी गिरावट आई है। शेयर बाजार में आई इस जोरदार गिरावट के कारण निवेशकों को सिर्फ 5 दिन के कारोबार में ही 18.31 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। माना जा रहा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) के रुख में आए बदलाव, विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली, घरेलू निवेशकों द्वारा की जा रही मुनाफा वसूली और डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में आई ऐतिहासिक गिरावट के कारण इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार लगातार दबाव में कारोबार करता रहा। खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना के अनुसार इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में आई गिरावट की सबसे बड़ी वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा की जा रही बिकवाली को माना जा सकता है। इस सप्ताह विदेशी निवेशक अभी तक करीब 12,230 करोड़ रुपये की बिकवाली कर चुके हैं। सिर्फ गुरुवार के दिन ही उन्होंने 4,224.92 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। इस सप्ताह विदेशी निवेशक जिस तरह से भारतीय स्टॉक मार्केट से पैसा निकाल रहे हैं, उससे अक्टूबर में हुई अंधाधुंध बिकवाली की याद आने लगी है। अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बिकवाली की थी।

# सेना के लिए 76 सौ करोड़ की लागत से तोपों की खरीद के अनुबंध पर हस्ताक्षर

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के साथ 7,629 करोड़ रुपये का अनुबंध किया है। यह सौदा 100 स्वचालित ट्रैक्ड आर्टिलरी गन के9 वज्र टैंक खरीदने के लिए किया गया है। सेना के पास पहले ही इस तरह के 100 टैंक हैं। अब यह सौदा भारतीय सेना की मारक क्षमता दोगुना करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए 155 मिमी/52 कैलिबर के के9 वज्र-टी सेल्फ-प्रोपेल्ड ट्रैक्ड आर्टिलरी गन की खरीद के लिए लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अनुबंध की कुल लागत 7,628.70 करोड़ रुपये है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में आज साउथ ब्लॉक में रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और एलएंडटी के प्रतिनिधियों ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 100 के9 वज्र टैंक की खरीद से भारतीय तोपखाने के आधुनिकीकरण को बढ़ावा मिलेगा और सेना की समग्र परिचालन

तत्परता बढ़ेगी। यह बहुमुखी तोप अपनी क्रॉस-कंट्री गतिशीलता के साथ भारतीय सेना की मारक क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिससे सटीकता के साथ गहराई से हमला करना संभव होगा। इसकी घातक मारक क्षमता सभी इलाकों में तोपखाने की क्षमता को बढ़ाएगी। अत्याधुनिक तकनीक से लैस यह तोप उच्च सटीकता और उच्च दर के साथ लंबी दूरी तक घातक फायर करने में सक्षम है। उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों के शून्य तापमान में भी यह टैंक अपनी पूरी क्षमता से काम करने में सक्षम होंगे। सूरत के हजीरा में एलएंडटी आर्मर्ड सिस्टम कॉम्प्लेक्स में अत्याधुनिक के-9 वज्र टैंक बनाए जा रहे हैं। लार्सन एंड टुब्रो भारतीय सेना को स्वदेशी रूप से निर्मित के-9 वज्र टैंक 155 मिमी/52 कैलिबर की स्व-चालित बंदूकों की आपूर्ति कर रहा है। रक्षा मंत्रालय ने 'मेक इन इंडिया' के तहत 2017 में दक्षिण कोरिया से के-9 वज्र-टी 155मिमी/52 कैलिबर तोपों की 100 यूनिट आपूर्ति के लिए 4 हजार 500 करोड़ रुपये का करार किया था, जिनमें से 10 पूरी तरह से तैयार हालत में मिले थे।

# पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना को लेकर केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी की समीक्षा बैठक

**एजेंसी**

**कोलकाता।** केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने लकाता में आयोजित समीक्षा बैठक में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 300 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ लेने के लिए जनता से अपील की। इस योजना के लिए केंद्र सरकार ने 75 हजार 21 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। बैठक में पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, झारखंड और आठ उत्तर-पूर्वी राज्यों के अधिकारियों ने भाग लिया। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बैठक के दौरान कहा कि पश्चिम बंगाल इस योजना के तहत बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। उन्होंने राज्य के संबंधित मंत्रियों से योजना को अधिक प्रभावी बनाने के लिए समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह योजना एक करोड़ घरों तक रोशनी पहुंचाने और 300 यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखती है, जिसमें केंद्र सरकार का योगदान 78 हजार रुपये प्रति घर तक है। इस योजना को सुचारू रूप से लागू करने के

लिए केंद्रीय मंत्री ने सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को पूर्ण सहयोग देने का आह्वान किया। योजना का उद्देश्य सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से देश के हर घर में रोशनी पहुंचाना है। योजना की प्रगति पर जानकारी जोशी ने बताया कि इस योजना के तहत अब तक देशभर में 1.5 करोड़ लोगों ने पंजीकरण कराया है और 7.06 लाख घरों को इसका लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि इस योजना को राजनीति से ऊपर उठकर लागू किया जाना चाहिए ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने राज्यों से अपील की कि वे केंद्र सरकार के अनुदान के साथ-साथ अपनी तरफ से भी सब्सिडी की पेशकश करें, ताकि योजना को और लाभकारी बनाया जा सके। सौर ऊर्जा परियोजनाओं पर चर्चाकेंद्रीय मंत्री ने पश्चिम बंगाल में सौर पैनल इंस्टॉलेशन के वेंडरों और सेवा प्रदाताओं के साथ भी बैठक की।

## आरबीआई गवर्नर ने वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की

**एजेंसी**

**गुवाहाटी/नई दिल्ली।** रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के केंद्रीय बोर्ड की बैठक गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में हुई। इस बैठक के दौरान वर्तमान वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा करते हुए भारत में बैंकिंग की प्रवृत्तियां और उसकी प्रगति 2023-24 के लिए मसौदा रिपोर्ट पर भी विचार विमर्श किया गया। आरबीआई ने 'एक्स' पोस्ट पर बताया कि केंद्रीय निदेशक मंडल की 612वीं बैठक आज गुवाहाटी में गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हुई। बोर्ड ने बैंक गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान शक्तिकांत दास की ओर से दी गई बहुमूल्य सेवाओं की सराहना की। गवर्नर मल?होत्रा की अध?यक्षता में हुई बैठक के दौरान केंद्रीय बोर्ड ने वैश्विक एवं घरेलू आर्थिक स्थिति और दृष्टिकोण की समीक्षा की।

इसके अलावा बोर्ड ने चुनिंदा केंद्रीय कार्यालय विभागों की गतिविधियों के साथ-साथ भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति, 2023-24 पर मसौदा रिपोर्ट पर चर्चा की। इस बैठक में उप-गवर्नर

डॉ. माइकल देवव्रत पात्रा, एम. राजेश्वर राव, टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे. और केंद्रीय बोर्ड के अन्य निदेशक सतीश के. मराठे, रेवती अय्यर, प्रो. सचिन चतुर्वेदी, वेणु श्रीनिवासन तथा डॉ. रवींद्र एच. ढोलकिया शामिल हुए।

# सीतारमण ने की राज्यों के वित्त मंत्रियों के साथ बजट पूर्व चर्चा

**एजेंसी**

**भोपाल।** केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन की अध्यक्षता में राजस्थान के जैसलमेर में राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ हुई प्री बजट मीटिंग में मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने राज्य का प्रतिनिधित्व किया। बैठक में उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को समग्र रूप से विकसित करने तथा विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं की श्रेणी में लाने के लिए समर्पित और प्रतिबद्ध है।

उपमुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि विशेष पूंजीगत सहायता योजना के संबंध में आम जनता के जीवन-यापन में सकारात्मक परिवर्तन भी हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रदेश का कुल पूंजीगत व्यय 46 हजार 798 करोड़ रुपये था, जो लगभग 23 प्रतिशत वृद्धि के साथ वर्ष 2023-24 में 57 हजार 348 रुपये करोड़ रहा है। उन्होंने वर्ष 2024-25 में लगभग 64 हजार 738 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय अनुमानित है। वर्ष 2024-25 के लिए 6 हजार 187 करोड़ 73 लाख

रुपये की राशि प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार को धन्यवाद दिया। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा उज्जैन में 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महापर्व के दौरान सुनियोजित रूप से विकास व जन-सुविधाओं की भी व्यापक व्यवस्था के लिए आगामी बजट में %सिंहस्थ% आयोजन के लिए प्रावधान का अनुरोध किया। देवड़ा ने राज्य की ओर से बजट की तैयारी से संबंधित सुझाव देते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अंतर्गत वित्त पोषित राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, राष्ट्रीय विधवा पेंशन एवं राष्ट्रीय निश्शक्त पेंशन योजनाओं में वित्त पोषण की वर्तमान व्यवस्था पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से 2024 के मध्य प्रतिवर्ष 0.29 प्रतिशत से लेकर 0.44 प्रतिशत तक की जीवन-प्रत्याशा में वृद्धि हुई है। इस तथ्य के परिणामस्वरूप योजनान्तर्गत हितग्राहियों की वर्तमान पंजीबद्ध संख्या 24 लाख 14 हजार से बढ़कर 29 लाख 43 हजार होना अनुमानित है। केन्द्र सरकार द्वारा मात्र 15 लाख 75 हजार हितग्राहियों के मान से ही वित्त पोषण किए जाने से राज्य सरकार को अतिरिक्त व्यय वहन करना पड़ रहा है। इस तथ्य के प्रकाश में वर्ष 2013-14 में योजना के हितग्राहियों की संख्या की अधिकतम सीमा के पुनरीक्षण पर विचार किया जाना चाहिए। जल जीवन मिशन योजना के लिये उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि केन्द्र से मिशन की दूसरी किश्त की द्वितीय व तृतीय ट्रेंच की राशि एक हज़ार 422 करोड़ रुपये प्राप्त नहीं होने से राज्य सरकार ने स्वयं के स्रोतों से योजनाओं के कार्यों को जारी रखा है। वर्ष 2024-25 में इन कार्यों के लिए 17 हज़ार करोड़ रुपये की आवश्यकता अनुमानित है।

# मध्य प्रदेश के मेंडोरी के जंगल में कार से 52 किलो सोना और 10 करोड़ रुपये बरामद

**एजेंसी**

**भोपाल।** मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बीते तीन दिन से अगल-अलग कारोबारियों के यहां लोकायुक्त और आयकर विभाग के छापे के बाद अब यहां मेंडोरी के जंगल में एक गाड़ी में 52 किलो सोना बरामद हुआ। इसके साथ ही 10 करोड़ रुपये नकद भी मिले हैं। सोने की कीमत 40 करोड़ 47 लाख रुपये आंकी गई है। गुरुवार की दरमियानी रात दो बजे 30 गाड़ियों में पहुंची आयकर विभाग और पुलिस की टीम ने वाहन को पकड़ा है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये सोना और नकद राशि किसकी है। जिस कार इनोवा क्रिस्टा में यह सोना और नकदी मिली है, वह ग्वालियर की है और चंदन गौर के नाम से रजिस्टर्ड है। चंदन गौर का जुड़ाव पूर्व परिवहन के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा से बताया जा रहा है। दरअसल, सौरभ शर्मा के कार्यालय और आवास पर

गुरुवार को लोकायुक्त पुलिस ने छापा मारा था। पुलिस को दोनों जगह से दो करोड़ 85 लाख रुपये नकद, 50 लाख रुपये के गहने और दो करोड़ रुपये की अन्य संपत्ति की जानकारी मिली थी। सौरभ शर्मा एक पूर्व मंत्री सहित कई अधिकारियों और नेताओं के करीबी बताए जाते हैं आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार, एक खुफिया जानकारी मिली थी कि जंगल में एक कार खड़ी है, जिसमें भारी मात्रा में पैसे रखे हैं। इसके बाद आयकर विभाग की टीम गुरुवार की रात करीब दो बजे मेंडोरी के जंगल में पहुंची, जहां इनोवा कार के पास पहले से करीब 100 पुलिसकर्मी और 30 गाड़ियां थीं। संभवत- पुलिस को भी इसके बारे में सूचना मिली होगी। कार पूरी तरह से लॉक थी। ऐसे में आयकर विभाग की टीम ने साथ पहुंचे गनमैन की गन के बट से कार का कांच तोड़ा और गेट खोलकर बैग निकाले गए। इन बैग में भारी मात्रा में नकदी और सोना मिला। आयकर विभाग की जांच में खुलासा हुआ है कि मेंडोरी में लावारिस हालत में जो इनोवा कार मिली है, वह चेतन गौर की है। चेतन लोकायुक्त पुलिस के छापे की जद में आए सौरभ शर्मा का दोस्त है। जब आयकर विभाग के अफसरों ने चेतन गौर से इस मामले में पूछताछ की तो उसने कहा कि सोना और पैसा कहां से आया और किसका है, इसकी उसे जानकारी नहीं है। उसने यह जरूर माना कि वह आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा का दोस्त है। टीम अब इस आधार पर आगे की जांच करेगी। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जब आयकर अधिकारियों की टीम मेंडोरी पहुंची तो वहां पहले से मौजूद पुलिस को देखकर सभी कुछ देर के लिए सहम गए। सभी को आशंका थी कि कोई ट्रेप कराने की साजिश तो नहीं है। कुछ अफसरों ने साहस कर पुलिस कर्मचारियों से बात की तो पता चला कि वे भी अज्ञात सूचना पर यहां आए हैं।

# देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2 अरब डॉलर घटकर 652.86 अरब डॉलर हुआ

**एजेंसी**

**मुंबई।** आार्थिक मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 1.988 अरब डॉलर घटकर लगभग छह महीने के निचले स्तर 652.87 अरब डॉलर पर आ गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया है कि 13 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.98 अरब डॉलर घटकर 652.87 अरब डॉलर रह गया। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 3.23 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 654.85 अरब डॉलर रह गया था। आंकड़ों के मुताबिक पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.04 अरब डॉलर घटकर 562.57 अरब डॉलर रह गई है। हालांकि, इस दौरान स्वर्ण भंडार का

आरक्षित मूल्य 1.12 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 68.05 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.5 करोड़ डॉलर घटकर 17.99 अरब डॉलर रह गया है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 2.7 करोड़ डॉलर घटकर 4.24 अरब डॉलर रहा। उल्लेखनीय है कि सितंबर महीने में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। पिछले कुछ सप्ताह से देश के विदेशी मुद्रा भंडार में आ रही गिरावट की वजह पुनर्मूल्यांकन होने के साथ रुपये में उतार-चढ़ाव कम करने के लिए आरबीआई द्वारा विदेशी मुद्रा बाजार में किए गए हस्तक्षेप को माना जा रहा है।

## कैरारो इंडिया का आईपीओ खुला, 24 तक बोली लगा सकेंगे निवेशक

**मुंबई/नई दिल्ली।** ऑटो पार्ट निर्माता कंपनी कैरारो इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए निवेशकों के लिए खुल गया है। कैरारो इंडिया के इस इश्यू के लिए निवेशक 24 दिसंबर तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 1250 करोड़ जुटाना चाहती है। कैरारो इंडिया ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 668-704 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के मौजूदा निवेशक 1,250 करोड़ रुपये में 1.78 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बेच रहे हैं। इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 21 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 21 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी इस आईपीओ के लिए एक भी फ्रेश शेयर इश्यू नहीं कर रही है। कैरारो इंडिया की योजना इस नए इश्यू के जरिए 1,250 करोड़ रुपये जुटाने की है। कैरारो इंडिया लिमिटेड के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 30 दिसंबर, 2024 को सूचीबद्ध होंगे। आईपीओ से प्राप्त पूरी धन राशि कंपनी के बजाय सीधे कैरारो इंटरनेशनल एसई को ही मिलेगी। उल्लेखनीय है कि कैरारो इंडिया लिमिटेड छोटे गियर से लेकर ट्रैक्टर असेंबली तक के कंपोनेंट के मैन्युफैक्चरिंग के निर्माण में माहिर है। ऑटो पार्ट निर्माता ये कंपनी ट्रांसमिशन सिस्टम को डिजाइन, प्रोड्यूस और बेचती है।

# मोदी ने जनधन, आधार और मोबाइल क्रांति के जरिये देश को गरीबी और भ्रष्टाचार से उबारा: हर्ष मल्होत्रा

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार के कॉरपोरेट मामलों और सड़क, परिवहन तथा राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने आज यहां परिवहन भवन में एक प्रेस कान्फ्रेंस में मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनवाईं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जनधन योजना, आधार और मोबाइल (जेएम) त्रिनिटी योजनाओं, डिजिटल लेनदेन और आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) ने कैसे लोगों की जिंदगी में अभूतपूर्व और सम्मानजनक बदलाव किया है। मल्होत्रा ने कहा कि 2014 से मोदी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए काम कर रही है और पिछले 10 वर्षों में 140 करोड़ नागरिकों के लिए 200 से अधिक योजनाएं लॉन्च की गई हैं। मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रधानमंत्री जनधन योजना ने देश की एक बड़ी आबादी को बैंकिंग सिस्टम में शामिल करके उनके जीवन को सरल बनाया है। मौजूदा समय में 54 करोड़ से अधिक बैंक खाते हैं, जिनमें कुल जमा राशि लगभग 2.39 लाख करोड़ रुपये हैं। यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण, अर्ध-शहरी इलाकों और महिलाओं में सफल रही है, जिसमें लगभग 66त्न खाते इन क्षेत्रों से आते हैं। इसके अलावा 37.02 करोड़ रूपे कार्ड उन खाता धारकों को जारी किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि जिस आधार-मोबाइल लिंकिंग की महत्वाकांक्षी योजना का विपक्ष ने मजाक उड़ाया था, वह अब प्रधानमंत्री जनधन योजना के साथ मिलकर दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन कार्यक्रम बन गया है। अब, केंद्र सरकार से जारी प्रत्येक रुपया बिना किसी बिचौलिए के सीधे संबंधित लाभार्थी तक पहुंचता है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को और भी बढ़ावा मिला है। उन्होंने बताया कि जेएएम त्रिनिटी ने इस प्रगति को विशेष रूप से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से संभव बनाया। इस प्रणाली ने न केवल यह सुनिश्चित किया कि सब्सिडी और लाभ सीधे जरूरतमंदों तक पहुंचे, बल्कि भ्रष्टाचार को भी घटाया और नकली लाभार्थियों को समाप्त किया। 14 अगस्त, 2024 तक जनधन के प्रत्येक बैंक खाते में औसत जमा 4352 रुपये है। पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। दिल्ली में अकेले 65 लाख पीएम जनधन खाते हैं, जिनमें 3114 करोड़ की कुल जमा राशि है और 50 लाख रूपे कार्ड लाभार्थी हैं। पीएम उज्ज्वला योजना से 2,59,000 महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। मंत्री ने बताया कि पीएमजीडीवाई ने न केवल करोड़ों भारतीयों के लिए वित्तीय परिदृश्य को बदल दिया है, बल्कि भारत को डिजिटल वित्तीय समावेशन में वैश्विक नेता के रूप में उभारा है। लगभग 10 करोड़ नकली लाभार्थियों को सिस्टम से बाहर किया गया है, जिससे 2.75 लाख करोड़ रुपये का गलत हाथों में जाने से बचाव हुआ है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में यूपीआई लेनदेन 200 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जो 2017-18 की तुलना में 138त्न अधिक है। उन्होंने बताया कि भारत ने कोविड वैक्सीन का विकास करने में पांचवां स्थान प्राप्त किया और दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक चलाया।

# सर्दियों में जिम जाने का नहीं करता मन, तो फिटनेस के लिए अपनाएं ये टिप्स

सर्दियों में आलस के कारण जिम जाने या फिर मॉर्निंग वॉक पर जाने का बिल्कुल मन नहीं करता है.ऐसे में जिम जाए घर पर अपने आप को फिट रखने के लिए आप इन टिप्स को अपना सकते हैं.इससे आपको एक्टिव और हेल्दी रहने में भी मदद मिलेगी.

सर्दियों के मौसम में आलस और सुस्ती छाई रहती है.सुबह रजाई या कंबल को छोड़कर काम पर जाने का मन नहीं करता.इसलिए इस दौरान एक्टिव रहना थोड़ा मुश्किल हो जाता है.खासकर उन लोगों के लिए जो सुबह ऑफिस जाने से पहले जिम जाते हैं.ऐसे कई बार होता है की सुबह-सुबह या शाम में जिन जाने का मन नहीं करता है और दिनभर समय नहीं मिलता है.

लेकिन मौसम चाहे कोई भी को अपने आप को फिट रखने के लिए एक्टिव रहना बहुत जरूरी होता है.अगर आपको भी सर्दियों में सुबह जिम जाने का मन नहीं करता है तो आप घर पर ही अपने आप को फिट रखने के लिए कुछ टिप्स अपना सकते हैं.

घर पर वर्कआउट करें

फिट और हेल्दी रहने के लिए वर्कआउट करना बहुत जरूरी होता है.आप घर पर बिना किसी महंगे उपकरण के भी बहुत अच्छे वर्कआउट कर सकते हैं.आप घर पर स्क्वाट्स,पुश-अप्स,लंजेस,प्लैंक और बर्पीज जैसी कई एक्सरसाइज कर सकते हैं.ये आसान वर्कआउट आपके वजन को नियंत्रित करने में भी मदद कर सकते हैं.

डांस

डांस एक बहुत अच्छा कार्डियो एक्सरसाइज है.ये आपके शरीर को फिट रखने के साथ ही मूड को बेहतर बनाये रखने में मदद कर सकती है.सर्दी में बाहर न जाकर आप घर में म्यूजिक चला कर डांस कर सकते हैं.ये कैलोरी बर्न करने में और शरीर की मांसपेशियों को भी मजबूत बनाने में फायदेमंद हो सकती है.आजकल जिम में जुम्बा डांस करवाया जाता है,जिसके बहुत फायदे होते हैं.ऐसे में आप घर पर अपने मुताबिक डांस कर सकते हैं और ऑनलाइन भी इसे सिर्फ सकते हैं.

योग और प्राणायाम

योग और प्राणायाम शरीर और मन दोनों के लिए फायदेमंद होता है.योग करने से शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है,साथ ही ये मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है.सूर्य नमस्कार,भुजंगासन,कपालभाति,पद्मासन,ताड़ासन,वृक्षासन,अर्धचंद्रमासन,अर्धचक्रासन जैसे की आसन आप अपने सेहत के मुताबिक कर सकते हैं.ख्याल रखें कि योगासन का प्रयास करते समय सही पोस्टर,टेक्निक और बीमारी को ध्यान में रखना बहुत जरूरी है.इसलिए योग की शुरुआत किसी एक्सपर्ट की निगरानी में करें.

सैर पर जाएं

अगर जिम में जाने का मन नहीं है,तो आप दिन में कुछ समय बाहर सैर के लिए जा सकते हैं.सर्दियों में मॉर्निंग वॉक पर जाने का मन नहीं करता है इसलिए आप दिन में कभी भी समय निकालकर सैर कर सकते हैं जैसे कि दिन में खाना खाने के बाद कुछ देर सैर कर सकते हैं.ब्रिस्क वॉक करना भी सेहत के लिए फायदेमंद होता है.अगर किसी तरह की स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या है तो उसे ध्यान में जरूर रखें.

हेल्दी और बैलेंस डाइट

सर्दी में कई बार लोग ज्यादा तला-भुना और मोटा खाना खाने का मन करते हैं.लेकिन बहुत ज्यादा बाहर का या फिर तला-भुला और मसालेदार खाने से परहेज करें.इसकी जगह आप बैलेंस डाइट लें.शलरी,हरे पत्तेदार साग,और चुकंदर जैसी मौसमी सब्जियों और फलों का सेवन करें.इसके अलावा सूट और जूस भी आप पी सकते हैं.अखरोट,बादाम,और फ्लेक्स सीड्स जैसे नट्स खाएं ये शरीर को एनर्जी प्रदान करने और गर्म रखने में मदद करते हैं.इसके अलावा कैलोरी इनटेक का भी ध्यान रखें.साथ ही हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना भी बहुत जरूरी है.रोजाना8घंटे की नींद लें और स्ट्रेस को मैनेज करें.

# कांग्रेस के लिए उपदेश की कमी नहीं है

कांग्रेस नेतृत्व पर इस सवाल को उठाने के साथ इंडिया गठबंधन के कामकाज को व्यवस्थित करने और नेता चुनने का दबाव अभी ज्यादा लग रहा है और वह भी स्वाभाविक है। क्योंकि चुनावों के चक्कर में वह इस विपक्षी गठबंधन के कामकाज को व्यवस्थित करना भूल गई थी। एक तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे %इंडिया; के संयोजक हैं और उन्होंने लंबे समय से कोई बैठक नहीं बुलाई है।

अगर उमर अब्दुल्ला के बयान का मतलब नेशनल कांफ्रेंस का आधिकारिक बयान है तो अभिषेक बनर्जी के बयान को भी तृणमूल कांग्रेस का आधिकारिक बयान मानना चाहिए। और हम आप मानें न मानें लेकिन जब इवीएम के दुरुपयोग के सवाल पर उम्र अब्दुल्ला के बाद अभिषेक बनर्जी भी मिलता जुलता बयान दे रहे हैं तो कम से कम कांग्रेस को तत्काल इसका नोटिस लेना चाहिए। यह सवाल कॉंग्रेस या राष्ट्रवादी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी द्वारा हरियाणा और फिर महाराष्ट्र के नतीजों के बाद वोटिंग मशीन के दुरुपयोग पर उठाए जाने वाले हंगामे के बाद ही विपक्षी %इंडिया' गठबंधन के नेतृत्व के सवाल पर एक दौर में सभी गैर कांग्रेसी साझीदारों द्वारा ममता बनर्जी को नेता बनाने की मांग के साथ सामने आया है। इसमें कांग्रेस या सपा-राजद जैसे विपक्षी दलों द्वारा चुनाव हारने के बाद ( और उसी मशीन से चुनाव जीतने के बाद चुप्पी साध लेने) वोटिंग मशीन पर सवाल उठाने का सवाल भी है लेकिन कहीं न कहीं कांग्रेस पर दबाव बनाने की मंशा भी शामिल है। जब से मौजूदा सरकार ने चुनाव आयुक्तों के चुनाव के पैनल से सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को हटाकर केन्द्रीय गृहमंत्री को सदस्य और चयन समिति में सरकार के साफ बहुमत की व्यवस्था की है तब से कांग्रेस ही नहीं लगभग पूरा विपक्ष आयोग के फैसलों और चुनाव के नतीजों को लेकर शंका जाहिर करता रहा है लेकिन उसने कभी भी इसे आर-पार की लड़ाई का सवाल नहीं बनाया है। इसलिए उसकी मांगों का वजन हल्का होता गया है।कांग्रेस नेतृत्व पर इस सवाल को उठाने के साथ इंडिया गठबंधन के कामकाज को व्यवस्थित करने और नेता चुनने का दबाव अभी ज्यादा लग रहा है और वह भी स्वाभाविक है। क्योंकि चुनावों के चक्कर में वह इस विपक्षी गठबंधन के कामकाज को व्यवस्थित करना भूल गई थी। एक तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे %इंडिया; के संयोजक हैं और उन्होंने लंबे समय से कोई बैठक नहीं बुलाई है। दूसरे इस बीच विपक्षी गठबंधन के बीच खटर-पटर की खबरें भी आती रही हैं। और अब तो यह पक्का लग रहा है कि दिल्ली विधान सभा चुनाव में आप और कांग्रेस अलग-अलग ही लड़ेंगे। कहां तो अब तक एक साझा नीति वक्तव्य और कार्यक्रम तय हो जाना चाहिए था और कहां अभी हर चीज बिखरी ही दिखती है। बल्कि जो चीजें लोक सभा चुनाव के नतीजों के बाद व्यवस्थित लग रही थीं उनमें भी गड़बड़ नजर आने लगी है। कांग्रेस और सपा के, कांग्रेस और राजद के, कांग्रेस और नेशनल क्राफ्रेंस के तथा कांग्रेस और द्रमुक के रिश्तों में निश्चित रूप से गिरावट आई है। आप की चर्चा पहले की ही जा चुकी है और अब बगावती ममता बनर्जी के तेवर और कठोर हुए हैं।

इन सबका रिश्ता हरियाणा और महाराष्ट्र ही नहीं जम्मू-कश्मीर विधान सभा चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन से है। और आगे दिल्ली या बिहार विधान सभा चुनाव में भी उसके कोई बहुत अच्छा करने की उम्मीद नहीं है। कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन से भी ज्यादा खराब प्रदर्शन इंडिया गठबंधन के नेतृत्व के मामले में हुआ है। कांग्रेस और खास तौर पर राहुल गांधी ने सवालों पर ज्यादा उदारता दिखाई है लेकिन व्यवस्थित फैसले कराने में उनकी भी रुचि नहीं लगती। जिस गठबंधन को नीतीश कुमार ने सबकी इच्छा के अनुसार चुटकी बजाते खड़ा कर दिया था वह खुद नीतीश को साथ न रख पाया। और आज यह हालत है कि खुद कांग्रेस गरीब की जोरू वाली स्थिति में है जिसे हर कोई उपदेश पिला रहा है। कभी कोई शिव सैनिक कांग्रेस से खानदानी दुश्मनी की याद दिलाता है तो कभी अबू आजमी भी चार फटकार लगा देते हैं। ममता तो बहुत बड़ी हैं पर इंडिया गठबंधन के नए नेता लोग भी कांग्रेस को सीख देने में पीछे नहीं रहते। कांग्रेस के सबसे भरोसेमंद साथी लालू यादव भी ममता को नेता बनाने की वकालत कर चुके हैं। बल्कि इस सवाल पर अकेले तेजस्वी यादव ने संतुलित बयान दिया कि ममता को नेता मानने में उज्र नहीं है लेकिन फैसला तो सबकी सहमति से ही होगा।

कांग्रेस पर भाजपा की तरफ से लगातार हमले जारी हैं तो इसलिए नहीं कि लोक सभा के अच्छे प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कुछ कमजोर पड़ी है और जीत से भाजपा की हताशा खत्म हुई है। भाजपा की रणनीति इंडिया गठबंधन के साझीदारों की तरह कांग्रेस पर ज्यादा दबाव बनाकर कुछ सौदेबाजी कर लेने की भी नहीं है। उसे कांग्रेस और राहुल के रूप में ही अपना सबसे बड़ा दुश्मन नजर आता है। क्षेत्रीय पार्टियां भले उसे चुनाव में ज्यादा गंभीर चुनौती दें लेकिन पूरी राजनीति में आज उसे सिर्फ कांग्रेस और राहुल गांधी या गांधी नेहरू परिवार से ही चुनौती मिलती है इसलिए वह तो अपना हमला तेज करेगी ही। और मात्र संयोग नहीं है कि मीडिया और अनेक संस्थाओं से उसे समर्थन मिलता है जबकि कांग्रेस इन सबको भी दुश्मन बनाए हुई है। कांग्रेस भी किन मुद्दों को सामने करके भाजपा को बैकफुट पर धकेले यह उसकी आंतरिक चर्चा और बाहर की चर्चा का विषय हो सकता है। लेकिन हर तरफ से कांग्रेस और खास तौर से राहुल को उपदेश पिलाया जा रहा है।

इस सब में हर्ज नहीं है लेकिन कुछ बड़े सवाल हैं कि राहुल और कांग्रेस कुछ सीखते क्यों नहीं। वे पार्टी संगठन और इंडिया गठबंधन के सांगठनिक स्वरूप पर ध्यान क्यों नहीं देते। उनके बोलने का विषय कौन तय करता है, उनके राजनैतिक कार्यक्रम कौन बनाता है। वे क्यों बार-बार संघ परिवार द्वारा बिछाए सावरकर वाले जाल में फंसते हैं जबकि यह सब सेटल मैटर है। वे क्यों चुनावी पराजय के बाद भी जाति का राग आलाप रहे हैं जबकि दलित-पिछड़ा-महिला विरोधी होकर भी भाजपा और संघ इन समूहों में अपनी पकड़ मजबूत करते जा रहे हैं। आर्थिक नीतियों के सवाल को राहुल क्यों अदानी तक सीमित कर रहे हैं। क्या यह सिलसिला मनमोहन राज में शुरू नहीं हुआ था और पिछड़ों के मामले में कांग्रेस का रिकार्ड क्या है। सिर्फ रिकार्ड ही रोक सके ऐसा भी नहीं है लेकिन सिर्फ जुबानी जमाखर्च से पिछड़ा दलित आदिवासी आपके पीछे गोलबंद हों जाए यह भी संभव नहीं है। और सबसे बढ़कर यह है कि राहुल छोटी-छोटी सफलताओं से इतना इतराते क्यों हैं (हालांकि बड़ी से बड़ी पराजय की परवाह न करके आगे बढ़ना उनका गुण है)। संसद में एक अच्छा भाषण देकर अपने दोस्तों को आंख मारना या अमेरिका यात्रा में भारत में एजेंडा सेटिंग का दावा करना ऐसे ही मामले हैं। जाहिर है उनके करीब जमा बैठा दल उनसे काफी कुछ ऐसा करा रहा है जो उनको नहीं करना चाहिए। ऐसे में उनको भाजपा/संघ परिवार के साथ लड़ने, इंडिया गठबंधन के दबावों को साधने और पार्टी संगठन में अपने आसपास घेरेबंदी करने वाले जमात से एक साथ लड़ाई लड़नी होगी।

## संपादकीय

# संसद के लिए काला दिवस

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर पर की गयी टिप्पणी से संसद से लेकर सड़क तक बवाल मचा हुआ है। इस पर खेद जताना तो दूर, भारतीय जनता पार्टी विपक्ष पर ही आरोप लगा रही है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को राज्यसभा में शाह ने यह कहकर कांग्रेस और विपक्ष पर अशालीन टिप्पणी की थी कि %आजकल अंबेडकर का नाम लेना एक फैशन हो गया है। अंबेडकर... अंबेडकर... अंबेडकर... अंबेडकर! इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।% नाराज़ विपक्ष ने बुधवार को संसद के दोनों सदनों में इस मामले को पुरज़ोर तरीके से उठाया और शाह से न केवल माफ़ी बल्कि इस्तीफे की भी मांग की थी। पूरे देश में इसे लेकर उनके प्रति नाराज़गी देखी गई परन्तु धृष्टता का परिचय देते हुए शाह ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि %अगले 15 वर्षों तक मल्लिकार्जुन खरगे उसी जगह पर बैठेंगे जहां अभी हैं।% यानी विपक्ष में रहेंगे। खरगे का उन्होंने इसलिये उल्लेख किया क्योंकि उन्होंने शाह से माफी की मांग की थी।भाजपा की हठधर्मिता एवं अहंकार का मिला-जुला रूप गुरुवार को देखने को मिला जब विपक्षी सदस्य नीले कपड़े पहनकर और हाथों में बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीरें लिये हुए मकर द्वार से संसद के भीतर जा रहे थे। अनेक भाजपा सदस्यों ने उनका रास्ता रोक लिया। इस धक्का-मुक्की में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे नीचे गिर गये जिन्हें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस सासंद वर्षा गायकवाड़ आदि ने सम्हालने की कोशिश की। इसे लेकर खरगे ने लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। अभी तीन दिन पहले ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने निर्देश दिये थे कि किसी भी सदस्य को कोई भी संसद प्रवेश करने से नहीं रोकेगा। गुरुवार को विपक्षी सांसदों को रोकने की कोशिश जिन सदस्यों ने की, वे भाजपायी थे। गुरुवार का वाकया बतलाता है कि भाजपा के सांसद उनके कितने कहने में हैं।भाजपा का आरोप है कि कांग्रेसियों द्वारा की गयी धक्का-मुक्की से भाजपा के दो सांसद घायल हो गये हैं। इनमें से एक प्रताप सारंगी ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया जो उन पर आकर गिरा। इसके कारण उनके सर पर चोट आई है। ऐसे ही, मुकेश राजपूत भी घायल हुए हैं। बताया गया है कि उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ज़ख्मी सांसदों का हाल-चाल जाना। वैसे राहुल ने कहा कि खरगे को धक्का दिया जा रहा था। उन्होंने बताया कि भाजपा के सांसद उन्हें भी धमका रहे थे और प्रियंका को भी रोकने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष को बचाया। अब भाजपायी सांसद राहुल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग कर दबाव डालना चाहते हैं। उनके विरूद्ध भी भाजपा विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है।इस मामले को लेकर सदन के भीतर भी जमकर विवाद हुआ। जहां एक ओर विपक्ष शाह के माफ़ी व इस्तीफे की मांग पर अड़ा रहा वहीं भाजपा प्रतिपक्ष पर ही झूठ का सहारा लेने का आरोप लगाती रही। इसके कारण जमकर हुए हंगामे के बाद सदनों की कार्यवाही चलनी मुश्किल हो गयी। दोनों सदनों को शुक्रवार तक के लिये स्थगित कर दिया गया। इस सारे मामले को सम्भवत- मोदी, ओम बिड़ला एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ बढ़ते हुए देखना चाहते हैं। इसलिये उन तीनों की ओर से कोई गम्भीर पहल नहीं की गयी कि उभय पक्षों को बिठाकर सुलह करायी जाये। बाद में अवश्य बिड़ला ने कहा कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने सभी सदस्यों से परम्पराओं के पालन एवं संयम बरतने की अपील की।

वहीं मोदी ने तो एक्स पर पोस्ट किया कि कांग्रेस मुद्दे को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है। उन्होंने शाह का वीडियो यह कहकर पोस्ट किया कि इसे अवश्य देखा जाना चाहिये। इस तरह वे आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। भाजपा का यह रुख इसलिये दोहरा कहा जा सकता है कि एक्स ने खुलासा किया है कि सरकार की ओर से कहा गया था कि राज्यसभा में शाह के बयान वाले वीडियो को हटा दिया जाये।

# सोने के बेलगाम आयात ने किया रुपये का बंटाधार

सोने पर आयात शुल्क कम करते समय सरकार की ओर से कहा गया था कि इससे सोने की कीमतें कम होंगी और आम लोगों के लिए सोना अधिक किफायती हो जायेगा, जिससे घरेलू मांग और निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ, बावजूद इसके कि सोने की कीमतों में शुरुआती 9 फीसदी की गिरावट के साथ 74,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से 68,000 रुपये पर आ गयी।

बजट 2024-25 में सोने के पक्ष में नीतिगत उपायों के लिए भारत सरकार द्वारा आगे लाये गये तर्कों में से एक था भारतीय रुपये की कमजोरियों को दूर करना, लेकिन 18 दिसम्बर को यह ऐतिहासिक निचले स्तर 85.17 रुपये प्रति डॉलर तक गिर गया। उसके एक दिन पहले सुबह के कारोबार में यह 84.93 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया था। दूसरा तर्क यह दिया गया था कि सोना और अधिक किफायती हो जायेगा, लेकिन इसकी दर 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गयी। इसके अलावा, सोने का आयात चार गुना से अधिक बढ़ गया, जिससे नवंबर में व्यापार घाटा रिकॉर्ड उच्च स्तर 37.9अरब डॉलर पर पहुंच गया।नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर 2024 में 14.9अरब डॉलर का सोना आयात किया गया, जबकि एक साल पहले नवंबर 2023 में यह 3.5 अरब डॉलर था, जिससे यह भारत के आयात बास्केट में पेट्रोलियम के बाद 21 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ दूसरा सबसे बड़ा आयातित पदार्थ हो गया। गैर-तेल निर्यात से होने वाला लाभ सोने के आयात खर्च में ही सफा-चट (खत्म) हो गया। सोने पर बेतहाशा बहुमूल्य विदेशी मुद्रा खर्च की जा रही है।

नवंबर में भारत का आयात लगभग 70अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च मूल्य पर पहुंच गया। रिकॉर्ड व्यापारिक व्यापार घाटा पिछले महीने अक्टूबर में 27.14 अरब डॉलर से बढ़कर 37.84अरब डॉलर और नवंबर 2023 में 21.31अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने सोने के आयात में उछाल का कारण वैश्विक कीमतों में भारी वृद्धि और इसकी सुरक्षित पनाहगाह की स्थिति को बताया है, ऐसे समय में जब स्टॉक मार्केट अस्थिर बना हुआ है।सोने पर कम सीमा शुल्क ने सोने के आयात में जबरदस्त योगदान दिया। केंद्रीय बजट 2024-25 में सोने पर आयात शुल्क 1 जुलाई 2022 से 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया गया था। यह जून 2013 के बाद से सबसे कम है, जब यह 8 प्रतिशत था। 13 अगस्त 2013 को इसे बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया; 6 जुलाई 2019 को 12.88 प्रतिशत; 2 फरवरी 2021 को घटाकर 10.75 प्रतिशत; और 1 जुलाई 2022 को इसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया।

आइए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में पिछले एक दशक के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत पर एक नजर डालते हैं। 2013 में यह 54.78 रुपये प्रति डॉलर था, लेकिन 2019 में गिरकर 72.15 रुपये, 2021 में 75.45 रुपये, 2022 में 81.62 रुपये और 17 दिसंबर 2024 को सुबह के कारोबार में 84.93 रुपये पर आ गया, तथा 18 दिसम्बर को 85.17 रुपये के ऐतिहासिक स्तर तक नीचे गिर गया।

सोने पर आयात शुल्क कम करते समय सरकार की ओर से कहा गया था कि इससे सोने की कीमतें कम होंगी और आम लोगों के लिए सोना अधिक किफायती हो जायेगा, जिससे घरेलू मांग और निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ, बावजूद इसके कि सोने की कीमतों में शुरुआती 9 फीसदी की गिरावट के साथ 74,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से 68,000 रुपये पर आ गयी। कुछ ही हफ्तों में सोने की कीमतें फिर से बढ़ने लगीं और आज यह 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। भारत में 2010 में सोने की कीमत 18,000 रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जो 2018 में बढ़कर 31,391 रुपये, 2019 में 39,108 रुपये, 2020 में 50,151 रुपये, 2022 में 52,670 रुपये और 2023 में 63,820 रुपये हो गयी।

केंद्रीय बजट 2024-25 में सोने पर कुल सीमा शुल्क 15प्रश से घटाकर 6प्रश कर दिया गया था और सोने के डोरे पर 14.35प्रश से घटाकर 5.35प्रश। यह रिकॉर्ड पर सबसे बड़ी कटौती थी। आयात शुल्क में कटौती के अलावा, सरकार ने सोने पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ के लिए होल्डिंग अवधि को भी 36 महीने से घटाकर 24 महीने कर दिया है। दीर्घ अवधि के लाभ की दर भी इंडेक्सेशन के साथ 20 प्रतिशत से घटाकर 12.5 प्रतिशत कर दी गयी। गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड म्यूचुअल फंड को बाहर करने के लिए %निर्दिष्ट म्यूचुअल फंड% की परिभाषा में संशोधन किया गया। 2023-24 के केंद्रीय बजट में, गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड म्यूचुअल फंड को %निर्दिष्ट म्यूचुअल फंड% माना गया और होल्डिंग अवधि की परवाह किए बिना लागू स्लैब-दर पर अल्पकालिक पूंजीगत लाभ के रूप में लाभ पर कर लगाया गया।इसके अलावा, सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के लिए दीर्घ अवधि के पूंजीगत लाभ के लिए निर्दिष्ट अवधि को 36 महीने से घटाकर 12 महीने और गैर-सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के लिए 24 महीने कर दिया गया। यदि 12 महीने से अधिक समय तक रखा जाता है और सूचीबद्ध है, तो गोल्ड ईटीएफ/म्यूचुअल फंड के लिए कर घटाकर 12.5 प्रतिशत की निचली दर कर दिया गया। गैर-सूचीबद्ध गोल्ड म्यूचुअल फंड को भी 24 महीने से अधिक समय तक रखने पर दीर्घकालिक निवेश माना जाना था और 12.5प्रश की निचली दर पर कर लगाया जाना था। केंद्रीय बजट में कहा गया है कि संशोधन 1 अप्रैल 2026 से लागू किया जायेगा।

मौजूदा स्वर्ण नीति विदेशों में सोने की खरीदारी को भी प्रोत्साहित करती है। हालांकि, विदेशों से शुल्क मुक्त सोने की खरीद की सीमाएं हैं। पुरुष यात्री विदेशों से 20 ग्राम शुल्क मुक्त सोना ला सकते हैं। 20 से 50 ग्राम के बीच सोने पर सीमा शुल्क 3 प्रतिशत, 50 से 100 ग्राम पर 6 प्रतिशत और 100 ग्राम से अधिक पर 10 प्रतिशत है।महिला यात्रियों के लिए शुल्क मुक्त सोने की सीमा 40 ग्राम है। 40 से 100 ग्राम के बीच की मात्रा पर 3 प्रतिशत सीमा शुल्क, 100 से 200 ग्राम के बीच 6 प्रतिशत और 200 ग्राम से अधिक पर 10 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाया जाता है। 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए नियम महिलाओं के समान ही हैं।

यात्रियों के लिए 20 ग्राम से कम सोने की छड़ों पर कोई सीमा शुल्क लागू नहीं होता है। 20 से 100 ग्राम के बीच सोने की छड़ों के लिए सीमा शुल्क 3 प्रतिशत है, 1 किलोग्राम सोने की छड़ के लिए यह 10 प्रतिशत है। 100 ग्राम सोने के सिक्के पर सीमा शुल्क 10 प्रतिशत है, और 20 से 100 ग्राम सोने के सिक्कों के लिए यह 10 प्रतिशत है। 10 ग्राम से कम सोने के सिक्के पर कोई शुल्क लागू नहीं है।

भारत में सोने की खरीद पर 3 प्रतिशत जीएसटी, आयात शुल्क और सीमा शुल्क लागू होते हैं, जिससे खरीद महंगी हो जाती है, जिससे उपभोक्ता व्यवहार और निवेश निर्णय प्रभावित होते हैं। इसलिए अमीर लोग बहुत बड़ी मात्रा में सोना आयात कर रहे हैं, जिससे रुपया कमजोर हो रहा है और व्यापार घाटा बढ़ रहा है। ऐसा लगता है कि उन्हें भारत के आम लोगों की कोई चिंता नहीं है। सोने का ऐसा बेलगाम आयात अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक है।

# शरबती आंखों की कैसे करें सुरक्षा

**आधुनिकता के बढ़ते दौर के कारण आज रोज-मर्रा की जिंदगी में कई मशीनों ने जगह बना ली है और इन सबमें सबसे आम है कम्प्यूटर। आज अधिकांश लोग दिन के 24 घंटों में से 10-12 घंटे कम्प्यूटर के सामने ही बिता रहे हैं।**

**दिनभर** ऑफिस में काम करते हुए तो कम्प्यूटर स्क्रीन आंखों के सामने रहती ही है और घर में इसका स्थान टीवी ले लेती है। ऑफिस जाने वाले लोगों की तो मजबूरी है कि उन्हें इतने समय कम्प्यूटर पर काम करना पड़ता है क्योंकि आज अधिकांश कार्यालयों में बिना कम्प्यूटर के काम ही नहीं होता, लेकिन स्कूल, कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के लिए तो यह इतना अहम हो गया है कि इसके बिना वे अपने आप को असहाय महसूस करने लगते हैं। अगर वे कम्प्यूटर से हटते तो मोबाइल में लग जाते।

स्वभाविक सी बात है कि इतना समय कम्प्यूटर, टीवी, मोबाइल के सामने बिताना आपकी आंखों के लिए अच्छा नहीं है। आपकी आंखों पर इसका बुरा असर पड़ना लाजमी है। लेकिन अपनी आदतों में सुधार कर आप आंखों को इसके प्रभावों से बचा सकते हैं। नीचे दिए कुछ उपयोगी टिप्स अपनाएं और आंखों को स्वस्थ रखें।

- आपकी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है कि आपके कम्प्यूटर की जमावट सही हो। मॉनीटर, कीबोर्ड का सही जगह होना बेहद जरूरी है। ध्यान रहे मॉनीटर की आपकी आंखों से दूरी एक हाथ बराबर हो और वह आंखों के लेवल से 20 डिग्री नीचे हो। कीबोर्ड भी ऐसी जगह होना जाहिए जहां आपको टाइप करने में कोई भी दुविधा न हो।
- आप जहां बैठे हैं उस कमरे का प्रकाश फैला हुआ होना चाहिए। आपके सिस्टम पर प्रकाश सीधे नहीं पड़ना चाहिए। अपने सिस्टम के कलर, कंट्रास और ब्राइटनेस को अपने अनुसार सेट करें जो आपकी आंखों के लिए सहज हो।
- आप अपने चश्मे के लेंस पर एंटी-रिफ्लेक्टिव पर्त लगवा सकते हैं जो आपकी आंखों को कम्प्यूटर से निकलने वाली हानिकारक किरणों से बचाएगा। इसके अलावा आप आंखों के डॉक्टर से कन्सल्ट कर एक खास चश्मा बनवा सकते हैं जो विशेषकर उन लोगों के लिए बनाया जाता है जो कम्प्यूटर का अधिक इस्तेमाल करते हैं।
- हमेशा 20-20-20 नियम याद रखें। इन तीन स्टेप्स को अपनाकर आप आंखों की हिफाजत बखूबी कर सकते हैं।
- कम्प्यूटर पर काम करते हुए हर 20 मिनिट बाद अपने सिर को घुमाएं और ऐसी किसी वस्तु पर नजर डालें जो कम से कम आप से 20 फीट दूर हो। ऐसा करने से आपकी आंखों की फोकस दूरी बदलेगी जो आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करेगी।
- छोटा-सा ब्रेक लें और उसमें अपनी पलकों को लगातार 20 बार झपकाए। ऐसा करने से आंखों की नमी बरकरार रहेगी।
- एक ही पोजीशन में बैठे रहने से अच्छा है कि आप हर 20 मिनिट में उठकर 20 कदम चलें। ऐसा करना आपकी आंखों के साथ-साथ पूरे शरीर के लिए लाभप्रद है। इससे आपके पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह आसानी से होगा। अन्यथा एक ही जगह बैठे रहने से रक्त प्रवाह में रुकावट आ जाती है।
- हम औसतन एक मिनिट में 12 बार पलक झपकाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है जब हम कम्प्यूटर पर काम करते हैं तो एक मिनिट में सिर्फ 5 बार ही पलकें झपकती हैं। जिस कारण हमारी आंखों की नमी कम हो जाती है। और यही कमी हमारी असहजता का कारण बन जाती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप पलक झपकाना न भूलें और आंखों को नम बनाए रखने के लिए जेल या कृत्रिम आंसुओं का उपयोग करें।
- काम करते समय हमेशा तनकर बैठे ताकि आपका मेरूदंड सीधा रहे। अपनी हथेलियां आपस में तब तक रगड़ें जब तक कि वे थोड़ी गर्म न हो जाएं। हथेलियों की यह गर्माहट आपक?ी थकी हुई आंखों को आराम पहुंचाएगी। अपनी इन गर्म हथेलियों को हल्के से आंखों पर रखें और 60 सेकेण्ड तक आराम करें। अपने मन में ये 60 सेकेण्ड गिनें और जब भी आपकी आंखे थक जाएं तब कम से कम दो से तीन बार इस एक्सरसाइज को करें।
- ब्रेक के दौरान अपने चेहरे और आंखों को सादे पानी से धोएं। ऐसा करने से आप फ्रेश फील करेंगे।
- सुबह ऑफिस आने से पहले उपयोग किए गए दो टी-बैग्स फ्रिज में रखना न भूलें और जब आप घर जाएं तो इन टी-बैग्स को आंखों पर कुछ मिनिटों के लिए रखें। यह आपकी थकी हुई आंखों को आराम देने के साथ-साथ उनकी सूजन भी कम करेगा।
- आंखों को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है उचित खान-पान। अपने रोजाना के खाने में विटामिन ए, सी और ई से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर, चिकन और दुग्ध उत्पादों को भी अपने आहार में शामिल करें। अगर आप अपनी आंखों को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपनाने के साथ समय-समय पर आंखों की जांच कराना न भूलें।

# सर्द मौसम में महिलाएं रखें सावधानी

**बदलते** मौसम का अर्थ ढेरों बीमारियों को बुलावा। ऐसे में महिलाओं को अपना विशेष ध्यान रखना होता है। महिलाओं को कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बीमारी उन्हें जब तक पूरी तरह से न पकड़ ले, वे चिकित्सक के पास जाना पसंद नहीं करती हैं। लापरवाही के कारण कभी-कभी बीमारियां इतनी गंभीर हो जाती हैं कि इलाज असंभव हो जाता है। पहले महिलाएं अज्ञानता के चलते ऐसा करती थीं। आज महिलाएं शिक्षित और समझदार हैं लेकिन आज भी सिर्फ ध्यान न देने की वजह से बीमारियां ने गंभीर रूप ले लेती हैं। महिलाओं को चाहिए कि अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें और समय-समय पर डॉक्टरी परामर्श लेते रहें। * व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें। व्यायाम ज्यादा पकाऊ न हो, इसके लिए रोज कुछ नया करने का प्रयास करें। जैसे सोमवार को सैर, मंगलवार को योग, बुधवार को एक्सरसाइज आदि। *व्यायाम करते समय अपनी पसंद का म्यूजिक सुनना बहुत जरूरी होता है। इससे मन प्रसन्न होता है, और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। * खाने में हरी सब्जी, फल, सलाद और जूस का नियमित सेवन करें। तेल-घी का ज्यादा उपयोग न करें। महिलाएं एक गिलास दूध प्रतिदिन पिएं। कैल्शियम और सोयायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। * बदलते मौसम में मॉइश्चराइजर का उपयोग करें। त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए एलोवेरा का उपयोग भी कर सकते हैं। दिनभर में लगभग 18 से 20 गिलास पानी पीने से आधी से ज्यादा बीमारियां दूर रहती हैं। * विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट दवाइयों का सेवन करें। महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर और बच्चादानी के कैंसर की समय-समय पर जांच कराती रहें। साथ ही अन्य चेकअप भी कराती रहें। * जो भी खाएं और पकाएं, हमेशा धोकर खाएं। कफ कोल्ड वाले इंसानों से दूर रहें। जितना हो सके बीमारियों से बचकर रहें।

# ठंड से बचाएं अपने नन्हे से दिल को

**जाड़े** की दस्तक के साथ ही मौज-मस्ती का सिलसिला शुरू हो रहा है। क्रिसमस से लेकर पूरे जनवरी महीने तक बेफिक्री का आलम रहेगा। रंग में भंग डालने की मेरी कोई मंशा नहीं है लेकिन मौज-मस्ती के अपने धांसू आइडिया के साथ अपने दिल की खैरियत के खयाल की गठरी भी बांध लें तो बेहतर होगा। इस दौरान दिल की तरफ से बेतकल्लुफ हो जाना खतरे से खाली नहीं है। ब्रिटेन के चर्चित कवि टीएस इलियट की तर्ज पर कहें तो दिल की परवाह नहीं की तो ये महीने सबसे निर्दयी साबित हो सकते हैं। खाने-पीने का दौर ही नहीं, जाड़े की ठिठुरन भी घातक साबित होती है। सीधे कहें तो इन महीनों में दिल के दौरे का खतरा बहुत बढ़ जाता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग तो खास खयाल रखें। हृदय रोगों के लिए ये महीने सबसे घातक होते हैं। ठंडे मौसम का हृदय रोगों से गहरा संबंध होता है। हृदय एवं रक्त संचार कई तरह से प्रभावित होते हैं। गाढ़ा हो जाने से रक्त का लसलसापन बढ़ जाता है। पतली रक्त नलिकाएं और संकरी हो जाती हैं। इससे रक्त का दबाव बढ़ जाता है, दिल की धड़कन बढ़ जाती है। यह स्थिति दिल के मरीजों के लिए तो ठीक नहीं ही है, उनके दिलों के लिए भी घातक हैं जो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा एवं कोलेस्ट्रॉल जैसे जोखिम कारकों से लैस हैं। इस मौसम में श्वसन से संबंधित बीमारियां होती हैं जो दिल पर बुरा असर डालती हैं।

जाड़े में लोग शराब का अधिक सेवन करते हैं। उच्च रक्तचाप एवं खून को पतला करने सहित अन्य जरूरी दवाइयों से बचते हैं। मस्ती के दौरान उन लक्षणों को गंभीरता से नहीं लेते जो दिल के दौरे की तरफ इंगित करते हैं। छाती के दर्द तक को गैस या अपच के कारण हुआ समझने की भूल करते हैं। जाड़े में अधिक समय तक ठंड में रहने और खुली जगह में शारीरिक मेहनत करने से बचें तभी आपके दिल की गर्मजोशी बरकार रहेगी।

# आहार जो दे आपको सर्दियों में गर्मी

**सर्दी को** हमारे यहां सेहत बनाने का मौसम माना जाता है। खूब सारे फल आते हैं, पाचन-शक्ति अच्छी होती है और खूब भूख भी लगती है। कहा जाता है कि इस मौसम में पत्थर भी पचाए जा सकते हैं। ऐसे में जो लोग जिम जाकर बॉडी बनाना चाहते हैं, उनके लिए भी यह मौसम बड़े काम का है।

इस मौसम में स्वस्थ रहने और सर्दी से बचने के लिए बाहरी उपायों के अतिरिक्त हमारे यहां खान-पान पर भी जोर दिया जाता है। इस मौसम में सर्दी-जुकाम होने की आशंका ज्यादा रहती है, ऐसे में अपने शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए एक्सपर्ट अपने खाने में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स को शामिल करने का सुझाव देते हैं। ठंड के मौसम में अपने खाने में आंवले को शामिल करें। सीधे नहीं खा सकते हैं तो या तो मुरब्बे के तौर पर या फिर किसी और तरह से हर दिन के खान-पान में इस्तेमाल करें। यदि आप डाइट चार्ट का पालन कर रहे हैं तो फिर आंवला मुरब्बा लेने की बजाय किसी और रूप में लें। इसके साथ ही अजवाइन भी शरीर को गर्मी देने का अच्छा स्रोत है। इससे भी आप कोल्ड एंड फ्लू से बचाव कर सकते हैं। गुड़ और शहद भी सर्दियों के दिनों में अच्छा माना जाता है। तिल्ली और गुड़ के लड्डू सर्दी से बचाव के लिए बेहतरीन उपाय माना जाता है। ठंड के मौसम में सूखे मेवे, बादाम आदि का सेवन भी लाभदायक होता है। या तो इन्हें भिगोकर खाएं या दूध में मिलाकर या फिर सूखे मेवों का दरदरा पावडर-सा बना लें और इसे दूध में मिलाकर प्रोटीन शेक-सा बना लें। पारंपरिक तौर पर सर्दियों के लिए मेवे के लड्डू बनाए जाते हैं। आटे, बेसन या फिर उड़द या मूंग की दाल के आटे से लड्डू बनाए जाते हैं। गुजरात में उड़द की दाल के आटे से बने लड्डुओं को अड़दिया कहा जाता है, जबकि पंजाब में इन्हें दाल की पिन्नियों के नाम से जाना जाता है। डाइट एक्सपर्ट यह मानते हैं कि सर्दियों में देशी घी का उपयोग किया जाना चाहिए। यदि आप किसी डाइट चार्ट को फालो नहीं कर रहे हैं तो घी इस मौसम में अच्छा रोग प्रतिरोधक माना जाता है। यदि आप शक्कर और घी से परहेज करते हैं तो मौसमी फलों का सेवन करें। ताजी सब्जियों और मौसम के फलों के साथ गर्म दूध भी सर्दियों के लिए अच्छा माना जाता है।

# सूर्य-किरण थेरेपी क्या है?

**वैज्ञानिकों** की मान्यता है कि विविध रंगों का मानव के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ता है और प्रत्येक रंग के अपने विशेष आरोग्यकारक गुण होते है। रंग असंतुलन अर्थात रंगों की कमी या अधिकता के कारण मनुष्य के शरीर में कई प्रकार के रोग उत्पन्न हो जाते हैं। सामान्य रूप से देखने पर सूर्य का प्रकाश सफेद ही दिखाई देता है पर वास्तव में वह सात रंगों का मिश्रण होता है। कांच के त्रिपार्श्व से सूर्य की किरणों को गुजारने पर दूसरी ओर इन सात रंगों को स्पष्ट देखा जा सकता है। किसी विशेष रंग की कांच की बोतल में साधारण पानी, चीनी, मिश्री, घी, ग्लिसरीन आदि तीन-चौथाई भरकर सूर्य की किरणें दिखाने से या धूप में रखने से उस कांच द्वारा सूर्य के प्रकाश से उसी रंग की किरणों को ग्रहण किया जाता है और उसी रंग का तत्व और गुण पानी आदि वस्तु में उत्पन्न हो जाता है और वह सूर्यतप्त (सूर्य किरणों द्वारा चार्ज की गई वस्तु रोग-निवारण गुणों और स्वास्थ्यवर्धक तत्वों से युक्त हो जाती है। इन सूर्यतापित वस्तुओं के उचित भीतरी और बाहरी प्रयोग से मनुष्य के शरीर में रंगों का संतुलन कायम रखा जा सकता है और अनेक प्रकार के रोगों को सहज ही दूर किया जा सकता है। यही सूर्य किरण चिकित्सा है। सूर्य की किरणों में सर्वरोगनाशक अद्भुत शक्ति है, यह बात हमारे ऋषि-मनीषी हजारों साल पहले अच्छी तरह जानते थे, परन्तु आधुनिक युग में सूर्य किरण चिकित्सा और रंग-चिकित्सा का अनुसंधान और विकास कार्य विदेशों में हुआ। अब सूर्य-किरण-चिकित्सा भारत में भी निरंतर लोकप्रिय होती जा रही है।

# प्रेसबायोपिया: अपनी उम्र को आंखों की रोशनी के कमजोर होने का कारण न बनने दें

प्रेसबायोपिया या लेंस के सामंजस्य की क्षमता का खत्म हो जाना उम्र के साथ होने वाला सामान्य परिवर्तन है, जोकि लोगों को 40 की उम्र के बाद प्रभावित करता है हालांकि, मोबाइल फोन और इसी तरह के गैजेट्स का प्रयोग करने से कई बार अब यह उम्र से पहले ही नजर आने लगा है। यह नजदीक में केंद्रित कर पाने को कठिन बना देता है, खासकर छोटे अक्षरों और कम रोशनी में। शुरुआती चरण में व्यक्ति फोन या किताब को कुछ दूर तक रख सकता है लेकिन कुछ स्थितियों में, यहां तक कि लंबे हाथों वाले व्यक्ति भी लंबे समय तक मेन्यू के छोटे अक्षरों को नहीं पढ़ सकते। साथ ही, नजदीक का काम करने जैसे कढ़ाई या हाथों से लिखने पर उन लोगों को सिरदर्द, आंखों पर दबाव या थकान महसूस हो सकती है। और इसके बाद यह वह स्थिति होती है जब लोगों को मदद की या फिर नेत्ररोग विशेषज्ञ से मिलने की आवश्यकता हो जाती है।

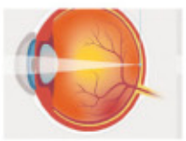

## प्रेसबायोपिया का क्या होता है कारण?

जब हम बूढ़े हो जाते हैं, तो लगभग सारी चीजें कठोर या कड़ी होने लगती हैं और हमारी आंखें भी अपवाद नहीं हैं। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, आंखों के लेंस कड़े होने लगते हैं और वे अपना लचीलापन खोने लगता है। इसके परिणामस्वरूप नजदीक की चीजों पर केंद्रित या फोकस करने की क्षमता धीरे-धीरे बिगड़ती चली जाती है, जो प्रेसबायोपिया कहलाता है।

## जांच

आपके नेत्ररोग विशेषज्ञ प्रेसबायोपिया की जांच आंखों के विस्तृत परीक्षण के रूप में कर सकते हैं। इसके साथ ही आंखों की अन्य समस्याओं के लिए वे आपके प्रेसबायोपिया की गंभीरता की जांच प्रमाणिक दृष्टि परीक्षण का प्रयोग करके करेंगे।

## प्रेसबायोपिया का इलाज

प्रेसबायोपिया को ठीक करने के लिए कोई भी बेहतर तरीका नहीं है। इसमें सुधार का सबसे सही तरीका आपकी आंखों और आपकी जीवनशैली पर निर्भर करता है। आपको अपने नेत्ररोग विशेषज्ञ से अपनी जीवनशैली के बारे में जरूर चर्चा करनी चाहिए, ताकि यह निर्णय लिया जा सके कि कौन-सा सुधार आपके लिए सबसे अधिक उपयुक्त हो सकता है।

## चश्मा

बायफोकल या प्रोग्रेसिव लेंस के साथ वाले चश्मे प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए सबसे आम होते हैं। बायफोकल का मतलब है, जिसमें दो फोकस होते हैं: चश्मे के लेंस का प्रमुख भाग दूरदृष्टि दोष के सुधार के लिए होता है, जबकि लेंस का निचला हिस्सा निकट दृष्टि दोष की अत्यधिक परेशानी में निकट का काम करने के लिए होता है।

## कॉन्टैक्ट लेंस

प्रेसबायोपिया के लिए मल्टीफोकल कॉन्टैक्ट लेंस या मोनोविजन चुना जा सकता है, जिसमें एक आंख में दूरदृष्टि में सुधार के लिए पहना जाता है और दूसरे को निकट दृष्टिदोष के लिए पहना जाता है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि आपके आंखों की जांच नियमित रूप से होती रहे, खासकर 50 वर्ष की आयु के बाद।

## सर्जरी

प्रेसबायोपिया का उपचार करने के लिए कंडक्टिव कैरेटोप्लास्टी या कॉर्नियल इन-लेज जैसे सर्जरी के विकल्प मौजूद हैं। लेजर का प्रयोग मोनोविजन तैयार करने के लिए किया जा सकता है, जिसमें एक आंख के निकट दृष्टि दोष को ठीक किया जाता है, जबकि दूसरी आंख दूरदृष्टि के लिए मजबूत बनाई जाती है। हाल में प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए आए इंट्राऑक्यूलर लेंस के साथ कुछ लोगों में जो मोतियाबिंद की सर्जरी करवाने जा रहे हैं, हो सकता है ताकि वे सभी प्रकार की दूरी में स्पष्ट देखने में सक्षम हो पाएं।

## लक्षण

प्रेसबायोपिया धीरे-धीरे विकसित होता है। आप इसके संकेतों और लक्षणों को सबसे पहले 40 वर्ष की आयु के आस-पास देख सकते हैं। अक्षर स्पष्ट नजर आएं इसके लिए पाठ्य सामग्री दूर पकड़कर रखने की आदत।

- डॉ शारदिनी व्यास

# लिपस्टिक खरीदते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

आपके पास अगर मेकअप करने का ज्यादा टाइम नहीं बचा है, ता आप काजल और लिपस्टिक लगाकर भी अपना लुक कम्पलीट कर सकती हैं। बस, लिपस्टिक लगाते वक्त आपको ख्याल रखना है कि आपके स्किन टोन और कपड़ों से मैच करती हुई लिपस्टिक ही लगाएं। लिपस्टिक खरीदते वक्त ये बातें आपको सही शॉपिंग में मदद करेंगी।

## जानें चेहरे के हिसाब से कैसे चुनें शेड

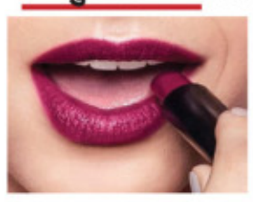

## रेड

रेड क्लासिक ब्राइडल कलर है। यह बोल्ड भी है और स्टाइलिश भी। अगर आपने हेवी आई मेकअप नहीं किया है तो आप बोल्ड रेज लिपस्टिक ट्राई कर सकती हैं।

## न्यूड

न्यूड लिपस्टिक आपको क्लासिक लुक देगा। फेयर स्किन टोन पर यह काफी सूट करते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहती हैं कि आपका आई मेकअप और ड्रेस ज्यादा हाइलाइट हों तो आप न्यूड लिपस्टिक ही चुनें।

## पिंक

मीडियम स्किन टोन पर पिंक लिपस्टिक जचती है। यह आपके लुक को एक रोमांटिक टच देता है। पिंक में भी कई तरह के शेड्स अवेलेबल हैं जिनमें से आप अपनी पसंद की लिपस्टिक चुन सकती हैं।

# लिपस्टिक पैटर्न का भी रखें खास ख्याल

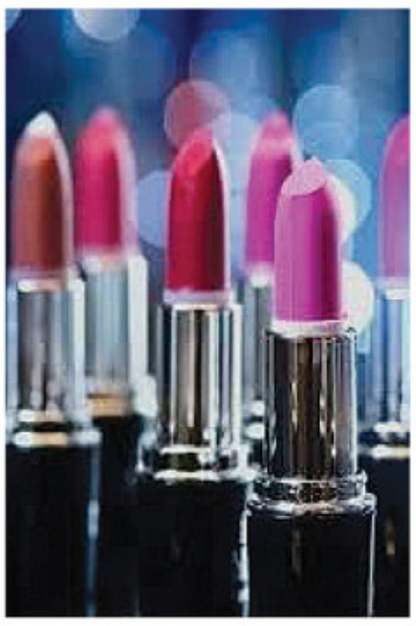

मैट आपको ड्रैमेटिक और बोल्ड अपियरेंस देता है। अगर आपको पाउट वाले फोटोज खिंचाना पसंद है तो आपको मैट लिपस्टिक ही यूज करें। अगर आपके ड्राई लिप्स हैं तो ग्लॉस का इस्तेमाल करें। अगर आप किसी तरह के फ्लॉ से बचना चाहती हैं तो भी ग्लॉस आपके लिए सही ऑप्शन है।

## लिप साइज

सही लिपस्टिक चुनने में लिप का साइज भी अहम है। अगर आपके होंठ पतले हैं तो आपको डार्क कलर्स से बचना चाहिए। वहीं बड़े होठों पर डार्क कलर्स आपके मेकअप में चार चांद लगा देंगे।

आप लिपस्टिक के कई शेड और पैटर्न अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा से भी खरीद सकते हैं। यहां कई बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हैं।

## चना साग

### सामग्री

■ चने का साग- 250 ग्राम ■ पालक- 250 ग्राम ■ मेथी के पत्ते- 100 ग्राम ■ मूंग की दाल- 250 ग्राम (बिना छिलके वाली) ■ लहसुन- 5-6 कलियां ■ अदरक- आधा इंच टुकड़ा (कद्दूकस किया) ■ हरी मिर्च- 2 (कटी हुई) ■ हींग- चुटकीभर ■ मक्के का आटा- 2 टेबलस्पून ■ हरी धनिया- बारीक कटी हुई ■ बटर- 1 टीस्पून ■ साबुत लाल मिर्च- 2 ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- 2 टेबलस्पून

### विधि

चने के पत्तों को अच्छे से धोने के बाद काट लें। एक बाउल में मक्के का आटा और पानी मिलाकर अच्छे से मिक्स कर पेस्ट बना लें। फिर एक बाउल में मूंग की दाल को पानी में भिगोकर आधा घंटा रख दें। आधे घंटे बाद पानी से छानकर अच्छे से सूखा लें। इसके बाद प्रेशर कुकर में चने का साग, पालक, मेथी के पत्ते, 2 कप पानी, अदरक, हरा धनिया, नमक और मक्के के आटे का पेस्ट डालकर तीन सीटी आने तक पका लें। अब इसे थोड़ा ठंडा होने दें। फिर मेशर की मदद से मैश कर लें। कढ़ाई में तेल गरम करें। तेल जब गर्म हो जाए, तब इसमें जीरा, लहसुन और हरी मिर्च डालकर एक मिनट तक भून लें। फिर इसमें हींग, लाल मिर्च, मूंग की दाल और मैश किया हुआ साग डालकर लगातार चलाते हुए दो मिनट तक भून लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर इसका पानी सुखने तक लगातार चलाते हुए पका लें। फिर इसमें ऊपर से हरा धनिया डालकर मिक्स कर लें और दो मिनट तक पका लें। इसे सर्विंग बाउल में निकालें और ऊपर से बटर डालकर गरमा गरम रोटी के साथ सर्व करें।

## मटर कोफ्ते

### सामग्री

■ 1 कप मटर के दाने ■ 2 उबले आलू ■ 1 टीस्पून अरारोट या बेसन ■ 1 टुकड़ा कसा हुआ अदरक ■ 1-2 हरी मिर्च ■ नमक स्वादानुसार। ■ 3 मध्यम आकार के टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ 1 इंच टुकड़ा अदरक ■ 2 टीस्पून तेल या घी ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 2 टीस्पून मलाई ■ लाल मिर्च ■ 1/2 टीस्पून गर्म मसाला ■ बारीक कटा हरा धनिया।

### विधि

मटर को उबाल कर दरदरा पीस लें। आलू मैश करें। कोफ्ते की सारी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ी सामग्री अलग करें और बाकी सामग्री से नींबू के आकार के गोले बनाकर तैयार कर लें। कोफ्तों को ब्राउन होने तक तलकर अलग रखें।

**ग्रेवी के लिए:** टमाटर, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट बना लें। फ्राइंगपैन में तेल डालकर जीरा, हल्दी और धनिया पाउडर डालें। अब मसाले का पेस्ट डालें और उसे तेल छोड़ने तक भूनें। मसाले में मलाई डालकर 2 मिनट भूनें। नमक, लाल मिर्च, गर्म मसाला डालें। ग्रेवी को जितना गाढ़ा करना चाहती हैं, उतना ही पानी डालें। उबाल आने के बाद 2 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी में कोफ्ते डालकर 2 मिनट ढककर रख दें। बारीक कटे हुए धनिये से गार्निश करें। चावल या रोटी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन है। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

**मकर** (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

## काकुरो पहेली - 2684

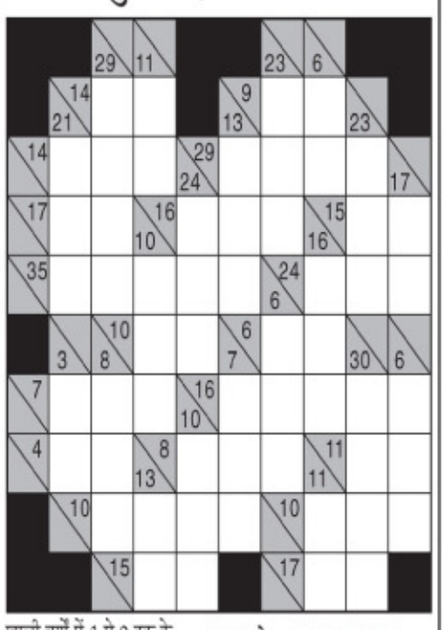

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

### काकुरो - 2683 का हल

## हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा-'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला-'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे. आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला - 'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

□ □ □

एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुँह मांगा दाम दूँगा.' यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए. बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

□ □ □

जज-'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

चोर-'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

## फिल्म वर्ग पहेली- 2684

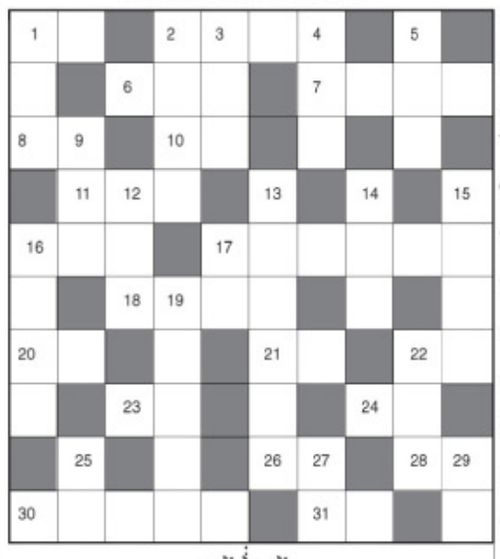

**बायें से दायें:-**

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था ?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था ?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान, रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी ?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली - 2683

## सूडोकु -2684

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 8 | 5 | | | | | | |
| 3 | | | | | | | | |
| | | | 6 | | | 7 | 4 | |
| 6 | | | 2 | | 4 | | | |
| 1 | | | | | | | | 8 |
| | | | 7 | | 5 | | | 3 |
| | 4 | 7 | | | 1 | | | |
| | | | | | | | | 6 |
| | | | | | | 5 | 2 | |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -2683 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 3 | 9 | 2 | 6 | 8 | 5 | 1 | 7 |
| 8 | 1 | 6 | 7 | 4 | 5 | 9 | 2 | 3 |
| 7 | 5 | 2 | 3 | 9 | 1 | 6 | 4 | 8 |
| 1 | 7 | 5 | 4 | 2 | 6 | 8 | 3 | 9 |
| 6 | 4 | 3 | 8 | 5 | 9 | 2 | 7 | 1 |
| 2 | 9 | 8 | 1 | 7 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 5 | 2 | 1 | 6 | 8 | 7 | 3 | 9 | 4 |
| 9 | 8 | 7 | 5 | 3 | 4 | 1 | 6 | 2 |
| 3 | 6 | 4 | 9 | 1 | 2 | 7 | 8 | 5 |

## शब्द पहेली - 2684

**बाएँ से दाएँ**

1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लड़का-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.बीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

**ऊपर से नीचे**

1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ऋतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाडी-2
39.पत्नी की बहन-2

### शब्द पहेली -2683 का हल

## राष्ट्रीय खेलों में योग और उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से दोहरी खुशी

एजेंसी

**देहरादून।** उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने योग और मलखंब को राष्ट्रीय खेलों में शामिल किए जाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड के लिए यह दोहरी खुशी का आधार बना है। पहली बार राज्य में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी मिलने के साथ ही इसमें योग और मलखंब का शामिल किया जाना उत्तराखंड को एक विशिष्ट पहचान और विकास के अनेक अवसर उपलब्ध कराएगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के साथ ही नरेन्द्र मोदी ने योग को वैश्विक रूप से पहचान दिलाई और अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में एक नई शुरूआत हुई। इसके साथ ही योग को ओलंपिक खेलों में शामिल कराने के लिए मोदी सरकार ने एक अभियान चलाया है। कई मंचों पर भारत अपनी इस मांग को प्रभावशाली ढंग से उठा चुका है। इसी अभियान के तहत 38वें राष्ट्रीय खेलों में योग को शामिल किया गया है। इसके दूरगामी परिणाम होंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार प्रयासरत है कि अगले ओलंपिक खेलों में योग को प्रारंभिक तौर पर शामिल कर लिया जाए। इसके बाद वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों में योग को एक मेडल गेम के रूप में मान्यता मिल सकेगी। इसकी पहल के रूप में उत्तराखंड में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेल में योग औपचारिक तौर पर शामिल कर लिया गया है।

## दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे 2026 तक पूरा बनकर हो जाएगा तैयारः हर्ष मल्होत्रा

**नई दिल्ली।** दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे (डीएमई) पूरी तरह से साल 2026 तक बनकर तैयार हो जाएगा। यह जानकारी केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने परिवहन भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान दी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि यह विलंब कुछ तकनीकी अड़चनों के आ जाने की वजह से हो रहा है। इस परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य जनवरी 2023 तय किया गया था लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह समय सीमा कई बार बढ़ाई गई। देरी होने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि काम चल रहा है और यह जल्दी पूरा हो जाएगा। एक्सप्रेसवे के लिए किसानों तथा अन्य लोगों से जमीन का अधिग्रहण किया जाता है, जिसमें कई बार तकनीकी और व्यावहारिक अड़चन आ जाती है। इसके कारण इस तरह की लम्बी दूरी की सड़कों का निर्माण समय पर पूरा करने में विलंब हो जाता है। इस प्रक्रिया में कई राज्य सरकारें शामिल हैं और भूमि अधिग्रहण राज्य का मामला है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की आधारशिला मार्च 2019 में रखी गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा के सोहना और राजस्थान के दौसा के बीच पहले खंड का उद्घाटन फरवरी 2023 में किया था। यह भी संयोग ही है कि इसी सप्ताह राजस्थान में भजनलाल शर्मा (भाजपा) सरकार के एक साल पूरा होने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के एक और खंड का उद्घाटन किया है।

## भारत बन रहा है विश्व की नवीकरणीय ऊर्जा राजधानीः प्रल्हाद जोशी

**कोलकाता।** केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत न केवल ऊर्जा क्रांति का साक्षी बन रहा है, बल्कि विश्व की नवीकरणीय ऊर्जा राजधानी बनने की ओर अग्रसर है। वह यहां 21वें यंग इंडियन नेशनल समिट-टेक प्राइड-2024 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व के सबसे उभरते देशों में से एक बन चुका है। प्रल्हाद जोशी ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के कदमों को न केवल पूरी दुनिया बारीकी से देख रही है, बल्कि कई देश इसे अपनाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत ने लगभग 15 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी है, जो पिछले वर्ष के 7.54 गीगावॉट के आंकड़े से लगभग दोगुनी है। साथ ही, भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा क्षेत्र में कुल स्थापित क्षमता 214 गीगावॉट तक पहुंच गई है, जो पिछले साल की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। 2030 तक 500 गीगावॉट लक्ष्य का संकल्प जोशी ने दोहराया कि केंद्र सरकार 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित 500 गीगावॉट क्षमता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि भारत जी-20 का एकमात्र ऐसा देश है जिसने 2015 में पेरिस जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में तय किए गए सतत विकास लक्ष्यों को समय सीमा से पहले ही पूरा कर लिया है। मंत्री ने कहा कि भारत के ऊर्जा क्षेत्र का यह परिवर्तन 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य से गहराई से जुड़ा हुआ है।

## छत्तीसगढ़ में एनआईए ने कई संदिग्धों से कुछ सामान और दस्तावेज किए बरामद

**बीजापुर।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में एनआईए ने कई संदिग्धों से कुछ सामान और दस्तावेजों के बरामद किया है। एनआईए ने बीजापुर जिले में तीन अलग-अलग जगहों पर एनआईए ने छापा मारा था। एनआईए को सूचना मिली थी कि कुछ लोगों का नक्सलियों से संबध हैं, इसी सिलसिले में उन संदिग्धों से पूछताछ की गई। एनआईए टीम के पूछताछ के दौरान कुछ सामान और दस्तावेजों के बरामद किए जाने की भी खबर है। सूत्र बताते हैं कि एनआईए की टीम ने गुरुवार सुबह 5 बजे जिले के भैरमगढ़, तर्रेम और आवापल्ली सहित एक अन्य जगह पर दबिश दी थी। यहां नक्सल मामलों से जुड़े संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी की गई, वहीं संदिग्धों से पूछताछ भी की गई है। एनआईए की टीम ने वहां दबिश दी, जहां से नक्सलियों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से मदद पहुंचाई जाती रही है।

# कुंदरकी और कटेहरी में जीत सकते हैं तो कोई भी चुनाव जीता जा सकता है : सीएम योगी

एजेंसी

**अयोध्या।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। यहां सीएम योगी ने श्री रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन के बाद धार्मिक अनुष्ठान पंच नारायण महायज्ञ में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरयू अतिथि भवन में लगभग डेढ़ घंटे तक अयोध्या के विकास और मिल्कीपुर उपचुनाव के साथ ही महाकुंभ और श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर गहन विचार-विमर्श किया। सीएम योगी ने महाकुंभ-2025 को लेकर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उचित व्यवस्था का निर्देश दिया। सीएम ने मिल्कीपुर उपचुनाव को

लेकर बीजेपी पदाधिकारियों और स्थानीय नेताओं के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की। सीएम योगी मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर गंभीर हैं। इसी के मद्देनजर उन्होंने यहां सरकार के मंत्रियों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ मिल्कीपुर चुनाव में अब तक की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने मंडल प्रभारी से लेकर अन्य पदाधिकारियों से चुनाव के संदर्भ में प्रश्न पूछे। सीएम योगी ने पार्टी पदाधिकारियों को चुनाव में विजय का मंत्र भी दिया। पदाधिकारियों में उत्साह का संचार करते हुए सीएम योगी ने कहा कि जब कुंदरकी व कटेहरी का चुनाव जीत सकते हैं तो कोई भी चुनाव जीता जा सकता है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने बूथ मैनेजमेंट व पार्टी से जुड़े पदाधिकारियों को सक्रिय करने पर जोर दिया। उन्होंने पदाधिकारियों से चुनाव जीतने की बेहतर रणनीति साझा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता है। इसलिए पदाधिकारी अपने पूरे सामर्थ्य से परिश्रम करें। मतदाता सूची पर उन्होंने विशेष रूप से फोकस करते हुए कहा कि भाजपा के मतदाताओं को चिन्हित करके चुनाव के लिए बूथ के पदाधिकारी इन वोटरों का शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करें। इसके लिए संपर्क व संवाद की प्रक्रिया लगातार चलाते रहें। सभी मोर्चों के सम्मेलन आयोजित किए जाएं। सम्मेलनों के माध्यम से पार्टी की विचारधारा के पक्ष में वातावरण का निर्माण किया जाए व कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जाए। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 को दिव्य और भव्य बनाने के लिए योगी सरकार प्रतिबद्ध है। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक और एकता के प्रतीक इस मेले में करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

## परभणी में मृतक सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवार ने कहा- भीख नहीं, न्याय दो

एजेंसी

**मुंबई।** परभणी में न्यायिक कस्टडी के मृत सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवार ने आज राज्य सरकार की ओर से घोषित 10 लाख की मदद को लेने से इनकार कर दिया है। इस घटना में मृत सोमनाथ सूर्यवंशी के भाई प्रेमनाथ सूर्यनाथ सूर्यवंशी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने विधानसभा में गलत जानकारी दी है।

उनके भाई को कोई बीमारी नहीं थी, फिर भी यह बताया गया कि वे सांस की बीमारी से पीड़ित थे। इससे उनके भाई का अपमान हुआ है और वे सरकार की ओर से दी गई आर्थिक मदद को ठुकरा रहे हैं। जानकारी के अनुसार सोमनाथ सूर्यवंशी को मौत परभणी में न्यायिक कस्टडी के दौरान हुई थी। इस मामले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज नागपुर में आयोजित विधान सभा के सभागृह में कहा था कि सोमनाथ की मौत मामले की द्विस्तरीय जांच की जाएगी और मृतक परिवार के आश्रितों को दस लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। बता दें कि परभणी में भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा के सामने रखी संविधान की प्रतिकृति के अपमान के बाद आंबेडकर अनुयायियों ने आंदोलन किया था। इस आंदोलन में शामिल 51 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इनमें से गिरफ्तार सोमनाथ सूर्यवंशी की न्यायिक कस्टडी में मौत हो गई थी। इसी मामले पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज नागपुर में विधान सभा में निवेदन किया था और मृतक सोमनाथ सूर्यवंशी के आश्रितों को दस लाख रुपये की आर्थिक मदद की घोषणा की थी लेकिन सोमनाथ सूर्यवंशी के परिजनों ने इस आर्थिक मदद को इनकार कर दिया है।

## संभल में एएसआई की टीम ने नए मिले मंदिर समेत कई स्थानों का किया सर्वेक्षण

एजेंसी

**लखनऊ।** भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम ने उत्तर प्रदेश स्थित संभल का दौरा किया और यहां मिले नए मंदिर, कुएं तथा अन्य जगहों का निरीक्षण किया।

संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि संभल में सर्वेक्षण किया। एएसआई ने आज सुबह से सर्वे शुरू कर दिया था और दोपहर बाद 3.30 बजे काम पूरा कर लिया। उन्होंने नए मिले मंदिर और कुछ तीर्थों का सर्वे किया जिसमें भद्रक आश्रम, स्वर्गदीप और चक्रपाणि आश्रम और श्मशान मंदिर शामिल हैं। चतुर्मुख कूप और मोक्ष कूप समेत 19 कूपों का भी सर्वे किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि अभी नए मिले मंदिर का भी सर्वे किया गया है। चतुर्मुख कूप, मोक्ष कूप समेत जितने भी कूप हैं, उन सबका सर्वे हुआ। हम लोगों ने पहले ही पैमाइश करवा कर रख ली थी, जिससे किसी प्रकार की देरी न हो। टीम आज हो सकता रुके। सर्वे टीम में चार सदस्य थे जिन्होंने 8-10 घंटे में अपना काम पूरा किया। सर्वे टीम के साथ डीएम राजेंद्र पेंसिया भी मौजूद रहे। सुरक्षा को देखते हुए कार्तिकेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात

रही। सीसीटीवी कैमरे लगाकर क्षेत्र की निगरानी की गई। डीएम ने ही मंदिर, कुएं और मूर्तियों की कार्बन डेटिंग के लिए एएसआई को पत्र लिखा था जिसके बाद टीम ने सर्वे किया। टीम को सर्वे के दौरान क्या-क्या मिला है, इसकी अभी रिपोर्ट तैयार की जाएगी और उसके बाद शासन को सौंपी जाएगी।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के संभल में 14 दिसंबर को बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी के दौरान डीएम-एसपी को खग्गू सराय में भगवान शिव का मंदिर मिला था जो कई साल से बंद था। दोनों अधिकारियों ने गेट खुलवाया और मंदिर की सफाई कराई। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि यह मंदिर कई साल पुराना है। इसके बाद यहां एक और मंदिर मिला है जिसकी साफ-सफाई के बाद पूजा-अर्चना शुरू हो गई है।

## पीएम मोदी और सीएम नीतीश की नीति बिहार को विकसित करने कीः विजय कुमार सिन्हा

एजेंसी

**पटना।** बिहार बिजनेस कनेक्ट को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीति को बिहार को विकसित करने की है। दो दिवसीय बिहार बिजनेस कनेक्ट को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा, प्रदेश बढ़ता बिहार, बदलता बिहार और विकसित बिहार की ओर कदम बढ़ा रहा है। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार के अंतर्गत पीएम मोदी और सीएम योगी की नीति बिहार को विकसित करने की है। उन्होंने कहा था कि जब तक बिहार विकसित नहीं होगा, देश पूरे तरीके से विकसित नहीं हो सकता। विजय कुमार सिन्हा ने कहा,सरकार के प्रयासों का परिणाम है कि बिहार में उद्योग के अनुकूल माहौल है। सरकार की बेहतर पॉलिसी है। इसके कारण कुशल कामगार, ऊर्जा और पानी के साथ-साथ सरकार की बेहतर सहयोग नीति काम कर रही है। इन वजहों से 1,80,000 करोड़ रुपये का निवेश होना बदलते बिहार का स्वरूप है।÷ उन्होंने बताया, बिहार भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त राज्य की ओर कदम बढ़ा रहा है। जिन लोगों के चेहरे देखकर निवेशक पलायन कर जाते

थे या भागते थे। अब वैसे लोगों के लौटने की संभावना दूर-दूर तक नहीं है। उल्लेखनीय है कि बिहार की राजधानी पटना में दो दिवसीय बिहार बिजनेस कनेक्टः ग्लोबल इन्वेस्टर समिट की गुरुवार को शुरुआत हुई थी। बिजनेस कनेक्ट के पहले दिन देश के कई उद्योगपति पहुंचे और साथ ही स्टार्टअप करने वाले बिजनेसमैन भी शामिल हुए थे। बिजनेस कनेक्ट के पहले दिन 40 से अधिक कंपनियों ने आईटी क्षेत्र में 4,000 करोड़ रुपये के निवेश की रुचि दिखाई थी। बिहार आईटी नीति-2024 लागू होने के बाद से राज्य में राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर की अधिक से अधिक कंपनियां निवेश को लेकर उत्साहित रही। गुरुवार को पहले दिन जय श्री टेक्नोलॉजीज (हेलोवेयर), सुपरसेवा, एक्सेल डॉट, एबीपीएल सहित कई कंपनियों ने आईटी विभाग के साथ सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

# संजय राउत घर रेकी मामलाः मुंबई पुलिस ने जांच के लिए 8 टीमों का गठन किया

एजेंसी

**मुंबई।** शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत के भांडुप में मैत्री बंगले की दो अज्ञात व्यक्तियों ने शुक्रवार सुबह करीब 9.30 बजे रेकी की, जिसका वीडियो भी सामने आया है। कथित रेकी मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मुंबई पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए कुल 8 टीमों का गठन किया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस पूरे इलाके का फुटेज खंगाल रही है। साथ की आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। पुलिस को अभी तक उन बाइक सवार लोगों की जानकारी नहीं मिल पाई है। हालांकि, इस मामले में अब तक पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की है। पुलिस ने संजय राउत के बंगले की सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह घटना किसी साजिश का हिस्सा हो सकती है। पूरी जांच की जा रही है। बता दें कि रेकी को

लेकर संजय राउत ने भाजपा पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि ये पहली बार नहीं हुआ है। मेरे दिल्ली में घर की रेकी बार-बार होती रही है। मैंने इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मुंबई के भांडुप में मेरे घर की आज सुबह दो लोगों ने रेकी की है। अज्ञात व्यक्ति बाइक पर आए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस चाहते हैं कि जो उनके खिलाफ आवाज उठाएगा उसकी आवाज को दबा देंगे।संजय राउत ने कहा कि मुझे एक मामले में जेल में डाल दिया था, फिर भी में दबा नहीं। अब इस तरीके से अगर मेरी आवाज बंद करना चाहते हैं तो वो भी ना मुमकिन है।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि मुझ पर दबाव बनाने की बहुत कोशिश चल रही है। लेकिन हम संसद या बाहर जो काम करते हैं, वह इसलिए करते हैं कि ताकि देश की साख और लोकतंत्र बचा रहे। संजय राउत ने कहा कि देश ऐसे लोगों के हाथ में नहीं जाना चाहिए, जिससे देश के एक बार फिर टुकड़े हो जाएं। हमारे जैसे लोग देश में संघर्ष कर रहे हैं। हमारी आवाज कोई दबा नहीं सकता। हम कभी नहीं डरते, हम डरते नहीं यह उनका डर है।

## अजमेर दरगाह में मंदिर वाद पर सिविल कोर्ट 24 जनवरी को फिर करेगा सुनवाई

एजेंसी

**अजमेर।** राजस्थान के अजमेर दरगाह में संकट मोचक महादेव मंदिर होने के दावे को लेकर अजमेर के सिविल कोर्ट में दूसरी बार सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 24 जनवरी 2025 को तय की है। कोर्ट में पांच और नए पक्षकार सामने आए। सभी का पक्ष सुना गया। अजमेर दरगाह कमेटी एवं अंजुमन की ओर से पक्ष रखा गया। अदालत ने फिलहाल जो भी प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए हैं वह अपने पास रख लिए हैं। सभी पक्षकारों को 24 जनवरी 2025 को सुनवाई किए जाने की जानकारी दी गई है। इससे पूर्व हिन्दू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता के वकील ने सुबह कोर्ट को कहा था कि अनावश्यक रूप से सभी को पक्षकार नहीं बनाया जाना चाहिए। वहीं अजमेर दरगाह अंजुमन कमेटी के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का अदालत को इंतजार करना चाहिए इससे पहले सुनवाई नहीं की जानी चाहिए। इस दौरान अदालत के समक्ष अंजुमन कमेटी की ओर से सचिव सरवर चिश्ती ने कहा कि अदालत ने 24 जनवरी तारीख दी है। अंजुमन की तरफ से वन टेन की अर्जी लगाई गई है, वहीं दरगाह कमेटी की ओर से सेवन इलेवन की अर्जी लगाई है। अदालत ने सभी अर्जियों को स्वीकार किया है। अब आगे बात 24 जनवरी को होगी। इस दौरान अदालत में काफी गहमा गहमी रही। भारी भीड़ और लोग इस मामले में जिज्ञासा रखे हुए थे। सैयद गुलाम चिश्ती, दीवान साहब के वंशज, अंजुमन, दरगाह कमेटी आदि पक्षकार बने हैं।

# नीमराना-घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान के ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा : मुख्यमंत्री

एजेंसी

**नीमराना।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित हुई राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट प्रदेश की अर्थव्यवस्था और चहुंमुखी विकास में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू हुए हैं। साथ ही, राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेशवासियों को एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी है, जिससे राजस्थान के विकास को गति मिलेगी।शर्मा नीमराना के जापानी जोन में स्थित डाइकिन कम्पनी के सभागार में औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नीमराना

व घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान की अर्थव्यवस्था में ग्रोथ इंजन साबित हो रहे हैं। देश के पहले जापानी जोन नीमराना में 51 जापानी कम्पनियां स्थापित है। जिनके माध्यम से करीब 27 हजार से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल बिजनेस एक्सपो में 7 जापानी कम्पनियों एवं जेट्रो ने जापान पैवेलियन में हिस्सेदारी की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर विशेष जोर है। प्रक्रियाओं और नीतियों को सरल बनाया जा रहा है। हमने 10 नई नीतियां जारी की हैं। औद्योगिक क्षेत्र नीमराना और घीलोठ में होंगे 150 करोड़ रूपये के विकास कार्य मुख्यमंत्री ने कहा कि जापानी कम्पनियों के राजस्थान में निवेश करने के रूझान को देखते हुए दूसरा जापानी जोन घीलोठ में स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि नीमराना और घीलोठ में करीब 150 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्य शीघ्र प्रारम्भ किए जा रहे हैं। इसमें साढ़े तीन करोड़ रुपये की लागत से केसवाना औद्योगिक क्षेत्र में एनएच-48 से केसवाना औद्योगिक क्षेत्र तक 1620 मीटर सीसी सड़क के निर्माण और 90 लाख रुपये की लागत से औद्योगिक क्षेत्र नीमराना में 4500 लीटर क्षमता के दो अग्निशमन वाहनों की आपूर्ति हेतु कार्यादेश जारी हो चुके हैं। शर्मा ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र नीमराना व घीलोठ में लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से 132 केवी जीएसएस नीमराना जनरल जोन, 132 केवी जीएसएस जापानी जोन, 220 केवी जीएसएस घीलोठ और कोलिला जोगा में 33 केवी जीएसएस की स्थापना की जाएगी। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ में करीब 19 करोड़ की लागत से एनएच-48 से औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ तक लिंक रोड का सुदृढ़ीकरण और स्ट्रीट लाइट के कार्य करवाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास के विस्तार हेतु भी प्रदेश में 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बनाए जा रहे हैं। नीमराना में पानी की समस्या को दूर करने के लिए ईआरसीपी से पानी लाने पर भी विचार किया जा रहा है।

## रायगढ़ में बारातियों से भरी बस पलटी, पांच लोगों की मौत, सुप्रिया सुले ने दुख जताया

एजेंसी

**रायगढ़ ।** महाराष्ट्र के रायगढ़ में सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और 27 लोग घायल हो गए। सभी लोग लोग एक शादी समारोह शामिल होने के लिए जा रहे थे।रायगढ़ में तम्हिनी घाट पर बारातियों से भरी एक प्राइवेट बस खतरनाक मोड़ पर पलट गई। हादसे की जानकारी मिलने पर माणगांव पुलिस टीम बचाव दल और एम्बुलेंस के साथ मौके पर पहुंची। एक अधिकारी ने बताया कि बारातियों से भरी बस लोहगांव से महाड में बिरवाडी की ओर जा रही थी। इस दौरान बस चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण बस पलटने से हादसा हो गया। मृतकों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। 27 घायलों को इलाज के लिए माणगांव ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया। मृतकों की पहचान संगीता जाधव, गौरव दराडे, शिल्पा पवार और वंदना जाधव के रूप में हुई है। जबकि एक व्यक्ति की

पहचान की जा रही है। माणगांव पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक निवृत्ती बोराडे ने बताया कि पलटी हुई बस के अंदर फंसे 27 घायल मेहमानों को बचा लिया गया और अस्पताल ले जाया गया। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। एनसीपी (शरद पवार) गुट की सांसद सुप्रिया सुले ने हादसे पर दुख जताया है। सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट

में कहा, यह बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण खबर है कि तम्हिनी घाट पर बारातियों से बस पलट गई। दुर्घटना में कुछ लोगों की मौत हो गई है। हादसे में कुछ लोग घायल हुए हैं जिनका इलाज चल रहा है।

## मप्र वर्ष 2030 तक सौर ऊर्जा से प्राप्त करेगा अपनी आवश्यकता की आधी बिजलीः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सूर्य ऊर्जा का महत्वपूर्ण स्त्रोत है। सौर ऊर्जा सबसे अच्छी ऊर्जा है। आने वाले वर्ष-2030 तक मध्य प्रदेश अपनी आवश्यकता की बिजली का आधा हिस्सा सौर ऊर्जा से प्राप्त करेगा। सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार का प्रयास उद्योग, धन्धे, कृषि के लिए सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध करवाना है। आगर में बनने वाली सौर ऊर्जा रेल विभाग को दी जाएगी, जिससे सात राज्यों में रेलगाड़ियाँ संचालित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार देर शाम आगर-मालवा जिले के सुसनेर में मुख्यमंत्री जनकल्याण पर्व कार्यक्रम को संबोधित

कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने 3520 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 880 मेगावॉट आगर और नीमच सौर परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें आगर-मालवा जिले की लगभग 2200 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 550 मेगावॉट सौर परियोजना एवं नीमच जिले की 1320 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 330 मेगावॉट सौर परियोजना शामिल है। मुख्यमंत्री ने आगर-मालवा जिले में 49.81 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये संकल्पित है। किसानों को समृद्ध बनाने सम्मान निधि और कृषि सिंचाई विद्युत बिल पर 53 हजार रुपए की सब्सिडी दी जा रही है।

# जयपुर में गैस टैंकर में आग लगने से हुए हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत

एजेंसी

**जयपुर।** राजस्थान की राजधानी जयपुर में अजमेर-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार सुबह एक गैस टैंकर में आग लगने के बाद उसके फैल जाने से 11 लोगों की मौत हो गई और करीब 40 लोग घायल हो गये। अजमेर रोड स्थित भांकरोटा के पास एक पेट्रोल पंप के समीप एक एलपीजी गैस से भरे टैंकर से अन्य वाहन के टकराने के बाद आग लग गई। इस दौरान आस पास के कई वाहन भी आग की चपेट में आ गये। मौके पर अफरातफरी मच गई और क्षेत्र में दहशत फैल गई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार हादसे में पांच लोगों की घटनास्थल पर ही

मृत्यु हो गई तथा झुलसे लोगों को इलाज के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल में लाया गया जहां पांच और ने और दम तोड़ दिया। इसी तरह एक घायल ने जयपुरिया अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे के गंभीर रुप से झुलसे एवं अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती करीब एक दर्जन लोग 50 प्रतिशत से अधिक झुलसे हुए हैं और वे गंभीर रुप से घायल है।

हादसे के मृतकों में अभी पांच की पहचान नहीं हो पाई हैं जबकि शेष छह मृतकों में राजस्थान में राजपुरा के हरलाल (34), मकराना निवासी महेन्द्र (27), उदयपुर के शाहीद और उत्तर प्रदेश में रायबरेली के शहाबुद्दीन (34) शामिल हैं । इनके अलावा राधेश्याम एवं अनीता मीणा भी मृतकों में शामिल हैं लेकिन अभी उनके निवास स्थान का पता नहीं चल पाया है। हादसे का पता चलते ही संवेदनशीलता दिखाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सबसे पहले एसएमएस अस्पताल पहुंचे और घायलों की कुशलक्षेम पूछी और उनके बेहतर इलाज के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल के अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों के इलाज में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने घायलों को तुरंत सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। इसके बाद मुख्यमंत्री घटनास्थल पर पहुंचे और जायजा लिया। उन्होंने पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों से सम्पूर्ण घटनाक्रम की जानकारी ली तथा अधिकारियों को त्वरित सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए।

हर साल एक नया अहसास है ठंड का मौसम। इस बार ठंड में सर्दी-जुकाम से डरने की जगह इनसे लड़ने के लिए खुद को और अपने परिवार को तैयार कीजिए। ठंड के लिए ऐसे ऊनी कपड़ों का चुनाव कीजिए, जो आपके परिवार को पर्याप्त गर्माहट दे और साथ ही स्टाइलिश लुक भी। कैसे चुनें ऊनी कपड़ों और उनकी देखभाल के दौरान किन बातों को ध्यान में रखें -

# सबसे खास सर्दियों का अहसास

सर्दी के मौसम में बदरंग और बोरिंग दिखने के दिन अब लद गए। जाड़े का मौसम भी अब स्टाइलिश हो गया है। ठंड से बचने के लिए अब जरूरी नहीं कि खुद को बोरिंग और गहरे रंग के कपड़ों के हवाले कर दिया जाए। ठंड से खुद को और अपने परिवार को बचाते हुए अब आप स्टाइलिश भी दिख सकती हैं, पर इसके लिए जरूरी है कि अपने कपड़ों का चुनाव आप सोच-समझकर करें और साथ ही गर्मी के कपड़ों और ठंड के कपड़ों के बीच अच्छा तालमेल भी बिठाएं।

## लेयरिंग का है मौसम

वो दिन गए जब ठंड के मौसम में अपने कपड़ों की परत को छुपाने की कोशिश करते थे। अब एक साथ दो-तीन कपड़े पहनने और उन्हें दिखाने का ट्रेंड आ गया है। अपने ठंड के कपड़ों को निकालें और तरह-तरह के कॉम्बिनेशन में उन्हें पहनें। जरूरी नहीं है कि ठंड का मौसम आते ही आप अपने गर्मी वाले कपड़ों को अलविदा कह दें। उन्हें भी ठंड के मौसम में अपने गर्म कपड़ों के बीच जगह दें। ठंड के मौसम में फैशनेबल दिखने का मूलमंत्र यही है। अपने जैकेट, कार्डिगन और पुलोवर को अपने कॉटन के शर्ट या ड्रेस के साथ पहनें। एक्सपेरिमेंट करने से नहीं घबराएं। एक्सपेरिमेंट करेंगी, तभी कपड़ों की कई परत के साथ भी औरों से अलग दिखेंगी।

## सोच-समझकर चुनें रंग

ठंड के मौसम में हमेशा गहरे और आकर्षक रंग चुनें। पेस्टल रंग के कपड़े ठंड के मौसम को नीरस बना देंगे। ठंड के कपड़े खरीदते वक्त ऐसे रंग चुनें जो इस बदरंग मौसम में रंग भरें। ऐसे स्वेटर या ऊनी कपड़े न चुनें, जिसके पैटर्न में एक साथ ढेर सारे रंग हों। साधारण पैटर्न और एकाध रंग वाले ऊनी कपड़े चुनें। ऑरेंज, गोल्डन ब्राउन, ऑफ व्हाइट या फिर पीले रंग वाले ऊनी कपड़े पहनने से बचें।

## एक्सेसरीज भी बदलें

अपनी एक्सेसरीज में बदलाव लाकर आप अपने लुक को बेहद आसानी से बदल सकती हैं। अगर ठंड बहुत ज्यादा है तो पशमीना शॉल को अपने वॉर्डरोब में शामिल करें। साथ ही आप स्टाइलिश मफलर और फर वाले स्टोल से भी स्टाइल स्टेटमेंट बना सकती हैं। हैट्स और ऊनी टोपी भी ठंड के मौसम में आपको स्टाइलिश लुक देंगे और ठंड से भी बचाएंगे।

## फ्लोरल प्रिंट्र से बनाएं दूरी

फ्लोरल प्रिंट के कपड़े गर्मी के मौसम में ही ज्यादा अच्छे लगते हैं। अगर आपको ये प्रिंट बहुत ही ज्यादो पसंद हैं और आप ठंड में भी इन्हें पहनना चाहती हैं तो ठंड के मौसम में थोड़े गहरे प्रिंट वाले कपड़े अपने लिए चुनें। ठंड के मौसम के आपके वॉर्डरोब में ये गहरे फ्लोरल पिंट्र वाले कपड़े आसानी से घुल-मिल जाएंगे। अगर आप फ्लोरल प्रिंट्र वाले कपड़े पहन ही रही हैं तो पूरी बाजू वाले कपड़े चुनें। इससे फ्लोरल प्रिंट का असर कुछ कम हो जाएगा।

## बूट्स से बनें फैशनेबल

गर्मियों के फुटवियर को कुछ माह आराम दें और जूते और बूट्स को अपने वॉर्डरोब में शामिल करें। अपनी गर्मी के मौसम के कपड़े को ठंड वाला लुक देने के लिए इससे बेहतर तरीका कुछ और नहीं। जींस और कार्डिगन के साथ बूट्स पहनें और ठंड से बचने के साथ-साथ इस मौसम के अनुकूल लुक भी पाएं।

## बच्चों जैसे मुलायम, उनके कपड़े

ठंड से मासूम बच्चों को बचाकर रखना आसान काम नहीं है। बच्चों के लिए ठंड का मौसम सेहत भरा रहे, इसके लिए जरूरी है कि इस सर्द मौसम में भी वो पूरी तरह से गर्म रहें। बच्चों के लिए ठंड के कपड़ों का चुनाव करते वक्त इसलिए हमेशा फैशन और ट्रेंड की जगह उनके आराम और कपड़ों की गर्माहट का ध्यान रखें। बच्चों के लिए हमेशा मुलायम और आरामदायक ऊनी कपड़े चुनें। कपड़े का फैब्रिक ऐसा हो जो उनकी मुलायम त्वचा को किसी प्रकार का नुकसान न पहुचाए। बच्चों के ऊनी कपड़े हमेशा थोड़े हल्के रंग के चुनें ताकि आपको आसानी से पता चल सके कि वो कब गंदे हो गए हैं और उन्हें साफ करने की जरूरत है। बच्चे को कभी भी एक साथ ढेर सारे कपड़े न पहनाएं। बहुत ज्यादा कपड़े पहनाने पर उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। बच्चे के लिए ढीली फिटिंग वाले और ढेर सारे बटन वाले ऊनी कपड़े चुनें ताकि इन कपड़ों को पहनाते और उतारते वक्त आपको और आपके बच्चे दोनों को परेशानी न हो। बच्चे के लिए पूरी बाजू वाले ऊनी कपड़े चुनें ताकि उनके हाथ भी गर्म रहें। अगर ठंड बहुत ज्यादा हो तो बच्चे के कान में रुई के फाहे डाल दें और ऊनी टोपी या स्कार्फ पहनाएं ताकि बच्चे का सिर भी गर्म रहे। कभी भी बच्चे को सबसे पहले ऊनी कपड़ा न पहनाएं। पहले नीचे कोई सूती कपड़ा पहनाएं और उसके ऊपर से उसे ऊनी कपड़ा पहनाएं। बच्चे की त्वचा में किसी तरह की एलर्जी न हो, इसलिए ठंड के मौसम में उसके पूरे शरीर में हर दिन विटर क्रीम लगाएं। ठंड बहुत ज्यादा हो, तब भी सोते वक्त बच्चे को ढेर सारे कपड़े न पहनाएं और न ही उनके ऊपर ढेर सारे कंबल डालें। बच्चे के पैरों को गर्म रखने के लिए उनके लिए ऐसे पाजामे खरीदें, जिनके साथ जुराबें जुड़ी हुई रहती हैं। बच्चे के हाथ भी जल्दी ठंडे हो जाते हैं, इसलिए उनके हाथों को गर्म रखने के लिए उन्हें ग्लव्स पहनाना न भूलें।

## खिल उठेंगे आपके ऊनी कपड़े

- ऊनी कपड़ों की ओर बैक्टीरिया और धूल-मिट्टी जल्दी आकर्षित होते हैं, इसलिए अपने जैकेट और कोट को नियमित अंतराल पर ब्रश से साफ करें। इससे आपके सर्दियों के कपड़े न सिर्फ साफ रहेंगे, बल्कि किसी तरह की स्किन एलर्जी और रैशेज होने की आशंका भी नहीं रहेगी।
- ठंड के कपड़ों को बीच-बीच में धूप में सुखाएं। पर ध्यान रहे कि सूरज की तेज रोशनी आपके ऊनी कपड़ों पर सीधी न पड़े। ऐसा करने से आपके ऊनी कपड़े बदरंग हो जाएंगे। वहीं धूप में ऊनी कपड़ों को सुखाने से उसकी नमी गायब हो जाएगी और साथ ही सभी कीटाणु भी मर जाएंगे। ऊनी कपड़े को धूप में सुखाने से वो न सिर्फ आपको ज्यादा गर्माहट देंगे, बल्कि उन्हें पहनने पर भी आपको ज्यादा अच्छा महसूस होगा।
- अपने भारी-भरकम स्वेटर को वॉर्डरोब में लटकाकर नहीं रखें। भारी स्वेटर को लटकाकर रखने से स्वेटर की फिटिंग बिगड़ जाती है। साथ ही हैंगर से स्वेटर को लटकाकर रखने से कंधे वाले हिस्से के जल्दी फटने की आशंका बढ़ जाती है।
- ऊनी कपड़े बेहद नाजुक होते हैं। लंबी उम्र देने के लिए ऊनी कपड़ों को धोने के लिए हमेशा माइल्ड साबुन या डिटर्जेंट और गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। माइल्ड साबुन और डिटर्जेंट के इस्तेमाल से आपके ऊनी कपडमें की चमक और उनका वास्तविक लुक बरकरार रहेगा। गुनगुना पानी आपके ऊनी कपड़ों में छिपे कीटाणुओं को मारेगा और उसकी स्वच्छता को बरकरार रखेगा।
- स्वेटर और कार्डिगन में अकसर रोंए हो जाते हैं। ये रोंए स्वेटर और किसी अन्य वस्तु के बीच रगड़ खाने से होते हैं। ये रोंए आपके नए और स्टाइलिश स्वेटर को भी पुराना और गंदा लुक दे सकते हैं। इन रुंओं को हटाने के लिए छोटे रेजर का इस्तेमाल करें और अपने स्वेटर को फिर से नया लुक दें।
- अपने स्वेटर पर लगे दाग-धब्बों को हटाने के लिए कभी भी उन पर ब्लीच का इस्तेमाल न करें। ब्लीच के इस्तेमाल से आपका स्वेटर बदरंग हो जाएगा। कभी भी ऐसे डिटर्जेंट में स्वेटर न धोएं, जिसमें ब्लीच हो।
- एक ही स्वेटर को तीन दिन से ज्यादा लगातार न पहनें। ऐसा करने से स्वेटर का शेप बिगड़ जाता है। साथ ही आपका स्वेटर जल्दी खराब और पुराना भी हो जाएगा।

# ठंड में बच्चा न हो पस्त

अचानक मौसम परिवर्तन का असर सभी पर होता और इससे छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सर्दी, जुकाम और गले में इंफेक्शन के अलावा छोटे बच्चों को ये परेशानियां सबसे ज्यादा होती हैं -

**रोटा वायरल डायरिया** - इसमें बच्चे को दस्त, उल्टी और बुखार एक साथ होता है। बच्चे के शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है और बुखार के कारण वह सुस्त और चिड़चिड़ा हो जाता है। बच्चा कभी-कभी बहुत कमजोर भी हो जाता है।

**एलर्जी और अस्थमा** - इस मौसम में बच्चों को सांस संबंधी परेशानी भी होती है। बंद नाक और गले में जकड़न के साथ नाक और आंख से पानी भी गिरता रहता है। तेज हवा और प्रदूषण से सांस लेने में दिक्कत आने लगती है।

**आंखों में इंफेक्शन** - इस मौसम में आंखों में भी इंफेक्शन होने लगता है। आंखों की पलकें रात में चिपक जाती हैं और सुबह बच्चे को आंख खोलने में परेशानी होती है।

**त्वचा में लाल दाने** - सर्दी में त्वचा में रैशेज और दाने की समस्या प्राय- छोटे बच्चों में हो जाती है। इसका कारण एलर्जी और हार्मोन में बदलाव के साथ ठंडी हवा भी है।

निमोनिया - यह ठंड के मौसम में बच्चों को होने वाली सबसे आम समस्या है। इसमें बच्चे को तेज बुखार होता है और साथ ही उसका सिर बहुत गर्म रहता है। कभी-कभी बच्चे के लंग्स में भी दिक्कत हो जाती हैं।

## क्या है कारण

**ठंड में प्रतिरोधक क्षमता का कम होना** - सर्दी के मौसम में बच्चों के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता सामान्य दिनों से कम हो जाती है। इसलिए किसी भी प्रकार का मौसम परिवर्तन का असर तुरंत बच्चे पर पड़ता है।

**बड़ों की लापरवाही** - अक्सर बड़े बच्चों को ठंड के मौसम में आलस के कारण हाथ धोए बिना ही गोद में उठा लेते हैं। ठंडे हाथ भी उन्हें लगाते हैं। कीटाणु का ध्यान नहीं रखते। इस वजह से उन्हें इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है।

**किसी भी चीज को मुंह में लेना** - अक्सर बच्चे कलम के कैप या नीचे गिरी हुई चीजों को मुंह में लेते हैं जिससे उन्हें पेट में दर्द या दस्त की समस्या हो जाती है।

**नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखना** - आम मौसम की अपेक्षा ठंड में बच्चे ज्यादा पेशाब करते हैं। अगर नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखा जाए तो बच्चों को न केवल ठंड लग जाती है बल्कि उनके शरीर के आंतरिक हिस्से में सूजन और इंफेक्शन भी हो सकता है।

**कमरे के तापमान का ध्यान न रखना** - ठंड में बच्चे को अधिक गर्म कमरे में ना रखें। कमरे का तापमान सामान्य होना चाहिए। अधिक गर्म वातावरण से अगर बच्चा सामान्य तापमान में जाता है तो उसे तुरंत सर्दी असर करती है।

## कैसे करें बचाव

**सफाई का रखें ध्यान** - धूल, धुएं और गंदगी से छोटे बच्चों को दूर रखें। इससे उन्हे सांस की समस्या के साथ दस्त भी हो सकती है। घर की सफाई का पूरा ध्यान रखें।

**नहलाना कम करे** - रोज नहलाने के बजाय हर दूसरे दिन छोटे बच्चों को गर्म पानी में सॉफ्ट एंटीबैक्टीरियल लिक्विड डालकर उसमें नर्म तौलिया भिगोकर उनका शरीर साफ कर दें।

**गर्म कपड़े पहनाएं** - जैसे ही मौसम बदले, बच्चे को गर्म कपड़े पहनाना शुरू कर दें। हल्की ठंड को नजर अंदाज ना करें और बच्चे को हमेशा मोजे पहना कर रखें।

**मालिश के लिए गर्म तेल का प्रयोग करें** - यूं तो मालिश बहुत जरूरी नहीं है, लेकिन यदि आप मालिश कर रही हैं तो इसके लिए गर्म तेल का प्रयोग करें।

**संभव हो तो थोड़ी देर धूप में रखे** - अगर आपके घर में धूप आती हो तो बच्चे को गर्म कपड़े पहना कर थोड़ी देर के लिए धूप में रखें। उसे ताजी हवा और विटामिन डी दोनों मिलेंगे।

**ठंडी चीजें खाने को न दें** - अगर आपका बच्चा 7 माह से अधिक का है और वह खाना खाता है, तो उसे ठंडी चीजें न खिलाएं और साथ ही उसे बासी खाना या ठंडा खाना भी न दें।

**बेहतर क्वालिटी के स्वेटर पहनाएं** - स्वेटर हमेशा अच्छी क्वालिटी का पहनाएं, क्योंकि वूलन से कभी-कभी त्वचा में एलर्जी हो जाती है।

बुजुर्ग और बच्चे ठंड के मौसम में सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। बुजुर्ग तो अपनी तकलीफ बता सकते हैं, पर बहुत छोटे बच्चे तो वो भी नहीं कर सकते। अगर आप ठंड की शुरुआत से ही सावधानी बरतें तो आपका बच्चा सर्दियों में भी मुस्कुराता रहेगा। छोटे बच्चों की ठंड में कैसे देखभाल करें, बता रहे हैं शिशु एवं बालरोग विशेषज्ञ

# वेडिंग लुक तालमेल है जरूरी

इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।

बहुत बुरी कुक हूं। लेकिन तुम्हारी कुकिंग का जवाब नहीं है। तुम ओवर इमोशनल हो और मैं प्रैक्टिकल। एक लाइन में कहूं तो हम दोनों एक दूसरे को बैलेंस करते हैं। हम परफेक्ट लाइफ पार्टनर हैं क्योंकि हमारा आपसी तालमेल बेजोड है। मैं चाहती हूं कि यही तालमेल हमारे वेडिंग डे पर हमारे लुक में भी नजर आए। यह तर्क सामने रखकर अंशिका ने अपने मंगेतर अंश को कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग डे लुक क्रिएट करने के लिए राजी कर ही लिया। अंशिका और अंश की तरह इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।

## कलर केमिस्ट्री

जो कपल्स जटिल की जगह सहज अभिव्यक्ति को तरजीह देते हैं, उन्हें रंगों पर आधारित कॉम्प्लिमेंट्री लुक चुनना चाहिए। इस तरह की मैचिंग में कलर व्हील की मदद ली जा सकती है। व्हील में एक-दूसरे के सामने आने वाले रंग एक दूसरे को कॉम्प्लिमेंट करते हैं। जैसे, ऑलिव-मरून, रस्ट-मिडनाइट ब्ल्यू और वायलेट-ऑरेंज आदि। इन रंगों के बीच जबर्दस्त कंट्रास्ट फैक्टर होता है जिसके चलते इनका कॉम्बिनेशन बेहद वाइब्रेंट लगता है। ऐसे में दूल्हा-दुलहन इन कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स के परिधान पहन सकते हैं।

## काल आधारित

इन दिनों किसी विशेष काल पर आधारित वेडिंग वेयर पहनने का चलन जोरों पर है। वुडबी कपल्स मुगल काल, विक्टोरियन काल या विंटेज काल पर आधारित परिधान पहन सकते हैं। जैसे विंटेज काल में प्रचलित रंग और एंब्रॉयडरी दुलहन के लहंगे और दूल्हे के कुर्ते में नजर आए। लेकिन इस तरह की मैचिंग करते समय कपल्स को ध्यान रखना चाहिए कि वह किसी काल के दो या तीन फीचर्स को ही अपने परिधानों के माध्यम से अभिव्यक्त करें। बहुत ज्यादा फीचर्स की अभिव्यक्ति उन्हें वेडिंग कपल्स की जगह किसी ऐतिहासिक नाटक का पात्र बना देगी।

## वर्क या प्रिंट आधारित

परिधानों पर किए गए वर्क या प्रिंट में तालमेल बैठाना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में कोऑर्डिनेशन का एक बेहतरीन तरीका है। आप विभिन्न तरीकों से एंब्रॉयडरी या प्रिंट के आधार पर यह तालमेल बैठा सकते हैं। जैसे, दुलहन के दुपट्टे और दूल्हे के स्टोल की एंब्रॉयडरी एक जैसी रख सकते हैं। इसी तरह दुलहन के लहंगे के पैनल का प्रिंट दूल्हे की पगडी के प्रिंट में भी नजर आ सकता है। या दूल्हे और दुल्हन के परिधानों के बॉर्डर में एक कॉमन प्रिंट हो सकता है।

## एक्सेसरीज आधारित

कॉम्प्लिमेंट्री एक्सेसरीज पहनना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में सामंजस्य बैठाने का एक खास तरीका है। आप चाहें तो कॉम्प्लिमेंट्री एन्गेजमेंट रिंग्स, ब्राइडल वॉच-ग्रूम कफलिंग या ब्राइडल ईयररिंग्स-ग्रूम कफलिंग्स जैसे कॉम्बिनेशन कैरी कर सकती हैं। ब्राइड और ग्रूम की ज्यूलरी में कॉम्प्लिमेंट्री कलर स्टोन का इस्तेमाल भी अच्छा लगेगा।

## विशेष टिप्स

- ब्राइड और ग्रूम को अपनी पसंद के हिसाब से कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक तय करना चाहिए।
- आप कॉम्प्लिमेंट्री लुक क्रिएट करने के दो तरीकों को कंबाइन भी कर सकते हैं। जैसे कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स और एंब्रॉयडरी वाले परिधान ट्राई कर सकते हैं। इसी तरह किसी एक काल पर आधारित परिधानों के साथ आप कॉम्प्लिमेंट्री ज्यूलरी भी पहन सकते हैं।

## हरियाणा की सुरुचि ने 67वें शूटिंग नेशनल्स के महिला एयर पिस्तल स्पर्धा में जीते तीन स्वर्ण पदक

एजेंसी

**नई दिल्ली।** हरियाणा की युवा निशानेबाज़ सुरुचि ने राष्ट्रीय राजधानी के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में चल रहे 67वें राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप (एनएससीसी) में महिलाओं की एयर पिस्तल स्पर्धा में तीन स्वर्ण पदक जीतकर सबका ध्यान आकर्षित किया। झज्जर के एक आर्मी वेटरन की बेटी सुरुचि, जिन्होंने पांच साल पहले उसी रेंज में शूटिंग शुरू की थी, जहां ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मनु भाकर ने भी शुरुआत की थी, ने अपना पहला सीनियर राष्ट्रीय खिताब जीता। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्तल फाइनल में 243.1 का स्कोर करके स्वर्ण पदक जीता, इसके बाद जूनियर और यूथ के खिताब भी अपने नाम किए, जिससे उनका यह राष्ट्रीय आयोजन यादगार बन गया। इस दौरान, उन्होंने पिछले नेशनल्स में महिलाओं की एयर पिस्तल में प्राप्त रजत पदक को भी बेहतर किया। सुरुचि ने आठ महिला निशानेबाजों के फाइनल में प्रवेश किया था, जहां उन्होंने पहले से ही क्वालिफिकेशन में 585 अंक के साथ टॉप किया था।

## साधना अरुणाचल प्रदेश की अंडर 19 टीम में

**प्रयागराज।** कैंटोन्मेंट बोर्ड क्रिकेट अकादमी की प्रशिक्षु साधना पाल का चयन बीसीसीआई द्वारा आयोजित वूमेंस अंडर-19 वनडे ट्रॉफी के लिए अरुणाचल प्रदेश की 17 सदस्यीय टीम में हुआ है। अरुणाचल प्रदेश की टीम चार जनवरी को त्रिवेंद्रम (केरल) में छत्तीसगढ़ के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। साधना कैंटोन्मेंट बोर्ड क्रिकेट अकादमी के कोच संजीव कुमार से प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं। अशोक नगर निवासी हरिश्चंद्र पाल एवं शमा पाल की पुत्री साधना दाहिने हाथ की ओपनर बल्लेबाज हैं। साधना के चयन पर छावनी परिषद इलाहाबाद के मुख्य अधिशाषी अधिकारी मोहम्मद समीर इस्लाम, कैंट हाईस्कूल की प्रधानाचार्या कल्पना शर्मा, अनिल मिश्र और शालू सिंह ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

## एचआईएल का भव्य समारोह के साथ होगा आगाज; सारा अली खान और किंग होंगे मुख्य आकर्षण

**नई दिल्ली।** बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 भव्य शैली में वापसी करने के लिए तैयार है, जिसकी शुरुआत 28 दिसंबर को उद्घाटन मैच से पहले राउरकेला के बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगी। यह कार्यक्रम, जो खेल, मनोरंजन और अत्याधुनिक तकनीक का एक शानदार उत्सव होने का वादा करता है, में शीर्ष भारतीय हस्तियों द्वारा शानदार प्रदर्शन किया जाएगा, जिसका थीम 'हॉकी का जश्न' होगा। बॉलीवुड सनसनी सारा अली खान और प्रसिद्ध संगीत कलाकार किंग अपने शानदार प्रदर्शन के साथ शाम को सुर्खियाँ बटोरेंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित श्यामक डावर डांस ट्रूप गतिशील कोरियोग्राफी के साथ मंच को जीवंत करेंगे। रात की एक खास विशेषता अभिनव एनामॉर्फिक फ्लोर प्रोजेक्शन मैपिंग होगी, जो स्टेडियम के फ्लोर पर प्रोजेक्ट किए गए 3डी भ्रम के साथ प्रशंसकों के लिए एक विजुअल इमर्सिव अनुभव प्रदान करेगी।

## राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप: ओलंपियन धीरज, दीपिका ने अंतिम दिन रिकर्व खिताब जीता, टीम पदक भी जीते

**जमशेदपुर।** ओलंपियन बी. धीरज और दीपिका कुमारी गोपाल मैदान में राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप के अंतिम दिन क्रमशः रिकर्व पुरुष और महिला वर्ग में चैंपियन बनकर उभरे। उन्होंने टीम मेडल जीतकर अपनी खुशी दोगुनी कर दी। दिव्यांश चौधरी के साथ व्यक्तिगत खिताबी मुकाबले में धीरज ने पहले दो सेटों में अंक बांटे, जबकि दूसरे सेट में उन्होंने परफेक्ट 30 स्कोर किया, उन्होंने लगातार येलो जोन में पहुंचकर 6-2 के स्कोर के साथ अपना पहला खिताब जीता। उनके 18 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी पहली बार पोडियम पर शूटिंग करने के दबाव को नहीं झेल पाए। धीरज ने सर्विसेस पुरुष टीम की कांस्य पदक जीत में भी योगदान दिया धीरज ने कहा, यह एक अच्छा प्रदर्शन था। मैंने जो कुछ भी किया है, वह सही दिशा में जा रहा है। पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन के रंग में रंगी दीपिका ने अपने पति अतनु दास के साथ मिलकर पंजाब की सिमरनजीत कौर और आदित्य चौधरी की जोड़ी को 6-2 से हराकर मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

## चेन्नइयन एफसी के खिलाफ आक्रामकता जारी रखने उतरेगी मुम्बई सिटी

**मुम्बई।** मुम्बई सिटी एफसी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले के लिए मुम्बई फुटबॉल एरिना (एमएफए) में चेन्नइयन एफसी की मेजबानी करेगी। मुम्बई चेन्नइयन एफसी के खिलाफ अपने पिछले नौ आईएसएल मुकाबलों में सात जीत और दो ड्रा के साथ अपराजित रहे हैं। मुम्बई ने अपने पिछले पांच मैचों में दो जीते हैं और दो ड्रा खेले हैं। मुम्बई सिटी एफसी 11 मैचों में चार जीत, पांच ड्रा और दो हार से 17 अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। चेन्नइयन एफसी 12 मैचों में चार जीत, तीन ड्रा और पांच हार से 15 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। लेकिन उसने अपने पिछले पांच मुकाबलों में तीन हारे हैं। मुम्बई ने अपने पिछले तीन आईएसएल मैचों में कोई गोल नहीं खाया है। मुम्बई ने इस सीजन में सात बार पोस्ट-क्रॉसबार को निशाना बनाया है, जो दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। पिछले साल, उसने 10 बार सबसे ज्यादा पोस्ट-क्रॉसबार पर निशाने मारे थे।

# अभूतपूर्व उपलब्धियों के साथ भारतीय खेलों के लिए 2024 रहा उल्लेखनीय वर्ष

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय खेलों के लिए वर्ष 2024 एक यादगार वर्ष रहा है जिसमें देश ने वैश्विक मंच पर अभूतपूर्व सफलता हासिल की। पेरिस पैरालिंपिक खेलों में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन से लेकर शतरंज में ऐतिहासिक जीत और खेलों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने तक भारत ने कई क्षेत्रों में अपनी बढ़ती ताकत का प्रदर्शन किया है। अभूतपूर्व पहलों और एथलीट सशक्तिकरण पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने वाली ये उल्लेखनीय उपलब्धियां खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए देश की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।भारत ने पेरिस ओलिंपिक खेलों 2024 में अपनी भागीदारी एक रजत और पांच कांस्य सहित छह पदकों की शानदार जीत के साथ पूरी की। इस उपलब्धि में निशानेबाजी की अहम भूमिका रही जिसमें एथलीट मनु भाकर, सरबजोत सिंह और स्वप्निल कुसाले ने तीन कांस्य पदक जीते। इसके अलावा नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में रजत पदक जीता, अमन सेहरावत ने कुश्ती में कांस्य पदक जीता और भारतीय हॉकी टीम ने

सफलतापूर्वक अपना कांस्य पदक बरकरार रखा। राष्ट्रीय गौरव के इस क्षण में सभी पदक विजेता एथलीटों को 15 अगस्त 2024 को लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बातचीत की। 28 अगस्त से 08 सितंबर 2024 तक आयोजित पेरिस पैरालिंपिक 2024 खेलों में भारत ने अपने अब तक के सबसे बड़े दल के साथ इतिहास रच दिया। एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य सहित 29 पदक जीते और पदक तालिका में 18वां स्थान हासिल किया। यह ऐतिहासिक प्रदर्शन पैरालंपिक इतिहास में देश की अब तक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है। फिडे शतरंज ओलिंपियाड और विश्व शतरंज चैंपियनशिप हंगरी के बुडापेस्ट में 45वें फिडे शतरंज ओलंपियाड में देश की शतरंज प्रतिभा ने नई ऊंचाइयों को छुआ। जहां भारतीय पुरुष और महिला शतरंज टीमों ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। गुकेश डी, प्रग्गनानंद आर, अर्जुन एरिगैसी और विदित गुजराती जैसे शानदार खिलाड़ियों वाली पुरुष टीम ने प्रतियोगिता में अपना दबदबा बनाकर 11 में से 10 मैच जीते और अंतिम दौर में स्लोवेनिया को हराया। गुकेश डी और अर्जुन एरिगैसी ने अपने असाधारण प्रदर्शन के लिए व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते। हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली आर, दिव्या दशमुख, वंतिका अग्रवाल और तानिया सचदेव की भारतीय महिला टीम ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए फाइनल राउंड में अजरबैजान को हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत के युवा शतरंज खिलाड़ियों की ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की और विजयी टीमों को नयी दिल्ली में सम्मानित किया जिसमें भारतीय शतरंज इतिहास में इस उल्लेखनीय उपलब्धि का जश्न मनाया गया।

## एशिया वोवीनाम फेडरेशन के महासचिव चुने गए प्रवीण गर्ग

एजेंसी

**लखनऊ।** वोवीनाम एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष प्रवीण गर्ग को सर्वसम्मति से एशिया वोवीनाम फेडरेशन का महासचिव चुना गया है। पांचवी एशियाई वोवीनाम मार्शल आर्ट चैंपियनशिप का आयोजन बाली, इंडोनेशिया में 17 से 22 दिसंबर 2024 में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के दौरान एशिया वोवीनाम फेडरेशन कांग्रेस और चुनाव का आयोजन 19 दिसंबर को किया गया। जिसमें 2024 से 2028 कार्यकाल के लिए ईरान फेडरेशन के अध्यक्ष मोहम्मद नूही को अध्यक्ष, वियतनाम से ग्यून बिन दिन्ह को एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और गर्ग को महासचिव चुना गया। नयूमन यमाधिपुत्रा, विष्णु सहाय और पैंग सुनचुन को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। वर्ल्ड वोवीनाम फेडरेशन के अध्यक्ष वियतनाम से मय हूं टिन ने बताया कि खेल को जापान में 2026 में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स और ओलंपिक काउंसिल ऑफ़ एशिया की अन्य प्रतियोगिताओं में शामिल किए जाने के लिए फेडरेशन द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। क्योंकि वोवीनाम इससे पूर्व भी

ओलंपिक काउंसिल ऑफ़ एशिया के तत्वाधान में आयोजित एशियाई इंडोर गेम्स और एशियाई बीच गेम्स मे सम्मिलित रह चुका है। गर्ग ने अपनी नियुक्ति पर खुशी जताते हुये कहा कि वह एशिया स्तर पर खेल को नई ऊंचाई पर पहुंचने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। एग्जीक्यूटिव बोर्ड द्वारा इंडोनेशिया अध्यक्ष यामाहाधिपुत्रा से आगामी आठवीं वर्ल्ड वोवीनाम चैंपियनशिप का आयोजन अगले वर्ष बाली में 5 से 10 अगस्त के बीच कराए जाने का प्रस्ताव रखा गया।

## पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को 81 रनों से हराया

एजेंसी

**केपटाउन।**कप्तान मोहम्मद रिजवान (80), बाबर आजम (73) और कामरान गुलाम (63) रनों की अर्धशतकीय पारियों के बाद शाहीन शाह अफरीदी (चार विकेट) तथा नसीम शाह (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 81 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। पाकिस्तान के 329 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान तेम्बा बवूमा और टोनी डीजॉर्जी की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 34 रन जोड़े। छठे ओवर में नसीम शाह ने तेम्बा बवूमा (12) को आउट कर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 12वें ओवर में अबरार अहमद ने डीजॉर्जी (34) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को दूसरा झटका दिया। रासी वान दर दुसें (23), एडन मारक्रम (21) और डेविड मिलर (29) रन बनाकर आउट हुई। हाइनरिक क्लासन ने 74 गेंदों में आठ चौकों और चार छक्को की मदद से (94) रनों की पारी खेली। पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण के आगे इसके बाद दक्षिण अफ्रीका का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सका। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 43.1 ओवर में 248 रन पर सिमट गई। कामरान गुलाम को उनकी आतिशी बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी ने चार विकेट तथा नसीम शाह ने तीन विकेट लिये। अबरार अहमद को दो विकेट मिले। आगा सलमान ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले कल देर रात खेले गये मुकाबले में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 330 रनों का लक्ष्य दिया था। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में अब्दुल्लाह शफीक (पांच) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाज करने आये बाबर आजम ने सईम अयूब के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में वेना मफाका ने सईम अयूब (25) को आउट कर पाकिस्तान को दूसरा झटका दिया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान मोहम्मद रिजवान ने बाबर आजम के साथ तीसरे विकेट के लिये 115 रनों की साझेदारी की। तीसरे विकेट के रूप में बाबर आजम (73) रन बनाकर आउट हुये। आगा सलमान (33), इरफान खान (15) और शाहीन शाह अफरीदी (16) रन बनाकर आउट हुये। मोहम्मद रिजवान ने 82 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के लगाते हुए (80) रन बनाये। वही कामरान गुलाम ने 32 गेंदों में चार चौक और पांच छक्कों की मदद से तूफानी अंदाज में (63) रनों की पारी खेली। पाकिस्तान की पूरी टीम निर्धारित 50 ओवरों में 329 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से वेना मफाका ने चार विकेट लिये। मार्को यानसन को तीन विकेट मिले। ब्योर्न फोर्टेन और एंडिले फेहुक्वायो ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

## भारत को मिली पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** अगले वर्ष पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 की मेजबानी भारत करेगा। वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स (डब्ल्यूपीए) ने विश्व चैम्पियनशिप के आयोजन की मेजबानी भारत को दिये जाने की घोषणा की है। डब्ल्यूपीए ने कहा कि पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप के सभी मुकाबले राजधानी के जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम में 26 सितंबर से पांच अक्टूबर तक आयोजित किये जायेंगे। यह पहली बार होगा जब भारत में इस तरह वैश्विक खेल चैंपियनशिप का आयोजन करेगा।

डब्ल्यूपीए के प्रमुख पॉल फिट्जगेराल्ड ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि लॉस एंजिल्स 2028 की ओर नए पैरालंपिक चक्र की पहली प्रमुख चैंपियनशिप नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 भारत में होने वाला अब तक का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय पैरा खेल आयोजन होगा, जो हमारे खेल, हमारे खेलप्रेमियों का आधार बढ़ाने और दुनिया के सबसे अधिक

आबादी वाले देश में दिव्यांग लोगों के बारे में समाज की धारणा को प्रभावित करने का एक बड़ा मौका होगा। पैरा एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में 100 से अधिक देशों के पैरा एथलीट्स इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। ये इस चैंपियनशिप का 12वां संस्करण है और चौथी बार किसी एशियाई देश को इसकी मेजबानी मिली है। इससे पहले कतर, संयुक्त अरब अमीरात और जापान, पैरा एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी कर चुके है। इस चैंपियनशिप के अलावा भारत को वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री की जिम्मेदारी दी गई है। भारत को इसकी भी मेजबानी पहली बार मिली है, यह 11 से 13 मार्च तक दिल्ली के जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम में ही आयोजित की जायेगी।भारतीय राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (एनपीसी इंडिया) ने जारी एक बयान में कहा, एनपीसी इंडिया को भारत में पहली बार पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है। यह ऐतिहासिक आयोजन भारत के वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए हमारे दावे को मजबूती प्रदान करता है।

## ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम दो टेस्ट के लिए अनकैप्ड सैम कोंस्टास को किया टीम में शामिल

एजेंसी

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला के शेष दो टेस्ट मैचों के लिए अनकैप्ड सैम कोंस्टास को टीम में जगह दी हैं। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने मेलबर्न और सिडनी टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। अंतिम दो टेस्ट मैचों के लिए अनकैप्ड ओपनर सैम कोंस्टास को टीम शामिल किया है। इसके अलावा तेज गेंदबाज जाय रिचर्डसन को चोटिल जॉश हेजलवुड की जगह टीम में वापस बुलाया गया है। जसप्रीत बुमराह समेत अन्य भारतीय गेंदबाजो के खिलाफ संघर्ष कर रहे सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी को टीम से बाहर कर दिया गया है। चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा, ÷इस टीम के पास अपनी प्लेइंग एकादश

को सही तरीके से संतुलित करने के लिए पर्याप्त विकल्प हैं। सैम को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। उसकी बल्लेबाजी की शैली विशिष्ट है, और हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि भविष्य में वह अपने खेल को किस दिशा में लेकर जाते हैं। बेली ने कहा, ÷हमें विश्वास है कि नैथन में टेस्ट स्तर पर भविष्य में सफलता पाने की क्षमता और मानसिकता है। उन्हें बाहर रखना एक मुश्किल निर्णय था। श्रृंखला के दौरान शुरुआती क्रम के बल्लेबाजो को संघर्ष करना पड़ा है।

हम अगले दो मैचों के लिए एक अलग संयोजन का विकल्प प्रदान करना चाहते हैं। जॉश हेजलवुड की अनुपस्थिति में जाय रिचर्डसन तेज गेंदबाजी में और विकल्प प्रदान करते हैं।

मेलबर्न और सिडनी टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार हैः- पैट कमिंस, शॉन एबट, स्कॉट बोलैंड, ऐलेक्स कैरी, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लस, उस्मान ख्वाजा, सैम कॉन्स्टास, मार्नस लाबुशेन, नेथन लायन, मिचेल मार्श, जाय रिचर्डसन, स्टीवन स्मिथ, मिचेल स्टार्क और ब्यू वेबस्टर।

## स्कूल स्तर पर बेसिक कोच की आवश्यकता है: खडसे

एजेंसी

**नई दिल्ली।** युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने कहा कि खेलो इंडिया मुहिम की कीर्ति योजना के जरिए देश से खेल प्रतिभाओं को तलाश और निखारा जा रहा है तथा स्कूलों में बेसिक स्तर पर कोच की आवश्यकता महसूस की जा रही है। श्रीमती खडसे ने यहां संवददाता सम्मेलन में कहा स्कूलों में पहले से ही खेल को एक विषय के रूप में पढ़ाया जा रहा है और वहां से व्यापक स्तर पर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने खेलों इंडिया मुहिम के तहत विद्यालयों को कार्यक्रम तैयार करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर पर बेसिक कोच की आवश्यकता है और इसके लिए तैयार की जा रही है। राज्यों में जिला स्तर पर जानकारी मांगी गयी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने खेलों ऐतिहासिक प्रदर्शन को देखते हुए खेलों इंडिया का बजट बढ़कर 900 करोड़ रूपये कर दिया गया है।श्रीमती

खडसे ने कहा कि 2024 एशियाई खेलों में 107 पदकों के साथ ऐतिहासिक प्रदर्शन रहा। खेलो इंडिया और टॉप्स कार्यक्रमों में बढ़े हुये निवेश में ओलंपिक (छह पदक), पैरालंपिक (29) पदक ने सफलता में योगदान दिया।

## बंगलादेश ने वेस्टइंडीज को 80 रनों से शिकस्त दी

एजेंसी

**किंग्सटाउन ।** जाकेर अली (नाबाद 72), परवेज हुसैन इमॉन (39) की शानदार बल्लेबाजी के बाद रिशाद हुसैन (तीन विकेट), तसकीन अहमद और महेद हसन (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर बंगलादेश ने तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 80 रनों से शिकस्त देते हुए तीन मैचों की टी-20 सीरीज में क्लीन स्विप कर दिया। कल देर रात खेले गये मुकाबले में बंगलादेश के 189 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 60 के स्कोर तक लगातार अपने छह विकेट खो दिये।ब्रैंडन किंग (शून्य), जस्टिन ग्रीव्स (छह), निकोलस पूरन(15), रॉस्टन चेज (शून्य) कप्तान रोवमन पॉवेल (दो) और जॉनसन चार्ल्स (23) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद रोमारियो शेफर्ड और गुडाकेश मोती ने कुछ देर पारी को संभाला। 15वें ओवर में रिशाद हुसैन ने गुडाकेश मोती (12) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसी ओवर में उन्होंने अल्जारी जोसेफ (एक) को भी अपना शिकार बना लिया। रोमारियो शेफर्ड ने 27 गेंदों में एक चौका तीन

छक्के लगाते हुए (33)रनों की पारी खेली। बंगलादेशी गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज की पूरी टीम को 16.4 ओवर में 109के स्कोर पर ढ़ेर कर 80 रनों से मुकाबला जीत लिया। बंगलादेश के लिए रिशाद हुसैन ने तीन विकेट, तसकीन अहमद और महेद हसन ने दो-दो विकेट लिये। तनज़ीम हसन साकिब और हसन महमूद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले बंगलादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश ने एक समय 65 रन पर अपने तीन विकेट गवां दिये थे। ऐसे समय में जेकर अली ने मेंहदी हसन मिराज के साथ पारी को संभाला। उन्होंने 41 गेंदों तीन चौके और छह छक्के लगाते हुए (72) रन बनाए। मेंहदी हसन मिराज (29) रन बनाए। परवेज हुसैन इमॉन ने 21 गेंदों में (39) रन बनाये। लिटन कुमार दास (14) और तनजीम हसन साकिब (17) रन बनाकर आउट हुये। बंगलादेश ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 189 का स्कोर खड़ा किया। वेस्टइंडीज के लिए रोमारियो शेफर्ड ने दो विकेट लिए। अल्जारी जोसेफ, रॉस्टन चेज ओर गुडाकेश मोती ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

## टीएसएच में शांति देवी शुक्ला मेमोरियल फुटसल चैम्पियनशिप की शानदार शुरुआत

एजेंसी

**कानपुर।** कानपुर फुटसल एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित शांति देवी शुक्ला मेमोरियल अंडर-14 इंटर स्कूल फुटसल चैंपियनशिप 2024 की शुरुआत 20 दिसंबर को आर्य नगर स्थित 'द स्पोर्ट्स हब' (टीएसएच) में हुई। इस उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि सचिन शुक्ला (स्व. शांति देवी शुक्ला के पौत्र) ने मैच का शुभारम्भ किया। प्रतियोगिता में 16 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया, और उद्घाटन के बाद खेले गए शुरुआती मुकाबले दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक रहे। पहले दिन के मैचों में एलेन हाउस पब्लिक स्कूल, नॉर्थ वेस्ट स्पोर्ट्स अकैडमी, हेयलाइजर बॉर्डर, और पंडित दीनदयाल स्कूल ने अपने-अपने मुकाबले जीते। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने टूर्नामेंट को एक ऊंचाई दी, जहां हर टीम जीत के लिए भरपूर मेहनत करती दिखी।

मैचों में बेस्ट प्लेयर का खिताब अमोस विक्टर, उदय सिंह, और हर्ष सैनी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को दिया गया, जिनकी उत्कृष्ट प्रदर्शन ने सभी को प्रभावित किया। टूर्नामेंट के अगले चरण, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों के लिए खिलाड़ियों और दर्शकों में उत्साह चरम पर है। इस मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रणीत अग्रवाल, कन्वीनर अमिताभ गुप्ता, डॉ. आई एम रोहतगी, जय बजाज, राजेश जायसवाल, अशोक गुप्ता, अनिल शर्मा और जनरल सेक्रेटरी डॉ. विकास विक्टर सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

## 44वीं एनटीपीसी नेशनल आर्चरी चैम्पियनशिप में मप्र के खिलाड़ियों ने जीते तीन पदक

एजेंसी

**भोपाल।** झारखंड के जमशेदपुर नगर में गोपाल मैदान में 15 से 20 दिसंबर तक आयोजित 44वीं एनटीपीसी सीनियर रिकर्व कम्पाउण्ड नेशनल आर्चरी चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश राज्य आर्चरी अकादमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दो रजत और एक कांस्य सहित तीन पदक अर्जित किए। जनसम्पर्क अधिकारी दुर्गेश रायकवार ने बताया कि व्यक्तिगत कम्पाउण्ड वूमेन स्पर्धा की खिलाड़ी श्रृष्टि सिंह ने रजत पदक जीता। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी सटीक निशानेबाजी का परिचय दिया।

वहीं, रिकर्व वूमेन टीम स्पर्धा में टीम सदस्य सोनिया ठाकुर, वित्षा ठाकुर, कृतिका बिचपुरिया, जहान्वी देशमुख ने रजत पदक प्राप्त किया। इस टीम ने बेहतरीन तालमेल और कौशल दिखाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं ब्रांज मिक्स टीम

इवेंट में अमित कुमार और कृतिका बिचपुरिया ने कांस्य पदक हासिल किया। अमित कुमार और कृतिका बिचपुरिया की जोड़ी ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कांस्य पदक हासिल किया।

**खेल मंत्री सारंग की बधाई**

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी विजेता खिलाड़ियों और कोचों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के खिलाड़ी हर स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। ये उपलब्धियां प्रदेश की खेल संस्कृति को और सशक्त बनाएंगी।

# पटना पाइरेट्स को हराकर यू मुंबा ने प्लेआफ के दरवाजे पर मजबूत कदम रखा

एजेंसी

**पुणे।** यू मुंबा ने अपने हरफनमौला खेल की बदौलत बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 122वें मैच में तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स को 43-37 के अंतर से हराकर अंक तालिका में पांचवां स्थान हासिल कर प्लेआफ के दरवाजे पर मजबूती से कदम रख दिया है। अंतिम समय में वापसी के दम पर इस मैच से एक अंक लेकर पटना ने हालांकि फिर से दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। मुंबा की जीत में अजीत चव्हाण (15) और कप्तान सुनील (5) हीरो बनकर उभरे। पटना के लिए देवांक ने देर से ही सही लेकिन 12 अंक बटोरे। पटना को 21 मैच में सातवीं हार मिली जबकि मुंबा को 20 मैच में 11वीं जीत मिली। मंजीत के कुछ बेहतरीन रेड्स की बदौलत यू मुंबा ने दूसरे मिनट में ही 4-1 की लीड क साथ पटना को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। अयान ने उसे इस स्थिति से निकाला और फिर अंकित ने अजीत को लपक स्कोर 3-4 कर दिया। इसके बाद रोहित ने रेड औऱ डिफेंस में अंक लेकर मुंबा को 3 की लीड दिला दी। सुपरसब सुधाकर ने हालांकि डू ओर डाई रेड पर मुंबा के डिफेंस से गलती करा दी लेकिन अजीत ने सुपर रेड के साथ पटना का पुलिंदा बांध दिया। फिर मुंबा ने आलआउट लेकर 12-5 की

लीड ले ली। आलइन के बाद पटना ने लगातार दो अंक लेकर 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 7-13 कर दिया। ब्रेक के बाद मुंबा ने इसका जवाब लगातार दो अंक से दिया लेकिन देवांक ने मल्टीप्वाइंटर के साथ हिसाब बराबर किया। मुंबा का डिफेंस देवांक और अयान को खुलकर नहीं खेलने दे रहा था। यही कारण था कि 15 मिनट के खेल के बाद मुंबा 20-12 से आगे थे। पटना का डिफेंस हालांकि बेहतर कर रहा था। इस बीच मुंबा ने डू ओर डाई रेड पर रेड तथा डिफेंस मे अंक लिए और फिर अजीत ने मल्टीप्वाइंटर के साथ हाफटाइम तक मुंबा को 24-14 की लीड दिला दी। पटना के लिए हालांकि सुपर टैकल आन था। हाफटाइम के बाद अजीत ने मल्टीप्वाइंटर के साथ सुपर-10 पूरा कर पटना को आलआउट की कगार पर ला दिया। अगली रेड पर अजीत ने अयान और गुरदीप के खिलाफ असाधारण प्रदर्शन के दम पर पटना को आलआउट कर मुंबा को 31-17 की लीड दिला दी। मुंबा का डिफेंस गरज रहा था। देवांक के खिलाफ लोकेश के एंकल होल्ड से तो यह साबित हो गया। पटना ने वापसी की राह पकड़ी और 30 मिनट के बाद स्कोर 25-35 कर दिया। मुंबा के लिए सुपर टैकल आन था। सुधाकर गए और लपक लिए गए। इसके बाद मुंबा के डिफेंस ने देवांक को भी लपक लिया। अजीत ने फिर डू ओर डाई पर अंक लेकर स्कोर 39-25 कर दिया। अगली रेड पर हालांकि मुंबा के डिफेंस से गलती करा दो अंक ले लिए लेकिन फिर सुपर टैकल कर लिए गए। इसके बाद हालांकि पटना फिर से मुंबा को सुपर टैकल और फिर आलआउट की ओर ले आए लेकिन अजीत ने उसे बचा लिया। पटना ने हालांकि जल्द ही आलआउट लेकर स्कोर 35-42 कर दिया। आलइन के बाद रोहित ने एक अंक लिया और पटना की हार तय कर प्लेआफ के दरवाजे पर कदम रख दिया।

# देवोलीना भट्टाचार्जी

## के घर गूंजी किलकारी, 'गोपी बहू' ने दिया बेटे को जन्म

लंबे वक्त से देवोलीना भट्टाचार्जी अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई थीं. एक्ट्रेस ने पति शहनवाज के साथ अपने बर्थडे की फोटोज शेयर की थीं, जिसमें उनका बेबी बंप नजर आ रहा था. फैन्स इस बात को लेकर काफी ज्यादा एक्साइटेड थे कि देवोलीना को बेटा होगा या बेटी. लेकिन अब फैंस का इंतजार खत्म हो चुका है और देवोलीना भट्टाचार्जी के घर खुशियों ने दस्तक दे दी है. देवोलीना ने बेटे को जन्म दिया है.

देवोलीना और शहनवाज ने सोशल मीडिया पर ये खुशखबरी अपने सभी फैन्स के साथ शेयर की है. शेयर किए गए पोस्ट में नए-नए मम्मी-पापा बने कपल ने अपनी खुशी जाहिर की है. कपल के फैंस भी इस बात से काफी खुश हैं और उनपर प्यार बरसा रहे हैं. साथ ही लोग बच्चे को भी आशीर्वाद दे रहे हैं.

**देवोलीना ने सोशल मीडिया पर दी खुशखबरी**

देवोलीना भट्टाचार्जी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक छोटा सा वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में उन्होंने बेटे के जन्म की अनाउंसमेंट की है. एक्ट्रेस के पोस्ट में लिखा है, "हम अपनी इस छोटी सी खुशी को जाहिर करते हुए बहुत एक्साइटेड हैं. हमारा बेबी बॉय इस दुनिया में आ चुका है. 18.12.2024." देवोलीना और शहनाज के घर कल बेटा हुआ है, लेकिन उन्होंने आज इसकी जानकारी फैन्स के साथ शेयर की है. देवोलीना के मां बनने की खबर सोशल मीडिया पर आते ही फैन्स के साथ-साथ सेलिब्रिटी भी उनको बधाई दे रहे हैं.

**2022 में की थी शादी**

देवोलीना भट्टाचार्जी ने अपने बॉयफ्रेंड और जिम ट्रेनर शहनवाज शेख के साथ साल 2022 में शादी की थी. देवोलीना हिंदू हैं और शहनवाज मुस्लिम धर्म से आते हैं. दोनों ने कोर्ट मैरिज करने का फैसला किया था. इस शादी के लिए देवोलीना को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया गया था.

## कुवैत में जन्मीं, लव मैरिज के बाद भी हुआ तलाक, हीरामंडी ने इस एक्ट्रेस की बदल दी किस्मत

2024 की सुपरहिट वेब सीरीज हीरामंडी में कई एक्ट्रेसेस ने काम किया था, उनमें से एक संजीदा शेख भी हैं. टीवी एक्ट्रेस संजीदा शेख ने कई रियलिटी शोज किए और फिल्में भी की हैं. ओटीटी पर संजीदा ने पहले भी काम किया, लेकिन संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' में उनके काम की खूब तारीफ हुई है.39 साल की संजीदा शेख इस साल 20 दिसंबर को अपना 40वां बर्थडे मनाएंगी. संजीदा शेख ने सालों पहले एक्टर आमिर अली से लव मैरिज की थी, जिनसे उन्हें एक बेटी है, लेकिन दो साल पहले ही संजीदा शेख ने तलाक लिया और अब सिंगल मदर हैं.

**संजीदा शेख का शुरुआती करियर**

20 दिसंबर 1984 को कुवैत में संजीदा शेख का जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ. संजीदा की फैमिली गुजरात के अहमदाबाद की रहने वाली है. 2003 में संजीदा शेख ने अपने करियर की शुरुआत की थी. दो साल उन्होंने छोटे-मोटे रोल किए लेकिन 2005 में आए टीवी सीरियल क्या होगा निम्मो का में बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आईं. इसके बाद 2007 में आए सीरियल कयामत में संजीदा ने एक वैम्प का रोल प्ले किया था. 'नच बलिए 3' में भी संजीदा शेख ने अपने पति के साथ एंट्री ली और वो सीजन उन्होंने जीत लिया था. कुछ ही सालों में संजीदा शेख टेलीविजन की पॉपुलर एक्ट्रेस बन गई थीं.

**सिंगल मदर हैं संजीदा शेख**

2007 में एक टीवी सीरियल आया, जिसका नाम 'क्या दिल में है' था. इसमें संजीदा शेख की मुलाकात आमिर अली से हुई जिनके साथ संजीदा लीड रोल में नजर आने वाली थीं. इनकी जोड़ी को उस समय काफी पसंद किया गया और इसी सीरियल के दौरान उनके बीच प्यार हुआ. 2012 में संजीदा ने आमिर अली से शादी कर ली और शादी के बाद कई रियलिटी शोज में दोनों साथ नजर आए.2018 में संजीदा सेरोगेसी के जरिए एक बेटी की मां बनीं, जिनका नाम आयरा है. 2020 में संजीदा आमिर से अलग रहने लगीं और 2022 में दोनों का तलाक हो गया. तलाक की वजह कपल ने आपसी सहमती बताई थी. तलाक के बाद बेटी की कस्टडी संजीदा को मिली तो सिंगल मदर के तौर पर संजीदा बेटी की परवरिश भी कर रही हैं.

## अब प्रियंका चोपड़ा की बहन भी बनाएंगी खाना, फिर से आपस में टकराएंगी मन्नारा और अंकिता लोखंडे

कलर्स टीवी के कुकिंग रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ' में प्रियंका चोपड़ा की बहन मन्नारा चोपड़ा की एंट्री हो गई है. अब मन्नारा चोपड़ा भारती सिंह के इस मजेदार शो में खाना बनाते हुए नजर आने वाली हैं. हालांकि मन्नारा चोपड़ा के साथ किस सेलिब्रिटी की जोड़ी बनेगी, इस बात का खुलासा अब तक नहीं हो पाया है. सिर्फ मन्नारा ही नहीं, इस रियलिटी शो के साथ और दो नाम भी जुड़ गए हैं. पब्लिक डिमांड पर 'लाफ्टर शेफ 2' में अंकिता लोखंडे और उनके पति विक्की जैन की वापसी हो चुकी है.

'लाफ्टर शेफ 2' से पहले 'बिग बॉस 17' के घर में मन्नारा चोपड़ा, अंकिता लोखंडे और विक्की जैन बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुए थे. लेकिन अंकिता लोखंडे और मन्नारा चोपड़ा के बीच दोस्ती से ज्यादा दुश्मनी का रिश्ता देखने मिला था. मन्नारा ने अंकिता लोखंडे पर ये इल्जाम भी लगाया था कि अंकिता प्रियंका चोपड़ा की बहन से इनसिक्योर हैं. उन्होंने अंकिता से कई ज्यादा फिल्में की हैं. एक तरफ अंकिता लोखंडे से मन्नारा चोपड़ा ने पंगा लिया हुआ था, लेकिन दूसरी तरफ अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन से उनकी अच्छी दोस्ती देखने मिल रही थी. उनकी इस दोस्ती की वजह से अंकिता और विक्की के बीच बिग बॉस 17 के घर में कई झगड़े हुए.

**'लाफ्टर शेफ' में देखने मिलेगी तकरार**

'बिग बॉस 17' के खत्म होने के बाद मन्नारा चोपड़ा और अंकिता लोखंडे अब तक एक दूसरे को नजरअंदाज करते हुए नजर आ रहे थे. लेकिन अब 'लाफ्टर शेफ' के सीजन 2 में शामिल होने के बाद इन तीनों को आपस में बात करनी होगी. अब ये बात तकरार में बदल जाएगी या फिर दोनों के बीच फ्रेंडशिप हो जाएगी? ये देखना दिलचस्प होने वाला है. कुकिंग रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ 2' के नए सीजन में शामिल होने वाले लगभग सभी कंटेस्टेंट सलमान खान के बिग बॉस के एक्स-कंटेस्टेंट रह चुके हैं. यानी इस शो में भी कॉमेडी के साथ भरपूर एंटरटेनमेंट देखने मिलने वाला है.

**जानें क्या है शो का फॉर्मेट**

लाफ्टर शेफ एक कुकिंग रियलिटी शो है. इस शो में टीवी और इंटरनेट की दुनिया के बड़े सेलिब्रिटी बतौर कंटेस्टेंट शामिल होते हैं.

इन सेलेब्रिटी की मेकर्स की तरफ से जोड़ियां बनाई जाती हैं. पूरे सीजन इन जोड़ियों को उन्हें दिए हुए कुकिंग चैलेंज का सामना करना पड़ेगा. जो जोड़ी कुकिंग चैलेंज में जीत जाएंगी, उन्हें शो में मौजूद शेफ की तरफ से एक स्टार दिया जाएगा. सीजन के आखिर में जिस जोड़ी के पास सबसे ज्यादा स्टार होंगे, उन्हें इस शो का विनर घोषित किया जाएगा.

## शादी के कुछ दिनों बाद ही काम पर लौटीं

# कीर्ति सुरेश

## वेस्टर्न लुक और मंगलसूत्र ने खींचा सबका ध्यान

साउथ की ब्यूटीफुल एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश इन दिनों अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड एंथनी थाटिल के साथ शादी रचाई है। इसके साथ ही वह

अपनी अपकमिंग फिल्म बेबी जॉन की प्रमोशन में जुट गई हैं। ऐसे में इसी बीच कीर्ति को शादी के बाद पहली बार पब्लिकली स्पॉट किया गया, जहां वो अपने वेस्टर्न लुक में मंगलसूत्र को फ्लॉन्ट करती नजर आईं। अब एक्ट्रेस का ये लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि कीर्ति सुरेश रेड कलर की वेस्टर्न ड्रेस में बेहद गॉर्जियस लग रही हैं। इसके साथ गले में पहना एक पीले रंग का धागा (तमिल में मंगलसूत्र) सब का ध्यान खींच रहा है। एक्ट्रेस पूरे कॉन्फिडेंस के साथ अपने मंगलसूत्र को फ्लॉन्ट कर रही है। अपने इस लुक को उन्होंने हल्के मेकअप और खुले बालों से कंप्लीट किया है। कैमरे के सामने मिलियन डॉलर स्माइल देते हुए वह सबका दिल जीत रही हैं। इस दौरान वह बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और वामिका गब्बी के साथ नजर आ रही है। फैंस इस वीडियो को खूब लाइक कर रहे हैं।बता दें, वरुण धवन के साथ वाली कीर्ति सुरेश की ये फिल्म क्रिसमस के मौके यानी 25 दिसंबर, 2024 को रिलीज होगी। इसका निर्देशन कलीस ने किया है और इसे एटली ने प्रोड्यूस किया है।वहीं, पर्सनल लाइफ की बात करें तो कीर्ति ने 12 दिसंबर को लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड एंथनी थैटिल के साथ गोवा में पारंपरिक रीति रिवाज से शादी रचाई थी और इसके बाद 15 दिसंबर को उन्होंने अपने पति संग क्रिश्चियन वेडिंग की, जिसकी तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हुईं।